ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आगामी चुनाव में कांग्रेस को वोट न दें : आर अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 17 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-168

जी-7 के इटली समिट में भारत ने हासिल की महत्वपूर्ण कामयाबी

चीन को खारिज कर भारत के साथ खड़े हुए जी-7 के देश

शुभ-लाभ विश्लेषण

जी-7 के सदस्य देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के समानांतर भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में औद्योगिक देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के जवाब में भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को समर्थन देने का वचन दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में तीन दिनों तक चली वार्ता के बाद जी-7 के सदस्य देश भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) जैसी ठोस बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समर्थन देने के लिए एक साथ खड़े हुए हैं।

अपुलिया के भव्य बोर्गो एग्नाज़िया रिसॉर्ट में पारंपरिक ग्रुप-फोटो के बाद जी-7 देशों ने कानून के शासन के आधार पर स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और 14 जून को संयुक्त वक्तव्य आधारित विज्ञप्ति जारी की। मेजबान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के अनुरोध पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया है, हम ठोस जी-7 पीजीआईआई (वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी) पहल, प्रमुख परियोजनाओं और गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए लॉबिटो कॉरिडोर, लूज़ोन कॉरिडोर, मिडिल कॉरिडोर और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर को बढ़ावा देंगे। ये परियोजनाएं हमारे समन्वय और वित्तपोषण को प्रगाढ़ करेंगी। इसके साथ ही जी-7 के सदस्य देश ईयू ग्लोबल गेटवे, ग्रेट ग्रीन वॉल पहल और इटली द्वारा शुरू की गई अफ्रीका के लिए मैटेई योजना के निर्माण को मजबूती प्रदान करेंगे।

भारत की आईएमईसी योजना का जोरदार समर्थन

चीन की बीआरआई योजना को दरकिनार कर दिया

भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) एक अभूतपूर्व योजना है जिसका उद्देश्य सऊदी अरब, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और शिपिंग नेटवर्क का निर्माण करके एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिम के बीच एकीकरण को सुरक्षित करने वाली है। इसके अलावा, समान विचारधारा वाले देश भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) को चीन की स्वार्थी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का मुकाबला करने के प्रयास के रूप में देखते हैं। चीन की बीआरआई योजना पारदर्शिता की कमी और अन्य देशों की राष्ट्रीय संप्रभुता के प्रति अनादर के कारण आलोचनाओं का केंद्र बनी है। चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के साथ अपने हित-संबंध स्थापित किए हैं। इसके जवाब में पिछले साल दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की भारत द्वारा मेजबानी से पहले, भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) अवधारणा को मजबूती दी गई थी।

इटली में वार्षिक ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) शिखर सम्मेलन के लिए दुनिया भर के नेता एकत्रित हुए और एक चौंकाने वाली घोषणा भी की। जी-7 के देश साल के अंत तक यूक्रेन को अतिरिक्त 50 बिलियन डॉलर देने की योजना बना रहे हैं। इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने खुलासा किया कि यह पैसा जब्त की गई रूसी संपत्तियों के मुनाफे से आएगा।यह कदम विशेष रूप से दिलचस्प है क्योंकि यह वैश्विक वित्त में एक बड़े बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारक होगा। 1974 के सऊदी अरब-अमेरिका समझौते ने अमेरिकी डॉलर को तेल व्यापार के लिए मुख्य मुद्दा बनाया था। यह समझौता अब समाप्त हो गया है। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने अमेरिका के साथ इस 80 साल के पेट्रो डॉलर सौदे को नवीनीकृत करने से इन्कार कर दिया है। अब, सऊदी अरब ने केवल अमेरिकी डॉलर के बजाय चीनी आरएमबी, यूरो, येन और युआन जैसी कई मुद्राओं में तेल बेचने का फैसला किया है। यह परिवर्तन विश्व के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है, डॉलर के दीर्घकालिक वर्चस्व को चुनौती दे सकता है तथा एक नए वित्तीय युग का सूत्रपात कर सकता है।

सुरक्षा एजेंसियों को अमित शाह ने दिया स्पष्ट निर्देश

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पूरी तरह कुचल दें

कश्मीर की तरह जम्मू में भी सख्ती से लागू हो 'ज़ीरो टेरर'

आतंकवाद को किसी भी कीमत पर दोबारा पनपने नहीं देंगे

आतंकवाद को समर्थन देने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा

आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय होंगे

जम्मू, 16 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले कुछ दिनों में कई मौकों पर आतंकवादियों के साथ सेना का एनकाउंटर हुआ है, कुछ जवान भी शहीद हुए हैं। इस बढ़ते हुए तनाव के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की है। यह बैठक जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति को लेकर की गई। बैठक के दौरान अमित शाह ने दो टूक कहा है कि आतंकवाद का सफाया होना जरूरी है। गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक के दौरान कहा कि आतंकवाद को कुचलना जरूरी है और किसी भी कीमत पर उसे फिर पनपने नहीं दिया जा सकता। अधिकारियों को संदेश देते हुए शाह ने यहां तक कहा है कि आतंकवाद समर्थकों को बख्शा नहीं जा सकता और उनके खिलाफ हर संभव एक्शन लेना होगा। इस समय जम्मू कश्मीर में आने वाले दिनों में अमरनाथ यात्रा और चुनाव जैसे बड़े कार्यक्रम भी होने जा रहे हैं। ▶10 पर

जम्मू संभाग में आतंकी हिंसा मरने वालों का आंकड़ा दोगुना

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 16 जून।

यह सबकी चिंता का विषय हो सकता है कि पिछले साल जनवरी महीने से लेकर अब तक होने वाली आतंकी हिंसा में जम्मू संभाग में मरने वालों का आंकड़ा दोगुना हो गया है। और अब चिंता इस बात की है कि अगर जम्मू संभाग आतंकियों ने निशाने पर यूं ही बना रहा तो जम्मू संभाग कश्मीर के हिंसा के आंकड़ों से आगे निकल सकता है। मरने वालों में सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों के अतिरिक्त ▶10 पर

सिंधु जल संधि की पुनर्समीक्षा होगी, नदियों का निरीक्षण शुरू

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार पाकिस्तान के साथ किए गए सिंधु जल करार की पुनर्समीक्षा कर रही है। इसके लिए सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत सिंधु और इसकी पांच सहायक नदियों का निरीक्षण किया जा रहा है। 17 से 28 जून तक भारत-पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों के साथ विशेषज्ञ जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। सरकार ने इस दौरे के लिए 50 अधिकारी नियुक्त किए हैं और जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के अधिकारियों को विद्युत विकास निगम के प्रबंध निदेशक के कार्यालय में रिपोर्ट करने को कहा है। 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि के बादल से आईडब्ल्यूटी के तहत हर साल भारत-पाकिस्तान ▶10 पर

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राजनीति तेज

एनडीए को तोड़ने के लिए दौड़ रहे इंडी-घोड़े

इंडी गठबंधन भी उम्मीदवार उतारने की तैयारी में

उपाध्यक्ष पद के लिए इंडी कर सकता है समझौता

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। 26 जून को होने वाले लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राजनीति तेज हो गई है, एक तरफ अगर भाजपा अपना प्रत्याशी खड़ा करने जा रही है तो दूसरी तरफ इंडी गठबंधन भी अपना उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। इंडी गठबंधन में शामिल दल एनडीए के घटक दलों में फूट डालने की भी कोशिशों में लगे हैं। विपक्ष की तरफ से मांग की गई है कि डिप्टी स्पीकर का पद उन्हें दे दिया जाए, अगर ऐसा किया गया तो वो अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। लेकिन सत्ताधारी एनडीए द्वारा ऐसा किया जाना असंभव है। लिहाजा, एनडीए को इंडी की चुनौती का सामना करना होगा।

वैसे, एनडीए के घटक दल जदयू ने साफ-साफ कह दिया है कि लोकसभा अध्यक्ष पद पर पहला अधिकार सत्तारूढ़ दल का होता है। ▶10 पर

लोकसभा अध्यक्ष चुनाव को लेकर हुई एनडीए की बैठक

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर आज एनडीए की अहम बैठक हुई। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर गहन मंथन हुआ। 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होने वाला है। भाजपा अपना उम्मीदवार उतारेगी। ▶10 पर

एनडीए के घटक दलों को तोड़ने की कोशिशें जारी

मुंबई, 16 जून (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष के लिए होने वाले चुनाव में सत्ताधारी एनडीए के घटक दलों पर डोरे डालने और उन्हें तोड़ने की इंडी-कोशिशें जारी हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भी इसका बीड़ा उठाया है। राउत ने कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष का पद एनडीए गठबंधन में शामिल दल के किसी नेता ▶10 पर

केंद्रीय कानून मंत्री ने दी देश को जानकारी

एक जुलाई से लागू हो जाएंगे तीन नए आपराधिक कानून

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारत सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई 2024 से देश में लागू हो जाएंगे। ये कानून पिछले साल 25 दिसंबर को अधिसूचित किए गए थे।

कानून मंत्री ने कहा, भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) बदल रहे हैं। उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए और भारत के विधि आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए तीनों कानूनों को बदला गया है। एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से तीन कानून लागू किए जाएंगे। ▶10 पर

एलन मस्क के बाद राहुल गांधी का प्रलाप लाजमी था

ईवीएम पर फिर उठाए गंभीर सवाल

राहुल भइया बोले तो अखिलेश भी बोले

चुनाव आयोग ने फिर से खारिज किया

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एलन मस्क ने ईवीएम के इस्तेमाल पर आपत्ति उठाई तो भारत में राहुल गांधी को बोलना ही था। विदेशियों को बोली बोलने वाले राहुल गांधी ने एलन मस्क की नकल में फिर से बोल पड़े कि भारतीय चुनाव प्रणाली में ईवीएम का दुष्प्रयोग हो रहा है। ऐसा कह कर राहुल ने कांग्रेस की 99 सीटों पर हुई

जीत को भी संदेह के दायरे में खड़ा कर दिया। बिना सोचे समझे बोलने वाले राहुल गांधी का साथ देते हुए इंडी गठबंधन के दूसरे कुमार अखिलेश यादव भी बोल पड़े। अखिलेश ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए और पुराने समय में चलने वाले बैलट-पेपर वाली व्यवस्था फिर से ▶10 पर

सुनियोजित तरीके से गलत खबरें फैलाई जा रही हैं : आयोग

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने कहा है कि ईवीएम का फोन से कोई लेना देना नहीं होता, इसे समझदार नेताओं को समझना चाहिए। आयोग ने कहा कि ईवीएम को लेकर सुनियोजित तरीके से गलत प्रचार किया जा रहा है, फर्जी खबरें फैलाई जा रही हैं। वैसे तो ईवीएम को लेकर विवाद कोई पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन इस बार एक ऐसा मामला सामने आ गया है जिसने सभी को हैरत में डाल दिया है। ▶10 पर

संघ प्रमुख और सीएम योगी की हुई एकांत बैठक

भागवत-योगी वार्ता के गहरे निहितार्थ

गोरखपुर, 16 जून (एजेंसियां)।

बंद कमरे में संघ प्रमुख मोहन भागवत से सीएम योगी आदित्यनाथ ने क्या बात की? इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चा सरगर्म है। शनिवार को दोनों दिग्गजों के बीच दो बार मुलाकात हुई। यह मुलाकात गोरखपुर में बंद कमरे में हुई। लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली हार के बाद इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे है। लोकसभा चुनाव में भितरघात के कारण भाजपा की अप्रत्याशित पराजय को लेकर अंदर ही अंदर मामला तूल पकड़ता जा रहा है। योगी आदित्यनाथ भितरघात की पूरी तस्वीर उजागर करने के मूड में हैं। इसी वजह से संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ उनकी एकांत वार्ता के गहरे निहितार्थ हैं।

संघ प्रमुख और योगी के बीच मुलाकात शनिवार को ही दो बार हुई। दिन में गोरखपुर कैंपियरगंज इलाके में संघ की एक बैठक के दौरान हुई दोनों की मुलाकात हुई। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

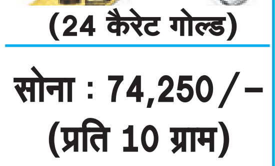

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,250/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,500/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 22°

अरुंधति रॉय का राष्ट्र विरोधी भाषण : अब यूएपीए में कार्रवाई

भारत में खुलेआम चला रही थी पाकिस्तानी एजेंडा

विवादास्पद लेखिका अरुंधति रॉय के खिलाफ दिल्ली के उपराज्यपाल ने यूएपीए मामले में केस चलाने की मंजूरी दे दी है। अरुंधति रॉय के खिलाफ जिस भाषण को लेकर केस चलाया जा रहा है, वह भाषण 21 अक्टूबर 2010 को दिल्ली में आयोजित -आजादी: द ओनली वे- थीम पर आयोजित सेमिनार में दिया गया था। उस सेमिनार में भारत विरोधी सैयद अली शाह गिलानी, शेख शौकत हुसैन, नक्सली वरवर राव जैसे ही तमाम लोग मौजूद थे। दिल्ली में आयोजित इस सेमिनार में

कांग्रेस सरकार ने एफआईआर दर्ज होने के बाद भी नहीं लिया था कोई एक्शन

अरुंधति रॉय ने 15 मिनट लंबा भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने भारत देश के खिलाफ जमकर जहर उगला था। उसके भारत विरोधी भाषण पर सेमिनार में जमा दुर्बुद्धिजीवी, छद्मी प्रगतिशील, पाखंडी धर्मनिरपेक्ष और संकुचित

लिबरल जमात जमकर तालियां बजा रही थी। उस कार्यक्रम का वीडियो आज भी मौजूद है। इसे देखा जा सकता है।

अपने भाषण में अरुंधति रॉय दावा कर रही है कि भारत सरकार ने गरीबों के खिलाफ जंग छेड़ा हुआ है। देश के आदिवासी इलाकों में असंतोष है। अरुंधति ने कहा, मैं हफ्ते या 10 दिन पहले रांची में थी, जहां ऑपरेशन ग्रीन हंट के खिलाफ पीपल्स ट्रिब्यूनल चल रहा है। ऑपरेशन ग्रीन हंट देश के सबसे गरीब लोगों के खिलाफ भारत राज्य की लड़ाई है। इस दौरान जब पत्रकारों ने जम्मू-कश्मीर पर उसके रुख को लेकर सवाल पूछा, तो अरुंधति ने कहा, कश्मीर कभी भारत का आंतरिक हिस्सा नहीं रहा है। चाहे आप मुझसे कितनी भी आक्रामकता से और कितनी भी बार यह पूछें। यह वही लाइन है जो पाकिस्तान लेता रहा है। साफ हुआ कि अरुंधति भारत में पाकिस्तान का एजेंडा और प्रोपेगेंडा आगे बढ़ाने के लिए ऐसे सेमिनारों में जाती हैं या आमंत्रित की जाती हैं। ▶10 पर

साथ थे गिलानी, शौकत हुसैन, वरवर राव और खान मार्केट गिरोह के पत्रकार

कार्टून कॉर्नर

कारगिल की 25वीं वर्षगांठ पर विजय उत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कारगिल की 25वीं वर्षगांठ पर फाउंडेशन इंडिया द्वारा जेपी नगर स्थित एमएलआर कन्वेंशन सेंटर के ऑडिटोरियम में शनिवार शाम 5 बजे से विजय उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सनातन समाज से बड़ी संख्या में पुरुषों व महिलाओं ने भाग लिया। विजय उत्सव के मौके पर कारगिल में शहीद वीर जवानों के परिवार से वीरांगनाओं, कारगिल युद्ध में दुश्मनों से लोहा लेने वाले सेना के जवान व अफसर भी उपस्थित हुए और कारगिल युद्ध में एक सैनिक कैसे देश की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई लड़ते है के बारे में जानकारी दी। सभी ने फाउंडेशन इंडिया द्वारा इस आयोजन के लिए कहा कि आज हम बहुत खुश हैं कि जब जवान अपना बलिदान भी दे दे तो उसके परिवार के साथ पूरा देश खड़ा रहता है।

अध्यक्ष विनोद सिंघल, राजाराम भूतड़ा, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश गुप्ता, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, सचिव सतीश गोयल, फाउंडेशन इंडिया के ट्रस्टी चंद्रप्रकाश रामसिसरिया, हरियाणा विकास ट्रस्ट के सचिव संजय रावलवासिया ने सेना के अफसर व जवानों का शाल व मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर वीरांगनाओं का भी सम्मान किया गया। विशेष अतिथि पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ उपस्थिति रहे। मंच संचालन सचिव संजय गुप्ता ने किया।

श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी के नेतृत्व में बेंगलूरु शाखा के समस्त सदस्यों की एक आवश्यक बैठक कुमारकृपा गेस्ट हाउस (सरकारी गेस्ट हाउस) में हुई।

बैठक का शुभारंभ पृथ्वीराज मेहता द्वारा मंगलाचरण से किया गया। सभी का स्वागत अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने किया। युवक महासंघ के कार्यो को आगे किस प्रकार से गति प्रदान करें उस विषय पर अशोक गजानन, मीठालाल पावेचा, भेरूलाल दांतेवाडिया, इन्द्रचंद नाहर, अशोक भंडारी, सुरेश फोलामुथा, चम्पालाल दांतेवाडिया, महेंद्र सोलंकी, दिलीप वेदमूथा, पदमराज मेहता, गौतम चोपड़ा आदि ने अपने अपने विचार रखे। युवक महासंघ के राट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी ने बताया कि अगर हम धर्म के कार्यो में जुड़ कर अपनी सेवा देंगे तो हम राजनीति में भी आगे बढ़ सकते हैं। आज मैं जो भी हूं वह सब युवक महासंघ में अपनी सेवा व अपने कर्तव्यों का पालन करने से ही हूं। युवक महासंघ की भारत वर्ष में 900 से ज्यादा शाखाएं कार्यरत हैं, जो अपने अपने स्तर पर सेवाएं दे रही है। युवक महासंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी का युवक महा संघ बेंगलूरु शाखा के सभी सदस्यों द्वारा अभिनंदन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन युवक महासंघ के महामंत्री मनोज बाफना ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर की टीम ने रविवार को बसवनगुड़ी में कृष्णराव पार्क के पास स्थित जंक्शन पर धरती माता को बचाने के लिए चल रहे वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। महावीर इंटरनेशनल की चेयरपर्सन भारती छाजेड तलेसरा इस वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण को बचाने की पहल में भाग लिया। महावीर इंटरनेशनल के मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया परियोजना के संयोजक हैं। क्षेत्र में लगभग 15 पेड़ लगाए गए। इस अभियान को हसीरू राटा टीम बेंगलूरु ने समर्थन दिया। सदस्यों ने कहा सभी को पेड़ लगाने में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि हम सभी मिलकर एक ग्रीन सिटी बना सकें।

दो दिवसीय श्री उत्सव का शानदार आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ-साथ एक कदम स्वावलंबन की ओर के उद्देश्य को लेकर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा श्री उत्सव का अर्हम भवन के प्रांगण में शानदार आगाज हुआ। इस दो दिवसीय श्री उत्सव का उद्घाटन एवं बैनर का अना-वरण प्रायोजक कटारिया परिवार की ओर से मधु, कशिश कटारिया ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बहनों द्वारा मंगलाचरण से किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए, कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यरत अपनी पूरी टीम के प्रति आभार ज्ञापित किया। अखिल

भारतीय से मधु कटारिया ने बधाई देते हुए कहा कि मंडल आगे भी अपने कार्यों से सफलता के नए-नए मुकाम हासिल करें। निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने बहनों के श्रम एवं सहयोग की सराहना करते हुए, शुभकामनाएं प्रेषित की व अगस्त महीने में होने वाले दक्षिणांचल कन्या अधिवेशन की जानकारी दी। विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने मंडल को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। मंडल की पूर्व अध्यक्ष कुसुम डांगी, सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेयुप अध्यक्ष राकेश पोकरणा ने भी मंडल के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। मंडल की मंत्री दीपिका गोखरू ने बताया कि 2 दिन चलने वाले इस श्री उत्सव में संस्कृति एवं कला के अद्भुत संगम की सौधी खुशबू बिखरे हुए इंद्रधनुषी रंगों से सजी इस प्रदर्शनी में रंग-बिरंगे वस्त्र, आभूषण, हस्त निर्मित कलाकृतियां, राखियां, दैनिक आवश्यकता के सामान, लजीज व्यंजन आदि के 50 से अधिक स्टॉल सजाए गए हैं। उद्घाटन के कार्यक्रम में मंडल की परामर्शिका बहने, पदाधिकारी गण, कार्यकारिणी, सभा के अध्यक्ष, मंत्री एवं उनकी टीम, तेयुप अध्यक्ष, मंत्री एवं उनकी टीम तथा गांधीनगर, यशवंतपुर, राजाजीनगर, टीदासरहल्ली महिला मंडल से अध्यक्ष एवं मंत्री की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री उत्सव की संयोजिका मनीषा घोषल तथा आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने किया।

षष्ठम कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना की अध्यक्षता में सत्र 2023-24 की अंतिम षष्ठम कार्यसमिति बैठक तेरापंथ सभा भवन राज-ाजीनगर में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद गन्ना ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने पधारे हुए सभी साथियों का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। सहमंत्री प्रथम जयंतीलाल गांधी ने गत पंचम कार्यसमिति की बैठक का वाचन करते हुए उपस्थित सदन से पारित करवाया। तेयुप मंत्री कमलेश

चौरडिया ने सत्र 2023-24 में तेयुप त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में संपादित एवं परिषद द्वारा हासिल की गई प्रगति को पूरी स्पष्टता से प्रगति प्रतिवेदन में दर्शाते हुए उनकी संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। कोषाध्यक्ष अजिंक्या चौधरी ने आय व्यय का लेखा-जोखा पेश किया। दोनों को उपस्थित कार्यसमिति सदस्यों ने सर्व समिति से पारित किया। कार्यसमिति सदस्यों ने आखिरी कार्यकारिणी बैठक में अपने विचार एवं अनुभव व्यक्त किए। इस अवसर पर परामर्शक प्रवीण नाहर, प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य की अच्छी उपस्थिति रही। बैठक का संचालन मंत्री कमलेश चौरड़िया और आभार जयंतीलाल गांधी ने व्यक्त किया।

युवक समाज की शक्ति और सामर्थ्यवान धरोहर

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद हासन द्वारा आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत युवाओं को सम्बोधित करते हुए मुनि मो-हजीतकुमार जी ने कहा कि युवक समाज की शक्ति और सामर्थ्यवान धरोहर है। जिसका उपयोग संघ और समाज के उत्थान में किया जा सकता है। इसके लिए वह किसी महान व्यक्ति को जीवन का आदर्श बनाएं। अपनी योग्यता का आकलन स्वयं करें। प्रत्येक युवक अपने जीवन में सफलता को प्राप्त करना चाहता है। इस हेतु उसके हृदय में सरलता हो, मन में कोमलता हो, स्वभाव में शीतलता हो तब ही वह हर क्षेत्र में सफल बन सकता है। युवा संवाद कार्यक्रम में मुनि भव्य कुमार जी ने युवकों के व्यक्तित्व को निखारने के चार जीवन मानक

को प्रकट करते हुए कहा कि प्रत्येक युवक में चरित्रबल, विश्वास बल, समर्पणबल और पुरुषार्थ बल सुदृढ़ होना चाहिए। इसी से युवकत्व की आन बान शान सुरक्षित रह सकती है। युवा संवाद' उपक्रम में क्रियात्मक और भावात्मक विचार प्रकट करते हुए मुनि जयेश कुमार जी ने कहा कि युवा पहला संवाद स्वयं से स्थापित करें कि वह कौन है और जिन्दगी में क्या हासिल करना चाहता है? जो व्यक्ति सपने को संकल्प और संकल्प को हकीकत बनाते है, ऐसे दृढ़ संकल्पी ही जीवन में महानता का वरण करते हैं। संचालन युवक परिषद के मंत्री मनीष तातेड ने किया। आभार शरत भंसाली ने व्यक्त किया। समाज के सभी पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ स्नेहा संजीवनी महिला मतु मक्कल क्षेमाभीवृद्धि संस्था द्वारा कल्याण नगर स्थित ज्ञानसौदा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुशीला एवं संस्था के पदाधिकारी मौजूद थे।

साध्वी उदितयशाजी नायनदहल्ली पहुंची

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी उदितयशाजी ने 29 दिन का पावस प्रवास संपन्न कर रविवार को तेरापंथ सभा भवन आर.आर नगर से विहार कर नायनदहल्ली में विनोद छाजेड़ की फैक्ट्री में पहुंची। अच्छी संख्या में श्रावक समाज ने रैली के रूप में साध्वी का विहार करवाया। विहार से पूर्व रात्रि में मंगल भावना कार्यक्रम रखा गया। शुक्रवार को गुरुदर्शनार्थ भुसावल जाने से पूर्व सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि आपने जो गोचरी, सम्यक्त्व

आदि के बारे में फरमाया उससे हमें पता चला कि सही मायने में हम इन दोषों से कितने अंजान थे। आपके सरल व्यक्तित्व, ओजस्वी वाणी ने पूरे श्रावक समाज में जागरूकता पैदा की है। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, छतरसिंह सेठिया, तेयुप अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, महिलामंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी तथा अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने अपनी भावना व्यक्त की एवं धर्म लाभ की बात रखी। श्रावकों की अभिव्यक्ति में साध्वी जी के जाने की पीड़ा के स्वर थे तो किसी ने आत्म दोष की बात रखी। साध्वी भव्ययशाजी एवं साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने संवाद के रूप में अपने प्रवास काल की संस्मरण बताई। साध्वी संगीतप्रभा जी ने आर आर नगर के श्रावक समाज को भाग्यशाली कहकर संबोधित किया। महिला मंडल, युवक परिषद, ज्ञानशाला, किशोरमंडल, कन्यामंडल की जागरूकता की प्रशंसा की। साध्वी उदितयशाजी ने कहा की उनका आरआर नगर का प्रवास अविस्मरणीय रहेगा। लोगों ने उनके प्रवास काल में अपने सामर्थ्य अनुसार अच्छा लाभ लिया है। लोगों की जागरूकता एवं समय की उपयोगिता उल्लेखनीय है। महिला मंडल द्वारा सुमधुर गीतिका का संगान किया गया।

आगामी चुनाव में कांग्रेस को वोट न दें: आर अशोक

यह जनविरोधी सरकार है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने राज्य की जनता से आह्वान किया है कि वे सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को वोट न दें, जिसने आगामी जिला, तालुक और बीबीएमपी चुनावों से पहले डीजल और पेट्रोल की कीमत बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला है। कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ रहे किसी भी मंत्री या विधायक के भाई-बहन या रिश्तेदारों को एक भी वोट न दें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट दोगे तो और गर्मी झेलोगे। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया झूठ बोल रहे हैं कि कर्नाटक की जनता 5 गारंटी के क्रियान्वयन से संतुष्ट है। वहीं वे कहते हैं कि देश में कर्नाटक मॉडल की चर्चा हो रही है। अशोक ने कहा कि दरअसल चर्चा इस बात की हो रही है कि डीजल और पेट्रोल के दाम अचानक क्यों बढ़ाए गए हैं। यह गारंटी है कि राज्य के लोग आगामी स्थानीय निकाय और बीबीएमपी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं देंगे। हर कोई कोस रहा है कि यह जनविरोधी सरकार है।

उन्होंने आलोचना की कि उनके आंसुओं का अभिशाप इस सरकार को नहीं छोड़ेगा। क्या स्वयंभू आर्थिक विशेषज्ञ सिद्धरामैया, जो यह दावा करते हैं कि उन्होंने 14 बजट पेश किए हैं, को इस बात का कोई सामान्य ज्ञान नहीं है कि गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन से सरकार के खजाने पर कितना बोझ पड़ेगा? राज्य की जनता इस मनहूस सरकार के सत्ता छोड़ने का इंतजार कर रही है। सिद्धरामैया किस नैतिकता के साथ सत्ता में बने हुए हैं? पेट्रोल और डीजल की कीमतें

केवल इस कारण से बढ़ाई गई हैं क्योंकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में हमें वोट नहीं दिया। अगर बदला लेना है तो बीजेपी से बदला लो। इसे छोड़ दीजिए और आम आदमी के पेट में पत्थर डालने का काम मत कीजिए। अशोक ने चेतावनी दी कि अगर गरीब नाराज हो गये तो राज्य में कांग्रेस का सफाया हो जायेगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया तुरंत राज्य की आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करें। मैं कर्नाटक की आर्थिक स्थिति को भी जानता हूं। हर कोई सरकारी अधिकारियों को परेशान कर रहा है। अधिकारी विभाग में आने के लिए राशि गिन रहे हैं। हालांकि विभाग में पैसा नहीं है, लेकिन कुछ लोग बिल जारी करने का दबाव बना रहे हैं। वेतन आयोग की रिपोर्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया गया है। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार का कहना है कि सरकारी कर्मचारियों ने हमें वोट नहीं दिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही शासन व्यवस्था है।

यह कांग्रेस पार्टी के विधायक हैं जो सीएम और डीसीएम के खिलाफ हो गए हैं। डीके शिवकुमार ने विधायकों को धमकी दी कि वे किसी को शक हुए बिना अपना मुंह बंद रखें। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि डीके सुरेश और शिवकुमार पेट में हरी मिर्च की तरह हैं। शिवकुमार का कहना है कि विधायकों को उनके दरवाजे पर नहीं आना चाहिए। वह अपने भाई की हार से पूरी तरह निराश हो गए हैं। जिन लोगों ने वोट नहीं दिया उनके खिलाफ सरकार नफरत की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हार से इतनी निराशा हुई है कि डीजल और पेट्रोल की बिक्री पर टैक्स में बढ़ोतरी इसका सबूत है। सीएम सिद्धरामैया वर्तमान मुख्यमंत्री हैं। मैंने सदन में कहा था कि पिछला बजट फर्जी था। लेकिन मेरी बात नहीं मानी गयी। अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि यह गारंटी राज्य की वित्तीय स्थिति को दिवालिया बना देगी। अब हर कोई जानता है कि उसकी किस्मत क्या है।

अगर वे कहते हैं कि बजट में दरें बढ़ा देंगे, तो रातों-रात बढ़ा देते हैं, क्योंकि कहीं लोग मुंह न मोड़ लें।

पिछले तीन माह से चावल का भुगतान नहीं हुआ है। बीडीए के प्लॉट और कॉम्प्लेक्स बिक्री के लिए रखे गए हैं। निगम भवन, उपयोगिता भवन और वार्ड कार्यालयों को कवर करने के लिए एक खाका तैयार किया गया है। इसी तरह जलमंडली में भी हजारों करोड़ लूटने की योजना तैयार है। डीसीएम शिवकुमार ने इन सभी को राष्ट्रीय बैंकों में रोककर कर्ज जुटाने का खाका तैयार किया है। वित्तीय अनुशासन पूरी तरह चरमरा गया है। कर्नाटक को विनाश की ओर ले जाया जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि वापस न लेने पर उग्र संघर्ष की चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय वाहन चालक संघ ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अवैज्ञानिक वृद्धि की निंदा की है और मूल्य वृद्धि को तुरंत नहीं रोकने पर उग्र संघर्ष की चेतावनी दी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सदानंद स्वामी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी, जो वित्त विभाग के लिए जिम्मेदार हैं, को एक अनुरोध प्रस्तुत किया है और उन्हें तुरंत किराया कम करने का आग्रह किया है। राज्य में कैब, टैक्सी कार, माल और निजी बसें, दूध वाहन, जेसीबी, टैंकर सहित 83 लाख से अधिक येलो बोर्ड वाहन चलते हैं। कीमतों में वृद्धि से सभी चीजों की कीमत में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक वाहनों के मालिकों और चालकों के लिए किराये में बढ़ोतरी की योजना बनायी गयी है। गारंटी योजनाओं के वित्तपोषण के लिए शिपिंग क्षेत्र पर बोझ डालना बेहद अमानवीय है। सरकार ने उन आम लोगों की जिंदगी खत्म कर दी है, जिन पर महंगाई का असर होता है। स्वामी ने कहा कि बिना किसी संकेत के पेट्रोल-डीजल पर सेल्स टैक्स बढ़ाना बेहद निंदनीय है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार तुरंत अपने फैसले से पीछे नहीं हटी तो उन्हें सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना पड़ेगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में वृद्धि का मामला

सरकार गरीब विरोधी नीति अपना रही : प्रल्हाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने राज्य सरकार पर पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाकर आम लोगों के खिलाफ नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व विचार के पांच गारंटी की घोषणा की है और अब वित्तीय बोझ को रोकने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन प्रशासन व्यवस्था ध्वस्त हो गई है, कीमतें बढ़ गई हैं और आम लोगों की जेब पर गारंटी का बोझ पड़ गया है। वैश्विक युद्ध और भीषण सूखे के कारण लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर फसल ठीक से नहीं आई है। इससे पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाया। समुचित आपूर्ति नहीं होने के कारण खाद्यान्न नहीं मिल पाता था और अब भी नहीं मिल रहा है, जो कुदरती हैं। लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाना मानव निर्मित है। तेल के दाम बढ़ने से बस किराया, दूध के दाम, चावल सभी के दाम बढ़ जाते हैं। सरकार गरीब विरोधी नीति अपना रही है। जनता ने गारंटी को तुच्छ समझा, लोकसभा चुनाव में गारंटी ने उन्हें सबक सिखाया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि अब दुश्मनी पर उतारू सरकार कीमतें बढ़ाकर आम जनता से बदला ले रही है। उन्होंने एक हाथ से दिया है और दूसरे हाथ से छीन लिया है। इससे पहले राज्य सरकार ने मूल्य वृद्धि के खिलाफ यात्रा निकाली थी। उन्होंने चेतावनी दी कि हम कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ेंगे।

सार्वजनिक सेवाओं और विकास कार्यों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गई वृद्धि: सीएम

महाराष्ट्र जैसे समान अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की तुलना में कम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में शनिवार से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का जोरदार बचाव करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कहा कि कीमतों में वृद्धि आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और विकास कार्यों के लिए की गई है। सिद्धरामैया ने एक प्रेस बयान में कहा कि सरकार ने पेट्रोल पर वैट बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और डीजल पर 18.44 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा इस वृद्धि के बाद भी, हमारे राज्य में ईंधन पर कर दक्षिण भारत के अधिकांश राज्यों और महाराष्ट्र जैसे समान अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की तुलना में कम है। महाराष्ट्र में पेट्रोल पर वैट 25 प्रतिशत और 5.12 रुपये अतिरिक्त कर है, जबकि डीजल पर यह 21 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कर्नाटक की संशोधित दरें अभी भी अधिक किफायती हैं। सिद्धरामैया ने यह भी उल्लेख किया कि वैट वृद्धि के बावजूद, कर्नाटक में डीजल की कीमतें गुजरात और मध्य प्रदेश की तुलना में अभी भी कम हैं। हम अपने नागरिकों के लिए ईंधन की कीमतें उचित बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि पिछली डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ने कर्नाटक के संसाधनों को दूसरे राज्यों में भेजने के लिए सहयोग किया।

राज्य की भाजपा सरकार पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करती रही, जबकि केंद्र सरकार ने अपने करों में वृद्धि की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन वाली भाजपा सरकार द्वारा हेरफेर के कारण कर्नाटक के राजस्व में कमी आई, जबकि केंद्र सरकार ने कन्नड़ लोगों को धोखा देते हुए अपने खजाने में अधिक धन एकत्र किया। 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क 9.48 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 3.56 रुपये प्रति लीटर था। हालांकि, भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान, मई 2020 में पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि की गई, जो क्रमशः 32.98 रुपये और 31.83 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद, नवंबर 2021 और मई 2022 के बीच पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः 13 रुपये प्रति लीटर और 16 रुपये की कटौती की गई। कटौती के बावजूद, पेट्रोल पर मौजूदा केंद्रीय उत्पाद शुल्क 19.9 रुपये और डीजल पर 15.8 रुपये है। उन्होंने कहा हम केंद्र सरकार से लोगों के लाभ के लिए इन करों को कम करने का आग्रह करते हैं। उन्होंने बताया कि कर्नाटक के वैट समायोजन से यह सुनिश्चित होता है कि हम आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और विकास परियोजनाओं को निधि दे सकें। उन्होंने कहा कि राज्य संतुलित और जिम्मेदार शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल और डीजल पर उपकर बढ़ाने की घोषणा

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उपकर बढ़ाने की घोषणा की है, जिससे ईंधन की कीमतों में वृद्धि होगी। पेट्रोल की कीमत में औसतन 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि होगी।

सरकार की गारंटी योजनाओं के वित्तीय प्रभावों को प्रबंधित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। शनिवार से तुरंत प्रभावी नई दरें पूरे राज्य के उपभोक्ताओं को प्रभावित करेंगी। उडुपी में पेट्रोल की मौजूदा कीमत 99.53 रुपये प्रति लीटर है, जो अब बढ़कर 102.55 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। इसी तरह, डीजल की कीमत 85.62 रुपये से बढ़कर 88.61 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी।

राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर बढ़ाकर जनता में पैदा किया आक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर बढ़ाकर जनता में आक्रोश पैदा कर दिया है। शनिवार अचानक सरकार ने एक आदेश जारी किया और तत्काल प्रभाव से पेट्रोल पर 3 रुपए और डीजल पर 3.50 पैसे की बढ़ोतरी की। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे नागरिकों के लिए सरकार का यह आदेश घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का स्वाभाविक रूप से माल ढुलाई सेवाओं पर असर पड़ेगा। ऐसे में जरूरी चीजों की कीमत भी महंगी हो जाएगी। परिवहन लागत दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तेल के दाम बढ़ने से सब्जियों और किराना समेत सभी चीजों के दाम बढ़ जाएंगे।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने दाम में बढ़ोतरी को आधार बनाकर केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी की आलोचना की थी। सत्ता में आने के बाद भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर केंद्र पर हमला बोला गया। अब वह सेल्स टैक्स में खुद ही संशोधन कर फंसती नजर आ रही है। तेल की बिक्री से राज्य सरकार को राजस्व मिल रहा है जो केंद्र के समानांतर जीएसटी के दायरे से बाहर है। पेट्रोल पर जो टैक्स पहले करीब 26 फीसदी था, वह अब बढ़कर 29.84 फीसदी हो गया है। डीजल पर टैक्स 14.34 फीसदी से बढ़कर 18.44 फीसदी हो गया है। इससे राज्य सरकार को लगभग 2 से 3 हजार करोड़ की आय हो रही है। लोकसभा चुनाव से पहले जनता के आक्रोश को देखते हुए केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम कर दीं। अनुमान था कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद केंद्र सरकार दरों में संशोधन करेगी। लेकिन उससे पहले ही राज्य सरकार ने सेल्स टैक्स बढ़ाकर झटका दे दिया है। इस घटनाक्रम से लोगों में गुस्सा है और यह गुस्सा और गहरा गया है कि पंचखत्री योजनाएं राजनीतिक कारणों से लागू की जा रही हैं और इसका बोझ जनता पर डाला जा रहा है। आंतरिक रूप से, राज्य सरकार ने यह ध्यान में रखते हुए तेल की कीमत में संशोधन किया है कि एक समान जनमत संग्रह आदर्श होना चाहिए। गारंटी योजनाओं की व्यापक आलोचना हो रही है और अगर इसे रोकने का दबाव बढ़ा तो ऐसा लगता है कि राज्य सरकार गृह लक्ष्मी, गृह ज्योति, शक्ति जैसी योजनाओं में कटौती कर सकती है और लागत कम करने के लिए दिशानिर्देश बना सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कह रहे हैं कि पंचखत्री परियोजनाओं के लिए बजट में पहले ही बजट निर्धारित किया जा चुका है। लेकिन अन्य विकास परियोजनाओं के लिए धन की कमी है। मालूम हो कि इसकी भरपाई के लिए पेट्रोल-डीजल पर टैक्स बढ़ाया जाएगा। सरकार बनते ही स्टांप ड्यूटी और एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी गई। पिछली सरकार द्वारा बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी का फायदा कांग्रेस सरकार को भी मिला। अब ज्यादा राजस्व की उम्मीद है क्योंकि सीधे तौर पर पेट्रोल और डीजल पर शुल्क बढ़ा दिया गया है।

श्री गुरु गणेश सेवा संगठन की सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा संगठन की कार्यकारिणी कमेटी की सभा शिवाजी नगर स्थित पार्क प्लाजा परिसर में हुई।

सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन अगली अमावस्या को कोरमंगला गौशाला में पूज्य महासतीजी सुशीला कंवरजी एवं पूज्य साध्वी चैतन्य श्रीजी के सानिध्य में प्रात: 8.30 बजे से जाप, तप, गौसेवा आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। अक्टूबर महीने में गुरु दर्शन हेतु जालना, बदनापुर, औरंगाबाद, अहमदनगर में करीब 200 सदस्यों का संघ यात्रा संगठन आयोजित करेगा। बेंगलूरु के निकट कर्नाटक केसरी गुरु गणेश दक्षिण तपोधाम के निर्माण विषय में सदस्यों ने काफी चर्चा की और अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

इस मौके पर मार्ग दर्शक शांतिलाल खिवेंसरा, प्रकाशचंद बम्ब, ताराचंद गुगलिया, महावीर चंद डुंगरवाल, सुरेंद्र रूणवाल, पदमचंद आच्छा, भारतकुमार रांका, गौतमचंद मेहता, प्रकाशचंद बाफना, प्रकाशचंद ओस्तवाल, किरणराज बोहरा, उत्तमचंद बलघट, उत्तमचंद मुथा, विनोद कुमार पोरवाल, ताराचंद सेहलोत, दिनेश लोढ़ा, आशीष बाफना, मनोजकुमार सोलंकी उपस्थित रहे। अध्यक्ष अशोक चंद गुगालिया एवं महा मंत्री रमेश डूंगरवाल ने यह जानकारी दी।

भाजपा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की करती है कड़ी निंदा: अश्वत नारायण

आज राज्य भर में विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने आपत्ति जताई कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद, उसने ईमानदारी से कीमतें बढ़ाई हैं और करों में वृद्धि की है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा भाजपा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की कड़ी निंदा करती है। हम इसके खिलाफ भाजपा की ओर से सोमवार को राज्य भर में विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क, सभी जिला मुख्यालयों और तालुक मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि बढ़ी दरें पूरी तरह वापस ली जाएं। कांग्रेस सरकार ने संपत्ति कर बढ़ाया, पेयजल दरें बढ़ाईं और बिजली दरें बढ़ाईं। वाहन कर और संपत्ति कर में भी

बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने शिकायत की कि बैंक में लोन लेने जाते हैं तो रजिस्ट्रेशन शुल्क भी बढ़ा दिया गया है।

महंगाई से लड़कर सत्ता में आई कांग्रेस ने चुनाव के दौरान कीमतें कम करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस प्रदेश की जनता को कीमतें बढ़ाने की गारंटी दे रही है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। पेट्रोल की कीमत 3 रुपए और डीजल की कीमत में 3.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कर्नाटक ने बिक्री कर 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि डीजल पर टैक्स 14 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया गया है।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि आजादी के बाद यह अब तक का सबसे खराब प्रशासन है। गलत निर्णय, अचानक दरें बढ़ गईं। उन्होंने शिकायत की कि बिना किसी परामर्श, बातचीत और स्पष्टता के सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। भाजपा शासित हरियाणा में यह दर 95.54 रुपये, उत्तर प्रदेश में 94.55 रुपये, गुजरात में 94.50 रुपये, असम में 97 रुपये है।

हालांकि यह दर कांग्रेस शासित राज्यों में 107 रुपये, तेलंगाना में 109.50 रुपये और गैर-भाजपा शासित केरल में 105.68 रुपये है। कर्नाटक में निवेश समर्थक माहौल नहीं है। उन्होंने बताया कि राज्य में पानी नहीं होना, बिजली की ऊंची दर जैसी दर्जनों समस्याएं हैं।

बालू माफियाओं ने दारोगा को ट्रैक्टर से कुचला

नवादा (एजेंसियां)।
बिहार में 15 जून के बाद से बालू खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। शनिवार रात बालू खनन पर प्रतिबंध लगते ही नवादा में बालू माफिया एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। बालू माफिया लगातार आम से लेकर खास लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला नवादा जिले के नक्सल प्रभावित इलाके के सिरदला थाना क्षेत्र के नरौली रवियो गांव के पास का है। जहां बालू माफियाओं द्वारा एक दारोगा पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया, जिससे दरोगा गंभीर रूप जख्मी हो गए। उसके बाद दारोगा को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने उन्हें पावापुरी अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित दारोगा संजीत कुमार जिले के नक्सल प्रभावित सिरदला थाना में पदस्थापित हैं। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि दारोगा सूचना के आधार पर छापामारी करने के लिए अपने टीम के साथ निकले थे। इसी दौरान बालू लदे ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की गई।

निरोग रहने के लिए श्री अन्न अपनाएं, मिलेट्स की खेती फायदे का सौदा : राज्यपाल

पटना (एजेंसियां)।
पटना के रवींद्र भवन में रविवार से अगले तीन दिन यानी 18 जून तक मिलेट्स महोत्सव का आयोजन किया गया है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अन्न ही औषधि है। निरोग रहने के लिए श्री अन्न (मिलेट) को अपनाना होगा। आज का कार्यक्रम बहुत महत्व-पूर्ण है। यहां 3 दिनों में जो आप सीख के जायेंगे वह आपको ज़िन्दगी भर काम आएगा। कहा भी गया है कि अन्न ही औषधि है। हजारों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज मिलेट्स खा-खाकर निरोग रहा करते थे और लंबी आयु व्यतीत किया करते थे। आज हम अपनी परम्परा को भूल गए हैं और बीमार रहने लगे हैं।

बिहार में कृषि उत्पादकता की अपार संभावना है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस तीन दिवसीय मिलेट्स महोत्सव से हम बहुत कुछ सीखकर लाभान्वित होंगे। इसके आयोजन के लिए मैं पूर्व सांसद आर के सिन्हा को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। इससे पहले बिहार सरकार के कृषि और स्वास्थ्य मंत्री तथा महोत्सव के मुख्य अतिथि मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में मिलेट्स को लेकर पहली बार कोई कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसके लिए पूर्व सांसद आर के सिन्हा बधाई के पात्र हैं। शुद्ध आहार से शरीर स्वस्थ रहता है और स्वस्थ शरीर से स्वस्थ विचार पैदा होते हैं और स्वस्थ विचार से समाज का विकास होता है। हमारे प्रधानमंत्री भी मिलेट्स की उपयोगिता बताते रहते हैं। मिलेट्स के उत्पादन से किसानों की आमदनी बढ़ेगी और वह खुशहाल होंगे। हमारी सरकार मिलेट्स उत्पादक किसानों की हरसंभव मदद करेगी। शुद्ध आहार मिलेगा तो स्वस्थ बिहार बनेगा और स्वस्थ बिहार बनेगा तो समृद्ध बिहार बनेगा।

राज्यसभा के पूर्व सांसद व अवसर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री आर. के. सिन्हा ने कहा कि अगर आहार सही नहीं है तो दुनिया का कोई डॉक्टर आपको ठीक नहीं कर सकता। पहला सुख निरोगी काया है। इस मिलेट्स महोत्सव से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। कृषि वैज्ञानिकों को अपने शोध में मदद मिलेगी। मिलेट्स खाने का तरीका और उससे लाभ का पता चलेगा। मिलेट्स की खेती फायदे का सौदा है। कहते हैं कि 'बोओ और घर जाकर सोओ।'

मिलेट्स मैन के नाम से ख्यात डॉ. खादर वली ने अपने संबोधन में उपस्थित लोगों को बताया कि अगर आप चावल और गेहूं खाते हैं तो आप हिंसक हैं। 1 किलो चावल के लिए 8000 लीटर पानी की जरूरत होती है, जबकि एक किलो मोटे अनाज के लिए अधिकतम केवल 800 लीटर पानी की जरूरत होती है। हम प्रकृति के विरुद्ध चल रहे हैं। खाने का व्यवसायीकरण हो चुका है। बाजार ने हमारी थाली पर कब्जा कर लिया है और मिलेट्स को हमारी थाली से दूर कर दिया है। तीन महीने तक मिलेट्स खाइए और ब्लड शुगर को दूर भगाइए। ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कोदो, कुटकी और कंगनी का सेवन करके हम अपने शरीर को निरोग रख सकते हैं। इसका उत्प-ादन बहुत आसान है और किसानों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक है।

आज पहले दिन के सत्र में भोजन और भोजन के इतिहास, दूसरे सत्र में आपकी रसोई में कारपोरेट कैसे घुस गया और तीसरे सत्र में मिलेट्री मैन डॉ खातिर वली ने गोष्ठी में मौजूद लोगों के सवालों के जवाब दिए। इस अवसर पर मशहूर गीतकार बुद्धिमान मिश्र लिखित मनीषा श्रीवास्तव द्वारा गाए गए मिलेट्स गीत को रिलीज किया गया। गीत के बोल बड़े ही झंकृत करने वाले और प्रेरणादायी थे। महोत्सव में कृषि विभाग के सचिव डॉ संजय अग्रवाल, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार, एसीएफएल के निदेशक एपी वर्मा, आद्या ऑर्गेनिक की निदेशक रत्ना सिन्हा समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन अवसर ट्रस्ट के सीईओ अनुरंजन श्रीव-ास्तव ने किया।

बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन रविवार को वासवी टेंपल रोड़ स्थित जैन कॉलेज वीवीपुरम में किया गया।

जिसमें बच्चों ने जैन धर्म, दर्शन, इतिहास के साथ कालचक्र की जानकारी प्राप्त की। साथ में रविवार को फादर्स डे के प्रसंग पर अपने पिता के असीम उपकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपने माता पिता की सेवा करने, उनकी आज्ञा का पालन एवं अनुशासन में रहने का संकल्प लिया। सभी बच्चों को संघ की ओर से प्रभावना दी गई। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ की ओर से अध्यापन व्यवस्था में संजय कुमार कचोलिया, प्रेमचंद्र चंद्रावत, अलका कोचेटा, संजना मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की। युवा मंडल के अंकित मुणोत, अनिल ओस्तवाल, चंदन बोहरा ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

खेत में करंट लगने से किसान की मौत

गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

बेगूसराय (एजेंसियां)।
बिहार के बेगूसराय में खेत में पानी पटवन करने के दौरान करंट लगने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना की खबर मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, किसान की मौत से नाराज लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाकर एनएच-28 पर शव रखकर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इधर, सड़क जाम होने से लोगों को अपने गंतव्य तक आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह घटना बछवारा थाना क्षेत्र के नारेपुर दियार की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक व्यक्ति की पहचान बछवारा थाना क्षेत्र के रानी एक पंचायत के वार्ड नंबर 10 निवासी रामकरण राय के बेटे (28) चंदन कुमार राय के तौर पर की गई है। परिजनों ने बताया कि मृतक चंदन कुमार अपने खेत पर पानी पटवन करने के लिए गए थे। खेत में पानी पटवन करने के दौरान ही 11,000 वोल्ट बिजली का तार टूटकर खेत में गिर गया। बिजली का तार टूटने के बाद चंदन कुमार करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी खेत में ही दर्दनाक मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि कई बार चंदन कुमार ने इसकी शिकायत बिजली विभाग को की थी। लेकिन इसके बावजूद भी बिजली विभाग ने जर्जर तार को ठीक नहीं करवाया। इस वजह से आज करंट की चपेट में आने से चंदन कुमार की मौत हो गई। वहीं, इस घटना से गुस्साए परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाकर सड़क जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बछवाड़ा थाना पुलिस को दी। मौके पर बछवाड़ा थाना पुलिस पहुंचकर लोगों को समझाने-बुझाने में जुटी हुई है। लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं है। वे बिजली विभाग के खिलाफ सड़क जाम कर जमकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

उपमुख्ममंत्री विजय सिन्हा बोले-

बख्शे नहीं जाएंगे राजद संरक्षित बालू माफिया, गुंडाराज खत्म होगा

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के महागठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार के अंदर माफिया और अपराधी से सरकार की लड़ाई शुरू हो चुकी है। हर हाल में बिहार से गुंडाराज और माफिया राज को खत्म किया जाएगा। चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल से संरक्षित ही क्यों न हो।

विजय सिन्हा ने एक बार खनन माफिया के विरुद्ध बड़ी कारवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि बालू का स्टॉक कर कालाबाजारी करने वाले बालू माफिया का लायसेंस रद्द करने की पहल शुरू कर दी गई है। राजद संरक्षित माफिया और अपराधी अब बख्शे नहीं जाएंगे। नीतीश कुमार के नेतृत्व में अब इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है।

दरअसल, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा आज एक दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बड़हिया प्रखंड के जैतपुर पंचायत स्थित हिर्दनविघा गांव में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 62.65 लाख के लागत से बानाये गये पीसीसी सड़क का शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया। प्रखंड प्रमुख इंदु देवी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह, जैतपुर मुखिया रविरंजन कुमार के मौजूदगी में फीता, नारियल व शिलापट का अनावरण कर शिलान्यास किया। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के ह्रदनबीघा गांव पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं व अंग वस्त्र से जोरदार स्वागत किया। इस बीच उपमुख्यमंत्री ने जन सवाद कार्यक्रम भी किया।

जनसंवाद कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों का समस्या जानें और तत्काल मौजूद पदाधिकारी एवं पदाधिकारी से बात कर जल्द से जल्द समस्या का निदान करवाने का निर्देश दिया। वहीं ग्रामीणों द्वारा हिर्दनविघा स्थित शिव मंदिर के समीप पुल व रामनगर से हिर्दनविघा तक पीसीसी नाले का मांग किया गया। इससे भी जल्द से पूरा करवाने का उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने चुनाव के समय कार्य करने वाले ग्रामीण, महिला एवं कार्यकर्ताओं को फूल माला एवं अंग वर्ष से सम्मानित किया।

गंगा दशहरा : भागलपुर में पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

भागलपुर (एजेंसियां)।
बिहार के भागलपुर के सुल-तानगंज के अजगैबीनाथ धाम सहित जिले के तमाम गंगा घाटों पर सुबह से ही गंगा दशहरा को लेकर बिहार और झारखंड के हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा दशहरा के दिन का बड़ा धार्मिक महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस शुभ दिन पर जो लोग मां गंगा की पूजा-अर्चना करते हैं उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उनके पापों का नाश होता है।

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन हस्त नक्षत्र में मां गंगा स्वर्ग से धरती पर आई थीं। वहीं, शास्त्रों के अनुसार लोगों का मानना है कि गंगा दशहरा के दिन सफेद वस्त्रों का दान करना चाहिए।

इसके अलावा मौसमी फल और सत्तू का दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन गाय का दान करना महादान होता है। शरबत से भरा मिट्टी का कलश भी दान कर सकते हैं या श्रद्धा अनुसार धन और अन्न का भी दान करना चाहिए।

जानकारी के अनुसार, भागल-पुर सहित आसपास के राज्यों के श्रद्धालु सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम गंगा घाट पर जिला प्रशासन की ओर से चुस्त इंतजाम किए गए थे। गंगा घाटों पर महिला श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली। वहीं, जिला प्रशासन के आदेश अनुसार सुल्तानगंज नगर परिषद द्वारा छोटी नाविक, गंगा घाट की बैरिकेडिंग पहले ही कर दी गई थी। साथ ही कोई अनहोनी न हो जाए, इसके लिए एसडीआरएफ की टीम भी गंगा घाटों पर तैनात रही। वहीं, पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं।

लखीसराय जिले के बड़हिया नगर स्थित कॉलेज गंगा घाट पर गंगा दशहरा के मौके पर आज रविवार की सुबह से ही गंगा स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद मां गंगा की पूजा-अर्चना और आरती की। बड़हिया में सुबह से ही गंगा स्नान व पूजा-पाठ करने का सिलसिला जारी है। यहां सुबह से ही निजी वाहनों से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं द्वारा गंगा के तट पर धूप, दीप और अगरबत्ती जलाने से पूरा वाता-वरण सुगंधित हो गया। सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करने के लिए सड़क मार्ग से बड़हिया पहुंचे।

बेतिया में पुलिस और ग्रामीण आए आमने-सामने, घंटों होता रहा बवाल

बेतिया (एजेंसियां)।
बिहार के बेतिया में शनिवार की रात को पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने हो गए। इस बीच घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। वहीं, ग्रामीणों ने पुलिस पर दो युवकों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। घटना बगहा पुलिस जिले के सेमरा थानाक्षेत्र के जीतपुर बंजरिया गांव की है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात को पुलिस जीतपुर बंजरिया गांव पहुंची थी। बताया जा रहा है कि उक्त गांव में अवैध शराब निर्माण का अड्डा है। जहां गुप्त सूचना पर पुलिस की एक टीम गांव में पहुंची और दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने लगी। पुलिस टीम दोनों युवकों से थोड़ी सख्ती से पेश आई, जिसको लेकर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया और ग्रामीण तथा पुलिस आमने-सामने हो गए। इस दौरान पुलिस को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिसकर्मी निर्दोष युवकों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे, जिसके चलते उन्हें विरोध करना पड़ा। वहीं, पुलिस का दावा है कि वे केवल दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे थे और ग्रामीणों ने जानबूझकर माहौल को खराब किया।

हालांकि सेमरा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गांव में गई पुलिस टीम ने अपनी सूझ-बूझ का परिचय देते हुए स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। फिर ग्रामीणों को समझा-बुझा कर वहां से निकलने में सफलता पाई। सेमरा थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और ग्रामीणों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

गौरतलब है कि जीतपुर बंजरिया गांव अवैध शराब निर्माण के लिए कुख्यात है। हालांकि पुलिस चाह रही है कि उस गांव से शराब के अड्डे को खत्म किया जाए। इसको लेकर लगातार जागरूकता अभियान भी चल रहा है और पुलिस ने धर पकड़ अभियान भी तेज कर दिया है। इसी कारण पुलिस उक्त गांव में सूचना के आधार पर अवैध शराब अड्डे को खत्म करने के लिए पहुंची हुई थी। जहां पर पुलिस को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा।

दरभंगा में स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट ट्रेन पर पथराव करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।
बिहार के दरभंगा में जयनगर-नई दिल्ली स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट ट्रेन संख्या 12561 पर पथराव करने के मामले आरपीएफ ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, 14 जून की देर शाम बिजली हॉल्ट और काकरघाटी स्टेशन के बीच नहर के पास ट्रेन पर पथराव किया गया था। दोनों आरोपियों की पहचान सदर प्रखंड के खरथुआ गांव निवासी मो. परवेज के बेटे मो. प्यारे (22) और मो. साबिर के बेटे मो. राजा (24) के तौर पर की गई है।

जानकारी के मुताबिक, 14 जून की शाम जयनगर से नई दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट ट्रेन पर पथराव किया गया था। उसमें एसी कोच संख्या बी-6 की खिड़की का शीशा टूट जाने से ट्रेन में यात्रा कर रही सुधीरा देवी नाम की एक महिला यात्री की आंख पर हल्की चोट लग गई थी। सूचना मिलने पर दरभंगा के एसाईपीएफ और कर्मी ने ट्रेन के दरभंगा स्टेशन पहुंचने पर तुरंत महिला के इलाज की व्यवस्था की थी।

दरभंगा से खुलने के बाद ट्रेन के समस्तीपुर पहुंचने पर मेडिकल टीम ने महिला यात्री सुधीरा देवी को आवश्यक मेडिकल सहायता प्रदान की थी। इस घटना में घायल यात्री को शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया। इस मामले में मंडल प्रशासन ने आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया था। उसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी और केस दर्ज करने की कार्रवाई की गई।

दरभंगा आरपीएफ के इंस्पेक्टर मनोज होरो ने बताया कि इस मामले में रेलवे के वरीय अधिकारी के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट, दरभंगा में इन दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेकाबू हो रही उत्तराखंड के जंगल की जेहादी-आग

- धधक रहे हैं अल्मोड़ा और रानीखेत के घने जंगल
- यूसीसी का आक्रोश अब तक ले चुका 10 की जान

देहरादून, 16 जून (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के जंगलों में लगी जेहादी-आग बेकाबू होती जा रही है।उत्तराखंड में लागू समान नागरिक कानून (यूसीसी) का गुस्सा अब तक 10 से अधिक लोगों की जान ले चुका है।

नवंबर से जारी आग की एक हजार से अधिक घटनाओं में करीब डेढ़ हजार हेक्टेयर वन भूमि पर लदी हरियाली जलकर नष्ट हो चुकी है।बिनसर समेत अलग-अलग घटनाओं में अब तक 10 लोंगों की जान चली गई और नौ लोग गंभीर रूप से घायल हैं।प्रशासन आग पर काबू पाने के लिए समय-समय पर वायुसेना के हेलिकॉप्टरों की मदद ले रहा है, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

नवंबर 2023 से अब तक प्रदेश में जंगल में आग लगाने की 1,242 घटनाएं हो चुकी हैं। इसमें 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। जंगल की आग पर काबू पाने के लिए अप्रैल में नैनीताल जिले में एयरफोर्स का हेलिकाप्टर पहुंचा था। इसी तरह गढ़वाल में भी मई में भी एयरफोर्स का हेलिकाप्टर पहुंचा। राज्य में कुमाऊं मंडल में सबसे अधिक 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटना हुईं।

अल्मोड़ा और रानीखेत के जंगलों की आग बेकाबू होने लगी है। आग अब आईटीआई, विश्वनाथ, कटारमल और सल्ट विकास खंड के डोटियाल के पास जंगलों में धधक गई। सूचना के बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। फायर कर्मियों की कड़ी मशक्कत जारी है। शनिवार को विश्वनाथ, कटारमल और सल्ट विकासखंड के डोटियाल के पास जंगलों में भीषण आग लग गई। पूरे दिन जंगल धधकते रहे, लेकिन जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचे। पूरे दिन भर जंगल जलते रहे। रानीखेत के सौनी और रीची के जंगल भी धधकते रहे। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम किसी तरह आग बुझाने की असफल कोशिशें कर रही है।

कुपवाड़ा के करनाह में नारको टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़

श्रीनगर, 16 जून (एजेंसियां)।
उत्तरी कश्मीर के सीमावर्ती जिला कुपवाड़ा के करनाह में सुरक्षाबलों ने नारको टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ, हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है।

एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को एक विशिष्ट इनपुट मिला, जिससे पता चला कि एक नशा तस्कर हेरोइन के लिए खरीदार ढूंढ़ने की कोशिश कर रहा था। इसके आधार पर करनाह में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने कार्रवाई करते हुए दो लोगों को आधा किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान शफीक अहमद शेख निवासी करनाह और तारिक अहमद मलिक निवासी बागबल्ला के रूप में हुई।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, आरोपियों से कड़ी पूछताछ और जांच के बाद साधपुरा निवासी परवेज अहमद पठान के पास तीन पिस्टल की मौजूदगी का खुलासा हुआ। तत्काल पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश देकर परवेज को काबू कर लिया। उसके कब्जे से तीन पिस्तौल, 76 राउंड, छह पिस्टल मैगजीन और पांच किलो का विस्फोटक बरामद किया गया।

पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ करनाह पुलिस थाने में मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मामले में कुछ और लोगों की भी गिरफ्तारी संभव है। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से नशे के खिलाफ अपनाई गई जीरो टॉलरेंस की नीति के आधार पर की गई है।

गंगा के उदगम स्थल गौमुख से हरिद्वार तक उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देहरादून, 16 जून (एजेंसियां)।
उत्तराखंड में हिमालय की उच्च पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित गौमुख से निकली पतित पावन, जीवनदायिनी कही जाने वाली नदी, मां गंगा में डुबकी लगाने के लिए रविवार को गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु गौमुख से लेकर हरिद्वार व रुड़की तक एकत्र रहे। वहीं, गंगोत्री धाम में गंगा दशहरा का त्योहार विशिष्टता से मनाया गया। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के कारण हरिद्वार और ऋषिकेश में सुबह तीन बजे से ही जाम की स्थिति बनी रही।

आज गंगा दशहरा और सोमवार को निर्जला एकादशी के कारण गंगा स्नान करने के लिए देश भर से श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, लक्ष्मण झूला, मुनि की रेती, देवप्रयाग, कर्ण प्रयाग, नन्द प्रयाग, गंगोत्री आदि स्थानों पर पुलिस के जवान यातायात सुचारू बनाने में सारा दिन लगे रहे। जाम के कारण रुड़की से लेकर गंगोत्री तक वाहन रेंगते हुए चलते दिखे।

इस मौके पर, गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से राजा भगीरथ की मूर्ति को मां गंगा की डोली पर रखकर मंदिर परिसर से गंगा घाट तक झांकी निकाली गई। साथ ही स्नान करने के बाद गंगा तट पर त्रि सूक्त वैदिक मंत्रों, गंगा सहस्त्रनाम के साथ विधिवत रूप से मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना, हवन एवं आरती की गई। परंपरानुसार माँ गंगा की उत्सव डोली मे माँ की मूर्ति को गंगा स्नान हेतु गंगा घाट पर लाया गया जहाँ वैदिक मंत्रोचर के बीच माँ का स्नान कराया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। धर्मग्रंथों में उल्लेख है कि आज के ही दिन मां गंगा धरती पर अवतरित हुईं थीं। मां गंगा को धरती पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने वर्षों तक कठोर तप किया था। गंगा दशहरा के दिन गंगोत्री धाम में राजा भगीरथ की मूर्ति का विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान, राजा भगीरथ की डोली को गंगा की पवित्र धारा के पास ले जाकर विशेष पूजा-अर्चना की गई।

वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा संसद भवन का प्रेरणा स्थल : बिरला

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।
सत्रहवीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि मौजूदा समय में संसद भवन के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है और इसी के तहत परिसर में अलग-अलग जगहों पर लगी हुईं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर प्रेरणा स्थल (बीजी-7, संविधान सदन के सामने) बनाया गया है, जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा।

श्री बिरला ने रविवार को यहां बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संसद का आने वाले समय में विश्व का सबसे अच्छा संसद भवन परिसर होगा। इसको लेकर कई बदलाव किये जा रहे हैं। इसी बदलाव के तहत संसद भवन में अलग-अलग स्थानों में लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाया गया है और उस स्थल का नाम प्रेरणा स्थल रखा गया है, जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल संसद भवन को देखने आने वाले लोगों को रोमांचित करेगा क्योंकि अब उन्हें यहां प्रत्येक महापुरुषों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल पर लगी हरेक महापुरुष की प्रतिमा के साथ उनके बारे जानकारी उपलब्ध करायी गयी है।

इस दौरान उन्होंने संसद भवन लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को हटाने के विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, संसद भवन में लगी किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को हटाया नहीं गया है, बल्कि संसद भवन में अलग-अलग जगहों पर लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर उनके बारे में लोगों की विस्तृत रूप से जानकारी मुहैया कराने का काम किया गया है। अब आगंतुक प्रत्येक प्रतिमा के पास ही उस महापुरुष की कीर्ति और शौर्य के बारे में जानकारी हासिल कर पाएंगे।

गौरतलब है कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को निर्धारित स्थान से हटाकर सरकार उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि विपक्षी दल जनता की आवाज को उठाने और सरकार के कदम के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए यहां पर धरना-प्रदर्शन करते थे। श्री बिरला ने इस मुद्दे पर कहा कि विपक्षी दलों की जनता के मुद्दों को उठाने और अपना विरोध जताने के लिए संसद भवन में पर्याप्त स्थान है, वे वहां अपनी आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि संसद भवन परिसर कोई धरना स्थल नहीं है।

इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी, बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी की प्रतिमाओं को हटाने से पहले विपक्षी दलों से विचार-विमर्श नहीं करने से सवाल पर कहा, लोकसभा अध्यक्ष होने के नाते यह हमारे अधिकार क्षेत्र में था और हमने अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला लिया, ताकि संसद भवन को देखने आने वाले लोग सिर्फ केलव महापुरुषों की प्रतिमाओं को ही न देखें, बल्कि देश के लिए किये गये उनके योगदानों और उनके शौर्य के बारे में भी जानकारी हासिल कर सकें। उन्होंने बताया कि संसद भवन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से वनस्पति के पौधों को लाकर लगाया गया है और हमारा दावा है कि आने वाले समय में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का संसद भवन परिसर विश्व का सबसे सुंदर संसद भवन परिसर होगा।

इस दौरान उन्होंने संसद भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सहित तमाम विषयों पर बात की। उन्होंने बताया कि पहले संसद भवन की सुरक्षा में अलग-अलग एजेंसी लगी हुईं थीं, लेकिन अब यह जिम्मा सिर्फ एक एजेंसी को दे दिया गया है, जिससे व्यस्थाएं आसान हुईं हैं। उन्होंने संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था में हुए बदलाव के कारण लोगों की जीविका पर पड़ने वाले असर के बारे में कहा, इससे किसी की भी जीविका पर असर नहीं पड़ेगा। किसी को भी नौकरी से नहीं हटाया जाएगा। या किसी को भी समय पूर्व सेवानिवृत्ति नहीं दी जाएगी। श्री बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यह मुद्दा राजनीतिक है और इसका फैसला राजनीतिक दल करेंगे।

पुलवामा में ऑनलाइन घोटाले के मामले में 1,44,500 रुपए किए जब्त

श्रीनगर, 16 जून (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में साइबर यूनिट ने रविवार को वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, ऑनलाइन घोटाले के दो अलग-अलग मामलों में 1,44,500 रुपए जब्त किए।

साइबर सेल ने उन दोनों घटनाओं की तेजी से जांच की जहां पीड़ितों को व्हाट्सएप लिंक के माध्यम से घर से काम करने के आकर्षक अवसरों का वादा करके लुभाया गया था।

इन घोटालों में पीड़ितों को उच्च रिटर्न के वादे के साथ पैसा निवेश करने के लिए राजी करना शामिल था। शुरुआत में, पीड़ितों का विश्वास हासिल करने के लिए छोटे-छोटे काम सौंपे गए, इसके बाद बड़े निवेश के लिए अनुरोध किया गया, जिसके कारण काफी वित्तीय नुकसान हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता को फिर से ऐसी धोखाधड़ी वाली गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने के लिए आगाह किया है। पुलवामा पुलिस और उसकी साइबर यूनिट समुदाय के वित्तीय हितों की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। वे साइबर अपराध से निपटने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अपने सक्रिय प्रयासों को जारी रखने की प्रतिज्ञा करते हैं।

ट्रेन में गर्भवती महिला को अचानक प्रसव, गूंजी बच्चे की किलकारी

रांची, 16 जून (एजेंसियां)।
झारखंड में ट्रेन में अपने पति के साथ यात्रा कर रही एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा होने के बाद ट्रेन में बच्चे की किलकारी गूंजी है। उत्तर प्रदेश के पितांबरपुर से कोडरमा तक कोलकाता जम्मू तवी एक्सप्रेस के जनरल कोच में अपने पति और सास के साथ यात्रा कर रही महिला को रविवार की सुबह 6 बजे के बाद अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इसके बाद कोच में मौजूद महिला यात्रियों के सहयोग से महिला का सुरक्षित प्रसव ट्रेन के भीतर कराया गया। ट्रेन में महिला का प्रसव होने की जानकारी यात्रियों ने रेलवे की हेल्पलाइन नंबर पर दी जिसके बाद रेलवे कंट्रोल के द्वारा इसकी सूचना कोडरमा स्टेशन को दिया गया। कोलकाता जम्मू तवी एक्सप्रेस के सुबह करीब 8 बजे कोडरमा स्टेशन पहुंचने पर रेलवे के डॉक्टर और रेलवे सुरक्षा बल कोडरमा की महिला आरक्षी के द्वारा महिला को अटेंड किया गया और उसे सुरक्षित कोच से नीचे उतर गया।

दिल्ली जल संकट आपा सरकार की देन : बांसुरी

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।
भीषण गर्मी और राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे जल संकट के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने रविवार को पानी की कमी को लेकर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार के खिलाफ 14 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के सभी सात नवनिर्वाचित संसद सदस्य इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। नई दिल्ली से लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया, यह कोई प्राकृतिक समस्या नहीं है, इसे आम आदमी पार्टी ने पैदा किया है। दिल्ली में पर्याप्त पानी है और हरियाणा सहमति से ज्यादा पानी दे रहा है।

उन्होंने दावा किया, केवल 10 वर्षों में आपा ने दिल्ली जल बोर्ड को 2013 में 600 करोड़ रुपए के मुनाफे वाली इकाई से 2024 में 73,000 करोड़ रुपए के घाटे में पहुंचा दिया है। पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि द्वारका के निवासी पानी की कमी के बारे में शिकायत कर रहे हैं क्योंकि निजी टैंकरों के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, और उन्हें सरकारी टैंकरों का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। आपा सरकार पर निशाना साधते हुए सुश्री सहरावत ने कहा, दिल्ली सरकार पानी की कमी के लिए अन्य राज्य सरकारों को दोषी ठहरा रही है, जबकि समस्या उनके विभाग के भीतर है। उन्होंने कहा, मैं मंत्री आतिशी से मानवीय आधार पर नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार में मंत्री होने के नाते अनुरोध करती हूं कि उन्हें अपने विभाग का ध्यान रखना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा: दोनों मार्गों के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग शुरू

जम्मू, 16 जून (एजेंसियां)।
श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इस 29 जून से शुरू होने वाली 52 दिवसीय श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल और पहलगाम मार्गों के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग सेवा शुरू कर दी है। बाबा अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बालटाल मार्ग के लिए, नीलग्रथ-पंजतरणी-नीलग्रथ पर हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान की जा रही है, और पहलगाम मार्ग के लिए, यह पहलगाम-पंजतरणी-पहलगाम मार्ग पर उपलब्ध होगी। सूत्रों ने कहा कि आधिकारिक वेबसाइट पर हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग का लाभ उठाया जा सकता है। ऑफ़लाइन टिकट या प्राथमिकता उपलब्ध नहीं होगी। बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। पहलगाम से पंजतरणी तक एक तरफ का किराया 4900 रुपए, दो तरफ का किराया 9800 रुपए, नीलग्रथ से पंजतरणी तक एक तरफ का किराया 3250 रुपए और दोनों तरफ का किराया 6500 रुपए तय किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के पास हेलीकॉप्टर टिकट बुक करते समय स्वास्थ्य प्रमाणपत्र होना चाहिए। पंजतरणी हेलीपैड से पवित्र गुफा तक की यात्रा और वापसी में समय लगता है, इसलिए तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध स्लॉट दिखाई देंगे। यात्राओं के बीच कम से कम पांच से छह घंटे का अंतर है। एक अधिकारी ने कहा,यात्री को यात्रा के दौरान मूल फोटो पहचान पत्र और एक स्वास्थ्य प्रमाण पत्र रखना होगा, जबकि तीर्थयात्रियों को बुक किए गए स्लॉट समय से कम से कम 30 मिनट पहले संबंधित हेलीपैड पर पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि चार्टर बुकिंग की अनुमति केवल श्रीनगर और नीलग्रथ के बीच यात्रा के लिए है, जिसमें नीलग्रथ और पंजतरणी के बीच चलने वाली कनेक्टिंग सेवा में प्राथमिकता वाली सीटें हैं। तीर्थयात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। तीर्थयात्रियों के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो चुका है। इस वर्ष पवित्र गुफा तक 125 लंगर लगाने की अनुमति दी गई है। इस वर्ष की श्री अमरनाथ यात्रा के लिए देश और विदेश से तीर्थयात्रियों को आमंत्रित किया गया है।

कुवैत हादसे के पीड़ितों को योगी सरकार ने दी आर्थिक मदद

गोरखपुर के दो मृत कामगारों के परिजन को पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता

गोरखपुर, 16 जून (एजेंसियां)। दुख और विपदा की घड़ी में हर व्यक्ति के साथ एक अभिभावक जैसे खड़े रहना, उसकी वेदना में संवेदना के साथ भरपूर मदद करना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की विशिष्ट पहचान है। पीड़ितों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और आत्मीयता का सजीव दर्शन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में एक बार फिर देखने को मिला। बीते दिनों कुवैत में हुए एक अग्नि हादसे में जान गवाने वाले गोरखपुर के दो कामगारों के परिजनों और जम्मू के शिवखोड़ी में आतंकी हमले में घायल श्रद्धालुओं से मिलकर सीएम योगी ने न केवल उनकी पीड़ा पर संवेदना का मरहम लगाया बल्कि आर्थिक सहायता देकर उन्हें आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

गत दिनों कुवैत में एक बहुमंजिला भवन में आग लगने से करीब चार दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। इनमें गोरखपुर के सदर तहसील क्षेत्र के जटेपुर उत्तरी निवासी अंगद गुप्ता और कैम्पियरगंज तहसील क्षेत्र के भम्मौर निवासी जयराम गुप्ता भी शामिल थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदेश मंत्रालय और कुवैत में भारतीय दूतावास से संपर्क कर उनके शव को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था कराई। शनिवार को दोनों मृतकों के शव घर आए और ससम्मान अंतिम संस्कार किया गया। रविवार सुबह मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में दोनों मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना प्रकट की और ढांढस बंधाते हुए उन्हें आत्मीय संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने अंगद गुप्ता की पत्नी रीता देवी और जयराम गुप्ता की पत्नी सुनीता को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक भी प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने दोनों परिवारों से कहा कि दुख की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं।

सीएम योगी ने जम्मू के शिवखोड़ी में पिछले दिनों आतंकी हमले में घायल गोरखपुर के पुर्दिलपुरनिवासी राजेश, रिकसोना, भैरोपुर निवासी गायत्री और सोनी को भी एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक दिया। रिकसोना की आर्थिक सहायता का चेक उनके पति राजेश ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इन सभी घायलों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली और कहा कि सरकार इलाज में कोई कमी नहीं आने देगी। उल्लेखनीय है कि शिवखोड़ी में हुए आतंकी हमले की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की टीम को घायलों के इलाज और वहां फंसे श्रद्धालुओं को सकुशल उनके घर वापस लाने के लिए लगाया था।

मां का हाल जानने ऋषिकेश एम्स पहुंचे सीएम योगी

ऋषिकेश/लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश पहुंचे। यहां उन्होंने एम्स ऋषिकेश में भर्ती अपनी मां से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने एम्स डायरेक्टर से मिलकर अपनी मां सावित्री देवी के स्वास्थ्य की विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद सीएम योगी ने रुद्रप्रयाग हादसे के घायलों से भी मिलने पहुंचे और उनका हालचाल जाना। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों को समुचित उपचार का निर्देश भी दिया। सीएम योगी के साथ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को गोरखपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद सीधे ऋषिकेश पहुंचे थे। वह दो साल बाद अपनी मां से मिल रहे थे। सीएम ने मां का हालचाल लेने के बाद एम्स के डायरेक्टर से भी मुलाकात की और मां के स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली। सीएम योगी को देखकर उनकी मां सावित्री देवी बहुत प्रसन्न नजर आईं। वह यहां करीब 20 मिनट तक रुके। सीएम योगी की मां को जिरियाट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया है। एम्स प्रशासन के अनुसार सावित्री देवी वृद्धावस्था की दिक्कतों के चलते भर्ती हुई हैं। इससे पूर्व भी वह आंखों के संक्रमण के कारण यहां भर्ती रही थीं। शनिवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी योगी आदित्यनाथ की मां से मिलकर उनका हाल चाल जाना था। मालूम हो कि सीएम योगी मूल रूप से उत्तराखंड के ही रहने वाले हैं। योगी के परिजन पौड़ी गढ़वाल के पचोर गांव में रहते हैं। इससे पहले सीएम योगी 2022 में अपने पैतृक गांव गए थे। तब उन्होंने मां के पांव छूकर आशीर्वाद भी लिया था।

मां से मिलने के बाद सीएम योगी ने उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुए सड़क हादसे में घायल उत्तर प्रदेश के लोगों का हाल चाल जाना और डॉक्टरों को समुचित इलाज के निर्देश दिए। घायलों और डॉक्टरों के साथ बातचीत में सीएम योगी ने प्रदेश सरकार की ओर से हर तरह के सहयोग का भरोसा दिलाया। सीएम योगी ने सभी घायलों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार उनके साथ है और उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। शनिवार को हुए इस हादसे में कुल 14 लोगों की जान चली गई थी, जिसमें यूपी के लोग भी शामिल थे। हादसे के बाद ही सीएम योगी ने दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की थी। यही नहीं, सीएम योगी के निर्देश पर शनिवार को ही उत्तर प्रदेश के अधिकारियों की एक टीम रुद्रप्रयाग पहुंच गई थी।

यूपी में प्रचंड गर्मी का कहर जारी, 33 की मौत

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। शनिवार को कानपुर देश में सबसे गर्म रहा। कानपुर में दिन का तापमान 46.3 डिग्री रहा। 35.2 डिग्री सेल्सियस के साथ यहां की रात भी देश में सबसे गर्म रही। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से लू और गर्मी की चपेट में रहे। शनिवार को अलग-अलग क्षेत्रों में गर्मी से 33 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार तक ऐसे ही हालत रहेंगे।

मौसम विभाग केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 18 जून की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। 17 जून के बाद पूर्वी तराई क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम पुरवा हवा के प्रभाव से बादल छाने के आसार हैं। साथ ही बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसे में मौसम में कुछ सुधार से राहत मिल सकती है। कानपुर और बुंदेलखंड में गर्मी के चलते शनिवार को 20 लोगों की मौत हो गई। इनमें कानपुर में आठ, चित्रकूट में छह, महोबा में तीन और बांदा व हमीरपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसके अलावा वाराणसी और आसपास भी गर्मी से 14 लोगों की जान चली गई। इनमें वाराणसी में सात, बलिया में तीन, मिर्जापुर में दो और गाजीपुर व सोनभद्र में एक-एक की व्यक्ति की जान गई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को मानसून अपडेट देते हुए कहा कि आगामी 4-5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओड़ीशा, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून आगे बढ़ सकता है। इसके लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

अब यूपी में 10 सीटों के लिए होगा चुनावी रण

एनडीए-इंडी में जोरदार मुकाबले के आसार

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद अब उत्तर प्रदेश एक नए चुनावी रण के लिए तैयार है। राज्य में अगले कुछ महीनों के भीतर 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं। इसमें से 9 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जो भाजपा और समाजवादी पार्टी के विधायकों के सांसद बनने की वजह से खाली हुई हैं।

एक विधानसभा सीट सीसामऊ इस वजह से खाली हुई है क्योंकि इस सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी को आगजनी के एक मामले में 7 साल की सजा सुनाई गई है और अब उनकी विधानसभा की सदस्यता जाने वाली है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे चुके हैं। वह इस चुनाव में कन्नौज से लोकसभा के सांसद चुने गए हैं। मिल्कीपुर सीट से सपा विधायक अवधेश प्रसाद फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय सीट से चुने गए हैं। वह भी अपनी विधानसभा सीट से इस्तीफा दे चुके हैं।

यह उपचुनाव उत्तर प्रदेश में सरकार चला रहे एनडीए और विपक्षी इंडी गठबंधन दोनों के लिए ही अहम है। लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए खराब रहे हैं जबकि सपा और कांग्रेस ने इन चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। सपा इस बात पर विचार कर रही है कि करहल विधानसभा सीट से सबसे बेहतर उम्मीदवार कौन होगा। अखिलेश यादव के भतीजे तेज प्रताप यादव का नाम इस सीट के उम्मीदवारों में आगे चल रहा है। तेज प्रताप यादव को लोकसभा चुनाव में पहले कन्नौज सीट से उम्मीदवार बनाया गया था लेकिन बाद में पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुद ही यहां से चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया।

2022 के विधानसभा चुनाव तक उपचुनाव वाली इन सीटों में से अधिकतर सीटों पर सपा और भाजपा चुनावी लड़ाई में थे लेकिन लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस भी इंडी गठबंधन के सहयोगी के तौर पर इनमें से कुछ सीटों पर दावेदारी कर सकती है। कांग्रेस ने इस बात का संकेत भी दिया है।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता इन सीटों पर सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने की होगी क्योंकि हम लोकसभा चुनाव में कामयाब रहे इस गठबंधन को आगे ले जाना चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता है तो हम अकेले लड़ने पर भी विचार कर सकते हैं। हम इनमें से कुछ सीटों पर जरूर चुनाव लड़ेंगे। सभी राजनीतिक दलों के सामने पहला काम जल्दी से जल्दी अपने उम्मीदवारों का चयन करना है, जिससे वे चुनावी लड़ाई में आगे दिख सकें।

करहल में सबसे बड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा। अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनाव में यहां से भाजपा के उम्मीदवार एसपी सिंह बघेल को 67000 वोटों के अंतर से हराया था। बघेल आगरा की लोकसभा सीट से दोबारा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। उन्हें फिर से भारत सरकार में मंत्री बनाया गया है। माना जा रहा है कि इससे बघेल करहल सीट पर भाजपा को जीत दिलाने के लिए और ताकत लगाएंगे।

दूसरा जोरदार मुकाबला मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने भाजपा के उम्मीदवार बाबा गोरखनाथ को 13000 वोटों से हराया था। अवधेश प्रसाद पासी (दलित) समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

मिल्कीपुर सीट को भाजपा सपा से छीनना चाहेगी और ऐसा करके वह लोकसभा चुनाव में फैजाबाद में मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेगी। फैजाबाद लोकसभा सीट पर पासी उम्मीदवार से भाजपा को हार मिली है। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि इसलिए भाजपा मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में पासी उम्मीदवार को उतारने पर विचार कर रही है।

कटेहरी सीट लालजी वर्मा के अंबेडकर नगर लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने की वजह से खाली हुई है। लालजी वर्मा ने यहां से भाजपा के उम्मीदवार रितेश पांडे को हराया था। उत्तर प्रदेश में भाजपा का सहयोगी दल निषाद पार्टी भी इस सीट पर अपनी दावेदारी कर सकती है क्योंकि यहां से उसके उम्मीदवार अवधेश कुमार 2022 के विधानसभा चुनाव में नजदीकी मुकाबले में हारे थे।

2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी के टिकट पर मंझवा सीट से चुनाव जीते विनोद कुमार बिंद इस बार भाजपा के टिकट पर भदोही सीट से चुनाव जीते हैं। इसलिए निषाद पार्टी भाजपा से उसे यह सीट देने के लिए कह सकती है। कुंदरकी में भी उपचुनाव होना है।

10 विधानसभा सीटों का यह उपचुनाव एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में आरएलडी ने मीरापुर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। तब आरएलडी सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी थी। मीरापुर सीट से चुनाव जीते चंदन चौहान इस बार बिजनौर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए हैं। आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी को मोदी सरकार में मंत्री बनाया गया है इसलिए इस सीट पर एनडीए के उम्मीदवार को जीत दिलाने की जिम्मेदारी जयंत चौधरी की ही होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ऋषिकेश एम्स में रुद्रप्रयाग हादसे में घायल लोगों का हाल-चाल लेते हुए।

विकास और जनकल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें एमपी-एमएलए: योगी

गोरखपुर, 16 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद, विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया है कि वे विकास और जन कल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें। सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में पात्रों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को तत्पर रहें, विकास कार्यों के नए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। सुरक्षित माहौल में विकास और जनकल्याण सरकार की प्रतिबद्धता है।

सीएम योगी रविवार को एनेक्सी भवन में गोरखपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे।

अनौपचारिक अंदाज में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी और लोकसभा चुनाव में पूरे मनोयोग से परिश्रम करने वाले विधायकों को साधुवाद दिया। उन्होंने संवाद के लिए आहुत इस बैठक में उपस्थित सभी विधायकों से उनके क्षेत्र में जारी विकास कार्यों, जनकल्याण के कार्यक्रमों की उपलब्धियों की जानकारी ली। कहा कि विकास सतत चलने वाली प्रक्रिया है। क्षेत्र में विकास की जितनी भी गुंजाइश है, सभी जनप्रतिनिधि उस पर प्रस्ताव तैयार कराएं। साथ ही ऐसे पात्र लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से जोड़ें जिन्हें किन्हीं कारणवश किसी योजना का लाभ न मिल पाया हो।

सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह जनता की समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं सुनें तथा उसके अनुरूप विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाए। आमजन की संतुष्टि ही किसी जनप्रतिनिधि के काम का मानक है, इसलिए आम आदमी का विश्वास जीतें और इस विश्वास की डोर को और मजबूत करते रहें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी के विधानसभावार प्रदर्शन पर भी चर्चा की और सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभी से आगामी लक्ष्य के संधान में जुट जाएं।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, सांसद रवि किशन, विजय दूबे, शशांक मणि, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, जयप्रकाश निषाद, शलभ मणि त्रिपाठी, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, प्रेम सागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी समेत कई विधायक, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी आर्थिक मदद : योगी

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 350 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, 16 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के चलते मार्च माह से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनोपयोगी जनता दर्शन कार्यक्रम एक बार फिर प्रारंभ हो गया है। इसकी शुरुआत गत दिनों लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास से हुई।

शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं।

जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया।

संपादकीय

कुवैत का 'लाक्षा गृह'

कुवैत की अल-मंगाफ इमारत आज के संदर्भ में 'लाक्षा गृह' करार दी जा सकती है। इमारत में 196 विदेशी कामगार, मजदूर आदि भेड़-बकरियों की तरह रहने को विवश थे। इस 'लाक्षा गृह' में भीषण आग लगी, तो वह फैलती ही गई। आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। आग से बचकर बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। आग फैलने लगी, तो भगदड़ के हालात बन गए, नतीजतन मजदूर अपनी जिंदगी बचाने में असहाय, असमर्थ रहे। जलकर भस्म होने वालों में 45 भारतीय थे। उनमें सर्वाधिक 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, 3 आंध्रप्रदेश के और उप्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के एक-एक व्यक्ति थे। दरअसल भारतीय दुनियाभर में नौकरी करने, पेशा करने और कारोबार खोलने को जाते हैं। मकसद होता है कि अधिकतम पैसा कमाया जाए और भारत में परिजनों को कुछ पैसा वापस भेजा जाए, लेकिन त्रासदियों के आंकड़े सिर्फ खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अमरीका, रूस, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में मजदूर ही नहीं, भारतीय छात्र भी त्रासदियों के शिकार होते रहे हैं। चूंकि मजदूरी, राजमिस्त्री, बढ़ई, बिजलीकर्मी, फैक्टरी एवं घरेलू कामगार, फूड डिलीवरी एजेंट के तौर पर इतने भारतीय कुवैत में काम करते हैं कि वे वहां के कुल कार्यबल के 20 फीसदी से अधिक हैं। करीब 10 लाख भारतीय कुवैत में रहते और काम करते हैं। विदेश मंत्रालय के डाटा के मुताबिक, करीब 88 लाख भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। कुवैत इमारत की घटना त्रासद के साथ-साथ अमानवीय भी है। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। कुवैत के उपप्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन की वजह से यह त्रासदी हुई, लेकिन हम सिर्फ कारणों से ही संतुष्ट नहीं हो सकते। भारत का बुनियादी सवाल है कि क्या कुवैती सरकार 'लाक्षा गृह' वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी? दरअसल यह सामूहिक जिंदगी का सवाल है। खाड़ी और अरब देश नौकरी, मजदूरी, कौशल-पेशेवर रोजगार के बड़े आकर्षक गंतव्य हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के नियमों के अनुसार विदेशों में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन निर्धारित है। कुवैत के लिए भारत ने राज्यों के साथ मिल कर 2016 में 64 श्रेणियों के काम के लिए 300-1050 डॉलर की सीमा तय की थी। कुवैत में भारतीय कामगारों को भेदभाव से लेकर खराब, अमानवीय कामकाजी परिस्थितियों तक से जूझना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, प्रवासी मजदूर दुर्व्यवहार, जबरन मजदूरी और निर्वासन आदि के शिकार होते रहते हैं। एक खोजी रपट में खुलासा हुआ था कि कतर में जब फुटबाल स्टेडियम निर्माणाधीन था और जो भारतीय कामगार काम कर रहे थे, उनकी जिंदगी बेहद अनिश्चित और मुश्किल थी। बेशक खाड़ी देशों में मोटा वेतन और अच्छी-खासी दिहाड़ी दी जाती है, लेकिन अकुशल, सेमी कुशल और खुदमुख्तार श्रमिकों ने अन्य प्रवासी कुशल कामगारों की सौदेबाजी की क्षमता को कम किया है। अधिकांश अद्र्धकुशल कामगार किसी एजेंसी या बिचौलिए के जरिए ही रखे जाते हैं, लिहाजा वे काम और आवास की कैसी भी स्थिति से समझौता कर लेते हैं। काम और आवास के हालात बेहतर नहीं होते। कामगार नियोक्ता का 'बंधक' बन कर रह जाता है, क्योंकि वह किसी बेहतर काम और आवास का विकल्प नहीं चुन सकता। भारत ने कुवैत समेत पश्चिमी एशिया के देशों से समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर कर रखे हैं। उनसे कामगारों को भर्ती करने की प्रक्रिया और कामगारों के लिए कानूनी संरक्षण की शर्तें तय की गई हैं, लेकिन कानून की प्रक्रिया तो बहुत लंबी और अनिश्चित होती है। अदालतों में केस लडऩा बहुत महंगा है, लिहाजा भारतीयों को काम करने के अवसरों और आवास आदि से समझौते करने पड़ते हैं। शोषण इन्हीं परिस्थितियों की कोख से निकलता है। बहरहाल अब इस त्रासदी पर मानवाधिकार समूहों ने भी चिंता और सरोकार जताए हैं। दरअसल तमाम अरब देशों में मजदूरों की स्थिति बेहद अमानवीय है।

> इमारत में 196 विदेशी कामगार, मजदूर आदि भेड़-बकरियों की तरह रहने को विवश थे। इस 'लाक्षा गृह' में भीषण आग लगी, तो वह फैलती ही गई। आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। आग से बचकर बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। आग फैलने लगी, तो भगदड़ के हालात बन गए, नतीजतन मजदूर अपनी जिंदगी बचाने में असहाय, असमर्थ रहे। जलकर भस्म होने वालों में 45 भारतीय थे। उनमें सर्वाधिक 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, 3 आंध्रप्रदेश के और उप्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के एक-एक व्यक्ति थे। दरअसल भारतीय दुनियाभर में नौकरी करने, पेशा करने और कारोबार खोलने को जाते हैं। मकसद होता है कि अधिकतम पैसा कमाया जाए और भारत में परिजनों को कुछ पैसा वापस भेजा जाए, लेकिन त्रासदियों के आंकड़े सिर्फ खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अमरीका, रूस, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में मजदूर ही नहीं, भारतीय छात्र भी त्रासदियों के शिकार होते रहे हैं।

आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

> दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है।

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति,

गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवनयापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है? दागी एवं अपराधी राजनेता लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना एवं विसंगति बनते जा रहे हैं। बात लोकसभा की ही नहीं है, विभिन्न राज्यों की सरकारों में भी कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। यह खुशी की बात है कि केन्द्र में बनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमण्डल में ऐसी विवशता को काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया है। सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे और जेल की सलाखें हो या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी-ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत -सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए। सभी अपनी-अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं।

दृष्टि कोण

नड्डा के दूसरी बार केंद्रीय मंत्री बनने के मायने

अभी हाल ही के राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाक्रम में, चुनावों के बाद एक बार फिर मोदी सरकार या यूं कहें कि एनडीए सरकार का गठन हुआ है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिए चुन लिए गए। भाजपा और मुख्य घटक दल जेडी-यू और टीडीपी व अन्य दलों के मंत्रियों ने शपथ भी ले ली। शपथ लेते ही प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों की टीम ने अगले सौ दिन के रोडमैप पर काम करना भी शुरू कर दिया। कौनसा मंत्रालय किसको मिला, इसको लेकर राजनीतिक सरगरमी बरकरार है। कोर मंत्रालय और अन्य महत्वपूर्ण विभाग भाजपा ने अपने पास रखे हैं। जानकार मानते हैं कि मोदी को जिन्होंने समझा है उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ है। अवश्य ही मोदी पहली बार गठबंधन की सरकार चला रहे हैं। ऐसा समझा जा रहा था कि केंद्र में मंत्रिमंडल के गठन के समय पूर्व में सूचना व प्रसारण मंत्री और पांचवीं बार जीते अनुराग ठाकुर का मंत्री बनना तय है, लेकिन मोदी ने इस बार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को एक बार पुनः स्वास्थ्य मंत्रालय के पद पर ताजपोशी दे दी। अध्यक्ष पद पर नड्डा का दूसरा कार्यकाल चुनावों के चलते 30 जून तक बढ़ाया गया था और इस समय वह गुजरात से राज्यसभा के मैंबर भी हैं। एक तरह से मोदी ने एक तीर से दो निशाने साध लिए। गुजरात के मंत्री और हिमाचल को भी नुमायन्दगी मिल गई। कहा जा रहा है कि गठबंधन की मजबूरी के चलते अनुराग की छुट्टी हुई है। उपचुनावों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में पडऩे वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की हार भी एक बड़ा कारण बताया जा रहा है। ऐसा बताते हैं कि संभवतः उन्हें संगठन में कोई बड़ी जिम्मदारी देकर समाहित किया जाएगा। हिमाचल के लिए निःसंदेह यदि केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला होता और सरकार के गठन के लिए वह दूसरी पार्टियों की मोहताज न होती तो शायद दो मंत्री भी मिल सकते थे। लेकिन दूसरी बार नड्डा को वरीयता देकर वस्तुतः मोदी ने नड्डा को उनके अध्यक्ष पद पर रहते हुए अनेक प्रदेशों में भाजपा सरकारों के गठन और मोदी-2 और मोदी-3 में उनकी सांगठनिक कार्यशैली, अनथक परिश्रम और वक्तृत्व कला को ध्यान में रखते हुए पुनः उन पर विश्वास जताया है। 2014 में जब पहली बार मोदी सरकार बनी थी, तब नड्डा सेहत मंत्री बने थे और इस बार भी स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ रसायन और उर्वर मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर उनके राजनीतिक कद को

ऊंचा किया है। इससे न सिर्फ नड्डा का राष्ट्रीय राजनीति में कद बढ़ा है, बल्कि हिमाचल का मान भी ऊंचा हुआ है। लेकिन जगत प्रकाश नड्डा का यह राजनीतिक सफर इतना आसान नहीं रहा है, जितना यह दिखाई देता है। मुझे याद आता है आठवें दशक के हिमाचल विश्वविद्यालय का वह दौर जब समरहिल में छात्र राजनीति या यूं कहें छात्र हित की बात को उठाने के लिए कोई संगठित व्यवस्था नहीं थी। अवश्य ही गुरु मोहर सिंह, कश्मीर सिंह ठाकुर और राकेश सिंघा आदि माक्र्सवादी रुझान और समाजवादी सोच को प्रचारित-प्रसारित कर रहे थे। प्रारंभिक दौर में उन्हें कोई वैचारिक चुनौती देने वाला भी नहीं था। ऐसे माहौल में सुनील उपाध्याय और जगत प्रकाश नड्डा ने कैम्पस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को स्थापित करते हुए राष्ट्रवादी विचारधारा का झंडा बुलंद किया। शनैः शनैः राष्ट्रवादी सोच के चलते जगत प्रकाश नड्डा यानी जेपी ने छात्रों में मधुर व्यवहार और सुनने की कला से लोकप्रियता हासिल कर ली। एसएफआई के लिए यह अप्रत्याशित था कि कोई दूसरा संगठन (एबीवीपी) भी उनकी बराबरी करेगा। छात्र चुनावों में जगत प्रकाश नड्डा छात्र संघ के निर्वाचित अध्यक्ष बन गए और अन्य सीटें भी बटोर ले गए। संगठन खड़ा करना, उसे लोकप्रियता की बुलंदी पर ले जाना और नेतृत्व के गुण, यह सब देखते हुए वह 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष पद पर सुशोभित हुए। यहीं पर केंद्र की राजनीति में स्थापित बड़े-बड़े भाजपा नेताओं से सम्पर्क में रहे, उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त किया। उनकी इसी काबीलियत के चलते वह हिमाचल की राजनीति में चुनावी रण में उतरते हैं और 93-94 में विधानसभा के मैंबर बनते हैं। साथ ही विधानसभा में भाजपा ग्रुप के लीडर बनते हैं। युवा विधायक नड्डा की संसदीय समझ और विधायक के तौर पर उनके लोकव्यवहार को देखकर तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को उनका मुरीद बना दिया। वह विधानसभा में नड्डा की संसदीय कार्यशैली और व्यवहार को देखते हुए उनकी पीठ भी थपथपा देते थे। वीरभद्र जल्दी ही किसी के बारे में राय बनाने वालों में से नहीं थे, पर प्रतिपक्ष में रहते हुए जैसे जवाहर लाल नेहरु की दृष्टि अटल बिहारी वाजपेयी पर पड़ी थी, वैसा ही वीरभद्र-जगत प्रकाश नड्डा के बारे में सहज ही कहा जा सकता है। परंतु आगे का राजनीतिक सफर जेपी के लिए आसान नहीं रहने वाला था।1998 में जब धूमल सरकार बनी तो उन्हें यहां भी स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के साथ संसदीय कार्य मंत्री के कैबिनेट मंत्री के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसे उन्होंने बखूबी 5 वर्ष यानी 2003 तक निभाया। प्रेम कुमार धूमल ने जब दूसरी बार भाजपा सरकार की कमान संभाली तो नड्डा को पुनः 2008 में वन एवं पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। माना जाता है कि धूमल और नड्डा के बीच 36 का आंकड़ा शुरू से ही था, लेकिन 2010 में जब जेपी ने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया तो मतभेद सामने आए। यह भी कहा जाता है कि धूमल साहब नड्डा के विधानसभा क्षेत्र के साथ भेदभाव करते थे।

कुछ अलग

डाटा इकट्ठा करती सरकार

अहाते में सरकार को लेकर चर्चा चल रही है। चर्चा क्योंकि अहाते में चल रही है, किसी बड़े होटल या क्लब में नहीं चल रही है, इसलिए आप समझ सकते हैं कि चर्चा में आम आदमी शामिल है। आम आदमी को क्लब की मेंबरशिप नहीं मिलती। आम आदमी के पास बड़े होटल में जाकर सरकार के बारे में चर्चा करने के लिए न तो ज्यादा वक्त होता है, न ही जेब में पैसे होते हैं। आम आदमी अहाते में काफी कंफर्टेबल रहता है। ज्यादा से ज्यादा सौ रुपए में वहां अच्छी सिटिंग हो जाती है। थोड़ा थकान भी उतर जाती है। थोड़ा माइंड भी रिलैक्स हो जाता है, और फिर रिलैक्स मूड में थोड़ी चर्चा भी हो जाती है। चर्चा का विषय कुछ भी हो सकता है। इस बार चर्चा सरकार पर हो रही है। एक ही टेबल की दोनों तरफ लगी कुर्सियों में सात-आठ लोग चर्चा में शामिल हैं। दो-चार घूंट भरने के बाद एक शख्स को यह गिला है कि आज सरकार नाम की कोई चीज देखने को नहीं मिल रही। बस भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। महंगाई देखने को मिल रही है। भाई-भतीजावाद देखने को मिल रहा है। भाषणबाजी सुनने को मिल रही है। लेकिन सरकार दिखाई नहीं दे रही। दूसरा शख्स पहले शख्स की बात काटते हुए कहता है कि अभी-अभी जो चुनाव हुए, उसमें सरकार पूरी तरह से दिखाई दे रही थी। चुनाव की पिछली रात को जो दारू हमारे गांव में बांटी गई, उसमें सरकार का बहुत बड़ा योगदान था। सरकार की जानकारी के बिना दारू बंट नहीं सकती थी, क्योंकि सुरक्षा प्रबंध बहुत कड़े थे। तीसरे सज्जन ने कहा कि सरकार सिर्फ चुनावों के दौरान दिखाई देती है और उसके बाद लंबी तानकर कुंभकर्ण की नींद सो जाती है। इस चुनाव में सरकार ने बहुत भाग दौड़ की थी। प्रचंड गर्मी में इधर से उधर दौड़ लगाई थी। अब सरकार बुरी तरह थक जाने के बाद सो रही है और जल्दी ही जब फिर चुनाव आएंगे तो सरकार जाग जाएगी। चौथा शख्स अपने विचार व्यक्त करते हुए बोला, जब सरकार सो जाती है तो अफसर जाग जाते हैं। उनकी आउटपुट टापम-टॉप हो जाती है। फाइलें धड़ाधड़ अप्रूव हो जाती हैं। लेकिन जब सरकार जाग जाती है तो फिर अफसर सो जाते हैं, क्योंकि वे भी काफी थक चुके होते हैं। यह व्यवस्था का नियम है कि सरकार और अफसर एक साथ नहीं सो सकते। एक को जागे रहना पड़ता है। वरना देश में विकास थम जाएगा। जन कल्याण का एजेंडा रुक जाएगा। अराजकता जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पांचवां शख्स आखिरी घूंट भीतर उंडेल कर गिलास एक तरफ रखते हुए कहता है कि सरकार के बारे में गलत प्रचार किया जा रहा है। आप सब लोगों की सरकार को लेकर धारणा बिल्कुल गलत है। सरकार इस वक्त बहुत एक्टिव है। उसे जनता की बहुत चिंता है। वायदे पूरे करने की भी चिंता है। सरकार चिंतामग्न होकर पूरी तरह काम में डटी हुई है। सरकार न दिन देख रही है, न रात देख रही है। उस पर काम करने का भूत सवार है। यह भूत उसका पीछा नहीं छोड़ रहा। भूत और सरकार दोनों मिलकर काम को अंजाम दे रहे हैं। छठा शख्स ताव में आकर कहता है, कौनसे काम को अंजाम दिया जा रहा है? एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई है। पब्लिक को बेवकूफ बनाकर रखा है। सातवां शख्स बड़े विनम्र अंदाज में कहता है कि गारंटियां घर बैठे पूरी नहीं हो जाती। इसके लिए पूरा डाटा इकट्ठा करना पड़ता है। सरकार के पास अभी तक कोई डाटा नहीं है। जब डाटा ही नहीं है तो सरकार बेचारी क्या करे? देश चलाने के लिए डाटा इक करना बहुत जरूरी होता है। यह बात अब सरकार को समझ आ गई है। इसलिए सरकार बाकी के सारे कामकाज छोडक़र सिर्फ डाटा इकट्ठा कर रही है। सरकार को अपना काम करने देना चाहिए। हमें सरकार के कामकाज पर उंगली नहीं उठानी चाहिए।

देश दुनिया से

हकीकत से मुंह नहीं मोड़ सकती केंद्र सरकार

> केंद्र सरकार ने देश की तरक्की को लेकर जो सब्जबाग दिखाए हैं, उसकी हकीकत का आईना विश्व सूचकांक में ग्लोबल जेंडर गैप के आंकड़ों को देखने से पता चलता है। ग्लोबल जेंडर गैप की ताजा रिपोर्ट में भारत नीचे की ओर फिसल गया। वल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 में भारत 146 देशों में से 129वें स्थान पर है। यह पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे फिसल गया है। यह हालत तब है जब केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सुरक्षा जैसे नारों का ढोल पीटने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका से भी नीचे है।

हवाई वादों और आंकड़ों के बीच यदि केंद्र की भाजपा सरकार ने दुनिया द्वारा दिखाई जा रही हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा होता और देश की वास्तविक हालत में सुधार के लिए गंभीर प्रयास किए होते तो तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए दो क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों का सहारा नहीं लेना पड़ता। केंद्र की भाजपा सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विश्व सूचकांक में भारत के लगातार गिरते ग्राफ की उपेक्षा करती रही है। केंद्र सरकार ने देश की तरक्की को लेकर जो सब्जबाग दिखाए हैं, उसकी हकीकत का आईना विश्व सूचकांक में ग्लोबल जेंडर गैप के आंकड़ों को देखने से पता चलता है। ग्लोबल जेंडर गैप की ताजा रिपोर्ट में भारत नीचे की ओर फिसल गया। वल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 में भारत 146 देशों में से 129वें स्थान पर है। यह पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे फिसल गया है। यह हालत तब है जब केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सुरक्षा जैसे नारों का ढोल पीटने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका से भी नीचे है। पड़ोसी देशों में सिर्फ पाकिस्तान की स्थिति ही भारत से खराब है। इस इंडेक्स में भारत के पड़ोसी देशों- बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड फिर से पहले स्थान पर है। वह डेढ़ दशक से सूचकांक में अग्रणी है। राजनीतिक सशक्तीकरण इंडिकेटर में भी भारत पिछड़ा है। राजनीतिक फैसले लेने में महिलाओं की भागीदारी उतनी नहीं है। भारत राष्ट्राध्यक्ष इंडिकेटर में 40.7 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष 10 में है। लेकिन संघीय स्तर पर मंत्रिस्तरीय पदों पर 6.9 प्रतिशत अंक और संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए देश के अंक 17.2 प्रतिशत अपेक्षाकृत कम हैं। पिछले साल भारत इस सूचकांक में 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135 से 1.4 प्रतिशत अंकों और आठ स्थानों का सुधार हुआ था। यह भारत के समानता स्तर की ओर आंशिक सुधार को दिखाया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान आंकड़ों के आधार पर पूर्ण समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेंडर गैप इंडेक्स से पता चलता है कि हालांकि किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की है। केंद्र सरकार के दावों के विपरीत सिर्फ जेंडर गैप ही नहीं बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंडेक्स में भारत का प्रदर्शन स्तरहीन रहा है। वैश्विक शांति सूचकांक 2023 में 163 देशों में भारत 126वें स्थान पर है। भारत को वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक में थोड़ी राहत मिली है। वर्ष 2024 में इस सूचकांक में भारत 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में 54वें पायदान पर था। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की ओर सूची में अमेरिका शीर्ष पर है। वहीं, दक्षिण एशिया और निम्न-मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे आगे है। भारत अत्यधिक मूल्य प्रतिस्पर्धा के मामले में दुनिया में 18वें स्थान पर है। प्रतिस्पर्धी हवाई परिवहन में 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मजबूत प्राकृतिक (छठे स्थान पर), सांस्कृतिक (नौवें) और गैर-अवकाश (नौवें) संसाधन विदेशी यात्रियों को यहां लाने में मदद करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक पर्यटन गतिविधियां महामारी से पहले के स्तर पर लौट आई हैं। सूचकांक में अमेरिका पहले. स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं। स्विट्जरलैंड 10वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी नवीनतम मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स) में भारत को 193 देशों की सूची में 134वें पायदान पर रखा गया है। सूचकांक वर्ष 2022 के आंकड़ों पर आधारित है। इस सूचकांक में भारत को कुल 0.644 अंक दिए गए हैं, जो भारत को मध्यम मानव विकास वाले देशों की श्रेणी में रखता है। वहीं दूसरी तरफ स्विटजरलैंड को इस इंडेक्स में 0.967 अंकों के साथ पहले स्थान पर रखा गया है। इससे पहले 2022 में जारी मानव विकास सूचकांक में भारत को 0.633 अंकों के साथ 132वें पायदान पर जगह दी गई थी। मतलब कि इस बार भारत दो पायदान नीचे आ गया है। वहीं यदि 2019 की तुलना में देखें तो भारत ने मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। जहां 1990 के बाद से देश में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 9.1 वर्षों का इजाफा हुआ है। इसी तरह स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों में 4.6 वर्ष की वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इस दौरान स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों में भी 3.8 वर्ष की वृद्धि दर्ज की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 2019 के लिए जारी मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स) में भारत को 189 देशों की लिस्ट में 131वें स्थान पर रखा गया था। वहीं पिछले वर्ष भारत इस लिस्ट में 130वें पायदान पर था। कहीं न कहीं यह इस बात को भी दर्शाता है कि भारत इस लिस्ट में लगातार नीचे आ रहा है। विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2023 में भारत को 126वें स्थान पर रखा गया है, जो पिछले वर्ष के 136वें स्थान से उल्लेखनीय सुधार है। फिनलैंड ने लगातार छठे वर्ष दुनिया के सबसे खुशहाल देश के रूप में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2023 में भारत ने 2023 के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की सूची में 84वां स्थान हासिल किया है। भारतीय नागरिकों को वैश्विक स्तर पर 59 देशों में वीजामुक्त पहुंच का आनंद मिलता है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2023 आतंकवाद से प्रभावित देशों में भारत 13वें स्थान पर है, अफगानिस्तान सबसे अधिक प्रभावित देश के रूप में सूची में शीर्ष पर है। पर्यावरण प्रदर्शन आकलन, एक द्विवार्षिक सूचकांक का उपयोग करते हुए, देशों को उनके पर्यावरण प्रदर्शन और स्थिरता के आधार पर रैंक किया जाता है। भारत ने 18.9 अंक प्राप्त किए जिससे वह पर्यावरण नीति सूचकांक 2022 में कुल मिलाकर 180वें स्थान पर रहा। उल्लेखनीय रूप से, भारत पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, म्यांमार (19.4) और बांग्लादेश (23.1) जैसे देशों से नीचे है। डेनमार्क 77.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है। उसके बाद यूनाइटेड किंगडम (77.7) और फिनलैंड (76.5) हैं। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की रैंकिंग में अंतरराष्ट्रीय मीडिया निगरानी संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा रिपोर्ट किए गए 2022 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की रैंकिंग 180 देशों में से 150वें स्थान पर आ गई है। यह 2021 में 77वें स्थान से गिरावट को दर्शाता है, जो प्रेस स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है।

आप का नजरिया

चौपट बंदोबस्त, लापता फर्ज

इस प्रकरण के कई मुकाम और कई आयाम हैं, लेकिन रहस्य अब कानून व्यवस्था की पहरेदारी में छेद कर रहा है। सिरमौर की सडक़ पर एक स्थानीय ट्रैक्टर चालक व उसके संबंधियों के साथ, बाहरी राज्य के वाहन पर सवार लोगों के बीच हुई कहासुनी जब हाथापाई पर उतर आई, तो अव्यवस्था के सरकंडे सडक़ पर उतर आए। मारपीट के साक्ष्य और पुलिस जांच की जिम्मेदारी के बीच फासला इतना बढ़ा कि हेड कांस्टेबल का व्यवहार असामान्य और सोशल मीडिया पर एक वीडियो की तरह हो गया। जिस हेड कांस्टेबल को जांच का जिम्मा सौंपा गया, उसके आचरण की किश्तियां गुम हैं और सरकार लापता है। दरअसल जांच को वे पीड़ित नजर नहीं जिनके जख्म चीख रहे थे, लेकिन अब पर्दे के पीछे कराहने वालों को हुजूम पूछने लगा। हेड कांस्टेबल जसवीर सैनी द्वारा जारी लुक्का छिपी में पुलिस महकमे का ढांचा भी प्रश्नांकित है। अगर यही दस्तूर जांच की अनेक परिपाटियों में चल निकला तो 'मुद्दई' का मुकद्मा किस तर्क से निष्पक्ष रहेगा। इससे यह भी पता चलता है कि प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं के प्रति व्यवस्था कितनी लापरवाह व लावारिस है। वायरल वीडियो का सच नहीं पूछा गया तो जांच पर जुटा पुलिस कर्मचारी परिदृश्य से क्यों गायब हो गया, यह प्रश्न अब महकमे की प्रश्नावली से पूछ रहा है। अब जांच दो धड़ों में नहीं, बल्कि पुलिस महकमे के धड़ों में जारी है। ऐसे में न्याय ट्रैक्टर पर सवार व्यक्तियों को मिले या लापता पुलिस कांस्टेबल को पहले खोजा जाए। आश्चर्य यह कि हिमाचल में अब कुछ भी सहज व साधारण नहीं रहा और परीक्षण-निरीक्षण के लिए भी सिफाशि का इंतजाम करना पड़ता है। यह केवल कानून व्यवस्था में परिदृश्य नहीं, बल्कि विभागीय कसौटियों में भी नियमों को ताक पर रखकर प्रदेश आंखें मूंद कर चल रहा है। यह दीगर है कि कहीं इक्का दुक्का अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर या अध्यापक कमाल कर जाते हैं, वरना आधारभूत जरूरतें भी अनुपस्थित रहती हैं। राज्य के कायाकल्प मूल्यांकन के तहत लगातार चौथे साल धर्मशाला जोनल अस्पताल का चर्चाओं में आना बताता है कि कोई सरकारी कार्यसंस्कृति का पैगंबर उच्च स्तर का कार्य कर रहा है। डा. राजेश गुलेरी ने अपने दायित्व की बुनियाद पर अस्पताल को सींचा तो सरकारी ढांचा भी निजी को पीछे कर गया, वरना समीप में ही टांडा मेडिकल कालेज की साफ सफाई से इसी विभाग का नाक झुक जाता है। शिक्षा विभाग की व्यवस्था का आलम यह है कि मौसम से पहले छुट्टियां और बरसात के बीच स्कूल चलते रहते हैं। हमारी जलापूर्ति परियोजनाएं गर्मियों में ढेर हो जाती हैं, लेकिन आला अधिकारियों को खबर नहीं कि पानी आए कहां से और जाए कहां। कमोबेश यही लत विद्युत विभाग को भी है और भरी गर्मी में बंदोबस्त चौपट हो जाता है। बंदोबस्त हर विभाग का चौपट है फिर भी शेखियां हैं कि बड़े मियां हर पद पर चमत्कार कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि जिस पर्यटक सीजन में हिमाचल मुस्कराना चाहता है, वह रोशनी को बिजली नहीं, नल को जल नहीं, परिवहन को माकूल सडक़ नहीं, पर्यटक वाहन को पार्किंग नहीं और ट्रैफिक जाम से निजात को कानून व्यवस्था नहीं दे पाता। हम नहीं जानते सिरमौर घटना का कौन दोषी और कौन कानून से वाकई सहारा चाहता है, लेकिन पुलिस के कारनामे ने पहले वीडियो कांड और अब हेड कांस्टेबल की गुमशुदगी से खुद को फंसा लिया।

गाजा में अभियान को हर दिन कुछ देर रोकेगा इजराइल मानवीय सहायता पहुंचाने में अड़चन को करेगा दूर

यरुशलम, 16 जून (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने मानवीय सहायता की बढ़ी हुई मांग की डिरीवरी की अनुमति देते हुए गाजा में अपने आक्रमण पर कूटनीतिक तौर पर रोक लगाने की घोषणा की। सेना ने कहा कि राफा क्षेत्र में सुबह के आठ बजे से शाम के सात बजे तक रोक लगाई गई है। अगली सूचना तक हर दिन रोक रहेगी। इस रोक का उद्देश्य सहायता ट्रकों को इजराइल नियंत्रित केरेम शेलोम क्रॉसिंग के पास पहुंचाना है। दरअसल यह क्षेत्र सहायता पहुंचाने का मुख्य द्वार है। बताया गया कि इस रोक को संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के साथ समंवित किया जा रहा है। आठ महीने से जारी युद्ध ने गाजा को मानवीय संकट में डाल दिया आठ महीने से इजराइली सेना लगातार गाजा पर हमले कर रहे हैं। इस हमले ने गाजा को मानवीय संकट में डाल दिया। यूएन ने इस दौरान गाजा में भूखमरी और सैकड़ो-हजारों लोगों के अकाल के कगार में होने की रिपोर्ट दी है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों ने इजराइल से संकट को कम करने का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, यूएन को छह मई से छह जून तक प्रतिदिन सहायता के तौर पर औसतन 68 ट्रक प्राप्त हुए। यह अप्रैल में प्रतिदिन औसतन 168 से कापी कम था। सहायता समूहों का कहना है कि प्रतिदिन 500 ट्रकों की जरूरत है। गाजा में जैसे-जैसे मानवीय जरूरतें बढ़ने लगी, सहायता का प्रवाह कम होने लगा। करीबन दस लाख फलस्तीनी राफा भाग गए। कई पहले ही भाग गए थे, उनमें से अधिकांश अब टूटे फूटे टेंट और शिविरों में रह रहे हैं। गाजा में सहायता वितरण की देखरेख करने वाली इजराइली सैन्य संस्था कोगाट का कहना है कि सहायता ट्रकों के प्रवेश पर रोक नहीं है। उन्होंने बताया कि दो मई से 13 जून के बीच 8,600 ट्रकों ने विभिन्न क्रॉसिंग से गाजा में प्रवेश किया। कोगाट के प्रवक्ता शिमोन फ्रीडमैन ने कहा, यह संयुक्त राष्ट्र की गलती थी कि उसका माल केरेम शालोम के गाजा क्षेत्र में जमा हो गया। हालांकि, यूएन ने इन आरोपों को नकार दिया। यूएन ने कहा कि इजराइल और हमास की लड़ाई अक्सर गाजा के अंदर यूएन के ट्रकों के लिए केरेम शालोम तक यात्रा करना खतरनाक बना देती है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा में कमी के कारण कई बार रास्ते में ही भीड़ ट्रकों को लूट लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

गांव में दहशत फैलाने वाले मगरमच्छ को पुलिस ने मारी गोली, स्थानीय लोगों ने दावत में पकाकर खाया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के गांव में स्थानीय लोगों ने एक पारंपरिक उत्सव के दौरान खारे पानी के एक बड़े मगरमच्छ को मारकर खा लिया। इस साल की शुरुआत में आई बाढ़ के बाद 3.63 मीटर लंबा मगरमच्छ 250 मीटर दूर बेन्स नदी में चला गया था। वह पानी से बाहर निकलकर बच्चों और वयस्कों पर हमला कर रहा था।मगरमच्छ ने कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था। मगरमच्छ को मार दी गई गोली आदिवासी समुदाय के लोगों से बात करने के बाद पुलिस ने मगरमच्छ को गोली मार दी। एक बयान जारी कर पुलिस ने कहा, स्थानीय लोगों और वन्यजीवों के परामर्श के बाद मगरमच्छ को गोली मार दी गई। अब यह समुदाय के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा। पार्क और वन्यजीवन द्वारा एक मगरमच्छ सुरक्षा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मगरमच्छ को मारने के बाद उसे पास के आदिवासी समुदाय तक पहुंचाया गया। दरअसल, यहां विशाल रेप्टाइल को दावत के लिए बनाया जाता है। उत्तरी क्षेत्र पुलिस सार्जेंट एंड्रयू मैकब्राइड ने कहाजानवर को मगरमच्छ की पूंछ के सूप में पकाया जाता है। उसे बारबेक्यू पर रखा गया और कुछ हिस्सों को केले के पत्तों में लपेटा गया और फिर पकाया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह एक बड़ी पारंपरिक दावत थी। सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं मगरमच्छ कमांडर काइली एंडरसन ने कहा कि मगरमच्छ सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने पार्क, वन्यजीव, पुलिस और स्थानीय लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने आगे कहा कि हम बड़े मगरमच्छ को हटाने और समुदाय की सुरक्षा करने में सक्षम रहे। बता दें कि हाल ही में बाढ़ के कारण उत्तरी क्षेत्र में मगरमच्छ की संख्या में तेजी से वृद्धि देखने को मिली। दरअसल, बाढ़ के कारण कई मगरमच्छ विस्थापित हो गए, जिस कारण वे कई बार असामान्य स्थानों पर दिखाई देते हैं। सार्जेंट मैकब्राइड ने बताया कि कई क्षेत्रों में अधिक पानी होने के कारण मगरमच्छ वहां भी दिखाई देते हैं। खारे पानी के मगरमच्छ छह फीट तक लंबे और उनका वजन एक टन तक हो सकता है।

12 साल की लड़की का जबरन 72 वर्ष के बुजुर्ग से कराया जा रहा था निकाह पुलिस ने बचाया, शख्स गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चारसद्दा शहर में एक 12 वर्षीय लड़की की शादी 72 साल के बुजुर्ग से कराई जा रही थी। नाबालिग से शादी करने के आरोप में पुलिस ने दुल्हे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, लड़की के पिता आलम सैयद ने 500,000 पाकिस्तानी रुपये में बुजुर्ग को अपनी बेटी बेच दी थी। निकाह से पहले पुलिस ने हस्तक्षेप किया और 72 वर्षीय दुल्हे को गिरफ्तार कर लिया। दुल्हे की पहचान हबीब खान के तौर पर की गई है। हालांकि, इस दौरान लड़की के पिता मौके से फरार हो गया। पुलिस ने लड़की के पिता और 72 साल के बुजुर्ग के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बाल विवाह के खिलाफ कानूनों के बावजूद पाकिस्तान में इस तरह की घटना होती रहती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों मे हाल ही में राजनपुर और थट्टा में इसी तरह के प्रयास को विफल किया।

मेलनी ने जी-7 के समापन में पीएम मोदी से बातचीत का किया उल्लेख, कहा- भारत संग साझेदारी और करेंगे मजबूत

बारी। जी-7 की मेजबान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलनी ने शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के अवसरों की तलाश की है। मेलनी ने कहा, रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों की खोज की जो शुरुआत पीएम मोदी के साथ 2022 में हुई थी, वह आगे बढ़ चुकी है। अब इस साझेदारी को और मजबूत करने की ओर बढ़ चले हैं। मेलनी ने यह भी कहा कि जी-7 के विचार-विमर्श में चीन के लिए स्पष्ट संकेत है कि हम बातचीत के लिए खुले हैं, लेकिन हमारी कंपनियों को स्वतंत्र व निष्पक्ष बाजार में समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होना चाहिए। मेलनी ने भारत के नजरिये को आगे बढ़ाते हुए कहा, जी-7 हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अपनी जिम्मेदारियों के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने दुनिया के सामने रखा भारत का दृष्टिकोण पीएम मोदी ने जी-7 के मंच से विश्व नेताओं के बीच तमाम अहम मसलों पर भारत का दृष्टिकोण पेश किया।

ब्रिटेन और श्रीलंका में मनाया गया योग कार्यक्रम, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

वॉशिंगटन, 16 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले दुनियाभर के देशों में योग कार्यक्रम हो रहे हैं। ब्रिटेन और श्रीलंका में योग को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्राफलगर चौक पर तो श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने त्रिंकोमाली में एक योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

पांच हजार लोग हुए शामिल

श्रीलंका के त्रिंकोमाली के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया। इसमें पांच हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। बता दें, 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे अपनाने के बाद 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है।

700 से अधिक लोगों ने भाग लिया

भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने कहा, लंदन के ट्राफलगर चौक पर 700 से अधिक लोगों का आना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इसके चारों ओर प्रतिष्ठित प्रतिमाएं हैं। निश्चित रूप से, कई योग विद्यालय यहां आए और योग के अभ्यास में हमारा नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लंदन में हुए कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने का कहना है कि योग सभी को एकजुट करता है और योग सभी के लिए है।

योग विद्यालय भी आए

इस वर्ष क्या अलग है, इस बारे में पूछे गए सवाल के उत्तर में भारतीय राजदूत दोरईस्वामी ने बताया कि इस साल अधिक प्रतिभागी थे, अतिरिक्त योग विद्यालय शामिल हुए थे तथा समुदायों की विविधता भी अधिक थी। हालांकि, मुख्य ध्यान भागीदारी में अंतर के लक्ष्य के बजाय उपचार और व्यक्तिगत विकास में योग की भूमिका को जारी रखने पर रहता है। दोरईस्वामी ने इस का कार्यक्रम इस मायने में अलग है कि हमारे यहां और भी अधिक लोग थे, हमारे साथ अधिक योग स्कूल जुड़े हैं और हमारे यहां समुदायों की एक बड़ी विविधता है। इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण इसके अलावा, ब्रिटेन की नागरिक इंद्रपाल ओहरी चंदेल ने भी बात की और बताया कि इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण है। उन्होंने भारतीयों और एशियाई लोगों के लिए योग के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह उनकी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सांस्कृतिक संबंध और महत्व को बढ़ावा देता है। बड़ी बात यह है कि आज भारतीय क्रिकेट की बधिर टीम के सदस्य भी यहां आए क्योंकि उनके मैच ग्रेट ब्रिटेन के साथ होंगे।

शांति सम्मेलन में होगी यूक्रेन के कूटनीतिक दबदबे की परीक्षा, वैश्विक नेता स्विट्जरलैंड पहुंचे

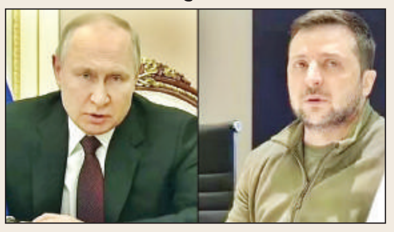

ल्यूसेर्नी। हालिया सैन्य उलटफेर ने कीव को बैकफुट पर ला दिया है। उधर, गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के चलते भी दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा है। यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए रूस पर दबाव बनाने की खातिर वैश्विक नेता एक शिखर सम्मेलन के लिए स्विट्जरलैंड में एकत्रित हुए हैं। हालांकि चीन जैसे मॉस्को के शक्तिशाली सहयोगियों की मौजूदगी से इसका संभावित प्रभाव कुंद होने की आशंका है। रूस ने इस कार्यक्रम में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन यूक्रेन के दर्जनों सहयोगी हिस्सा ले रहे हैं, जो उसके कूटनीतिक दबदबे की परीक्षा होगी। हालिया सैन्य उलटफेर ने कीव को बैकफुट पर ला दिया है। उधर, गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के चलते भी दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा है। सूत्रों ने कहा कि शिखर सम्मेलन में बातचीत के दौरान युद्ध से उत्पन्न खाद्य, परमाणु सुरक्षा व नेविगेशन की स्वतंत्रता जैसी व्यापक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। उम्मीद है कि अंतिम घोषणा के मसौदे में रूस को आक्रामक के रूप में पहचाना जाएगा। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण कदम बताया है। पुतिन ने दोहराया-नॉटो की महत्वाकांक्षा छोड़े यूक्रेन सभा की पूर्व संध्या पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोहराया, युद्ध तभी खत्म होगा जब कीव अपनी नाटो महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने और मॉस्को द्वारा दावा किए गए सभी चार प्रांतों को सौंपने के लिए सहमत हो। उधर, यूक्रेन ने रूस की मांगों को आत्मसमर्पण के बराबर मानकर खारिज कर दिया गया।

भारतीय वायुसेना ने अमेरिका के अलास्का में दिखाया दम, युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 में शामिल हुआ दल

वॉशिंगटन, 16 जून (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना के एक दल ने अमेरिका के अलास्का में आयोजित हुए युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 में शिरकत की। यह युद्धाभ्यास अमेरिका के अलास्का के इलसन एयर फोर्स बेस पर आयोजित किया गया। यह युद्धाभ्यास 4 जून से 14 जून तक आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका के साथ ही भारत, सिंगापुर, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी की वायुसेनाएं शामिल हुईं।

साल में चार बार आयोजित होता है रेड फ्लैग युद्धाभ्यास

रेड फ्लैग 2024 का यह दूसरा संस्करण था। रेड फ्लैग युद्धाभ्यास एक एडवांस कॉम्बैट ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। यह युद्धाभ्यास साल में चार बार आयोजित होता है। भारतीय वायुसेना के दल में राफेल फाइटर जेट और एयर क्रू के साथ ही तकनीशियन, इंजीनियर, कंट्रोलर और विषयों के विशेषज्ञ शामिल रहे। युद्धाभ्यास में शामिल होने के लिए आते वक्त राफेल फाइटर जेट को आईएल-78 एयर टू एयर रिफ्यूलर की मदद से हवा में ही ईंधन भरा गया। वहीं दल के सदस्यों को लाने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर विमान का इस्तेमाल किया गया। भारतीय वायुसेना का दल 29 मई को अलास्का स्थित इलसन एयर बेस पहुंच गया था।

रेड फ्लैग एक्सरसाइज के दौरान युद्ध जैसे हालात बनाकर अभ्यास किया गया। वांछित वातावरण के लिए बलों का सीमांकन किया गया, जिसमें रेड फोर्स ने डिफेंस किया और ब्लू फोर्स ने आक्रामण किया। इस अभ्यास में रेड फोर्स मुख्य रूप से अमेरिकी वायुसेना की एग्रेसर स्कवॉड्रन द्वारा बनाई गई थी, जिसमें एफ-16 और एफ-15 जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान थे।

कोविड-इनफ्लूएंजा टीके के नतीजे सकारात्मक, सार्वजनिक स्वास्थ्य को फायदा 2025 तक आ सकता है

कैम्ब्रिज, 16 जून (एजेंसियां)।

मैसाचुसेट्स की दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनी मॉडर्ना ने इस हफ्ते के शुरू में कोविड और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ संयुक्त वैक्सीन के तीसरे चरण की क्लीनिकल जांच के सकारात्मक नतीजों का ऐलान किया है। दुनिया भर में कई दशकों से अन्य बीमारियों के लिए संयुक्त टीके इस्तेमाल किए जाते रहे हैं, क्योंकि इनके कई फायदे हैं।

इनसे स्वास्थ्य प्रणालियों की लागत में कमी तो आती ही है, भंडारण की जरूरत भी कम पड़ती है और लोगों की जेब पर भारी नहीं पड़ते हैं। खास तौर से संयुक्त टीके कम आय वाले देशों में बेहद काम के साबित हो सकते हैं। शोध बताते हैं कि यह टीके लोगों के नियमित टीका लगाने की संभावना बढ़ाते हैं। मॉडर्ना का कोविड और इन्फ्लूएंजा का संयुक्त टीका एमआरएनए-1083 भी ऐसी ही उम्मीद जगा रहा है। अब तक 8,000 लोगों पर इसका परीक्षण किया जा चुका है। दो समूहों में की गई टीके की जांच

मॉडर्ना की कोविड और इन्फ्लूएंजा के संयुक्त टीके एमआरएनए-1083 के तीसरे चरण की जांच में दो आयु समूहों के करीबन 8,000 लोगों को शामिल किया गया। समूहों में आधे 50 से 64 वर्ष की उम्र के वयस्क थे और बाकी आधे 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के थे। दोनों आयु समूहों को फिर से संयुक्त वैक्सीन एमआरएनए-1083 या नियंत्रण वाले समूह की वैक्सीन देने के लिए बांटा गया। नियंत्रण वाले समूह में कोविड और फ्लू वैक्सीन बेतरतीब तरीके से अलग- अलग दी गई थी।

सालाना 50 लाख लोग होते हैं गंभीर इन्फ्लूएंजा के शिकार

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर करीब 30 से 50 लाख लोग सालाना गंभीर इन्फ्लूएंजा का सामना करते हैं और लगभग 6,50,000 लोग इस बीमारी से मर जाते हैं। दुनिया भर में कोविड से 70 लाख से अधिक मौतें हुई हैं। बावजूद इसके लोग वैक्सीन लगाने को लेकर बेपरवाह हो रहे हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर एलन मस्क की चेतावनी

वॉशिंगटन, 16 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में शुमार एलन मस्क आजकल काफी चर्चाओं में हैं। कभी कंपनी से निकाले गए कर्मचारियों से पैसे वापस मांगकर सुर्खियां बटोर लेते हैं तो कभी किसी और कारण से। अब मस्क ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने चौंकाने वाला दावा किया। कहा कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी चुनावों से ईवीएम को हटाने की मांग की।

बता दें, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया। कैनेडी ने क्या कहा था अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कैनेडी जूनियर ने एसोसिएटेड प्रेस का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, 'प्यूर्टो रिको के प्राथमिक चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं सामने आई हैं। सौभाग्य से यह एक पेपर ट्रेल था, इसलिए समस्या की पहचान की गई और वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए उन क्षेत्रों में क्या होता होगा, जहां कोई पेपर ट्रेल नहीं है

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी नागरिकों के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनके प्रत्येक वोट की गणना की गई है। उनके चुनावों में कोई सेंध नहीं लगाई जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए उन्हें पेपर बैलेट पर वापस लौटना होगा।

मस्क ने क्या दी प्रतिक्रिया

एक्स पर कैनेडी जूनियर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने कहा, हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन क्या हैं

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें एक प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिनका इस्तेमाल चुनावों में मतों को रिकॉर्ड करने और गिनने के लिए किया जाता है। इन मशीनों का मुख्य उद्देश्य मत प्रक्रिया को सरल, तेज और विश्वसनीय बनाना है। भारत में ईवीएम का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के चुनावों में किया जाता है, जैसे कि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव शामिल हैं।

कथित बेटी की सच्चाई छिपाने को लेकर फिर मुश्किल में इमरान, हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी में याचिका

इस्लामाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। याचिका में कहा गया कि 71 वर्षीय इमरान खान ने 2018 के चुनाव के दौरान अपने नामांकन में अपनी कथित बेटी टायरिन के बारे में जानकारी नहीं दी थी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कथित बेटी के नाम को छिपाने के आरोप में खान को अयोग्य ठहराने वाली मांग को लेकर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व पीएम के खिलाफ 2018 के चुनाव में नामांकन के दौरान गलत जानकारी देने के आरोप में उनका नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। अब याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत का रुख अपना है। बता दें, पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ मोहम्मद साजिद नामक याचिकाकर्ता ने याचिका दायर की थी।

याचिका में लगाए गए ये आरोप

याचिका में कहा गया कि 71 वर्षीय इमरान खान ने 2018 के चुनाव के दौरान अपने नामांकन में अपनी कथित बेटी टायरिन के बारे में जानकारी नहीं दी थी। इमरान खान की पार्टी ने 2018 के

चुनाव में जीत दर्ज की थी और उसके बाद इमरान खान ने अगस्त 2018 से लेकर अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में काम किया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इमरान खान ने अपने नामांकन में गलत जानकारी दी। इमरान ने अपने हलफनामे में सिर्फ अपने दो बेटों का जिक्र किया, लेकिन तीसरी संतान टायरिन का जिक्र नहीं किया।

हाईकोर्ट से मिली थी राहत

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट से पहले याचिकाकर्ता ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, यहां से उसे निराशा हाथ लगी। इस मामले पर सुनवाई कर रही इस्लामाबाद हाईकोर्ट की तीन जजों की पीठ को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आमेर फारुख ने भंग कर दिया था। बाद में नई पीठ ने याचिका पर सुनवाई कर उसे खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी ने पिछले साल दिए गए दो न्यायाधीशों की राय पढ़ी और फैसला सुनाया कि मामला पहले ही खारिज किया जा चुका है। याचिकाकर्ता मोहम्मद साजिद ने अपने वकील साद मुमताज हाशमी के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दलील दी कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट की पीठ ने तीन में से दो न्यायाधीशों की सहमति वाली राय को अदालती फैसला मानने में गलती की है। उसका कहना है कि खान ने मियांवाली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपनी बेटी के बारे में नहीं बताया था। केवल अपनी पत्नी बुशरा बीबी और विदेश में रहने वाले दो बेटों कासिम खान और सुलेमान खान के बारे में जानकारी दी थी। साजिद ने कहा कि चूंकि खान ने झूठा हलफनामा दिया है, इसलिए वह अयोग्य करार दिए जाने योग्य हैं।

इमरान खान पर 2022 में हुए हमले के मामले में तीन दोषी करार

इमरान खान पर साल 2022 में जानलेवा हमला हुआ था। उस मामले में पाकिस्तान की आतंक रोधी अदालत ने तीन लोगों को दोषी ठहराया है। इमरान खान पर 2022 में लाहौर प्रांत में एक विरोध रैली के दौरान हमला हुआ था। इस हमले में इमरान खान के पैर में कथित तौर पर तीन गोलियां लगीं थी। दोषी ठहराए गए लोगों की पहचान नावीद मेहर, वकास और तैयब के रूप में हुई है। नावीद मेहर को मुख्य दोषी बताया गया है और मेहर ने ही इमरान खान पर गोलियां चलाई थी। वहीं वकास और तैयब ने मेहर को हथियार मुहैया कराया था।

उस हमले में पीटीआई के कार्यकर्ता की मौत हो गई थी और इमरान खान समेत 14 अन्य लोग घायल हुए थे। मेहर को मौके पर ही पीटीआई समर्थकों ने पकड़ लिया था। गुंजरावाला स्थित आतंक-रोधी अदालत ने तीनों को दोषी ठहराया। कोर्ट 25 मई को इस मामले में सजा सुनाएगा।

इमरान खान ने इस हमले का आरोप आईएसआई के मेजर जनरल फैसल नसीर, शहबाज शरीफ और तत्कालीन आंतरिक मामलों के मंत्री राणा सनाउल्लाह पर लगाया था। इमरान खान ने मेजरल जनरल फैसल नसीर पर केन्या में पाकिस्तानी पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या का भी आरोप लगाया था।

स्विट्ज़रलैंड ने हंगरी को 3–1 से हराया, स्पेन की क्रोएशिया के खिलाफ दमदार शुरुआत, 3–0 से दी शिकस्त

बर्लिन, 16 जून (एजेंसियां)।

स्विट्जरलैंड ने जर्मनी के कोलोन में खेले गए यूरोपीय चैम्पियनशिप 2024 में अपने शुरूआती फुटबॉल मुकाबले में हंगरी को 3–1 से शिकस्त दी। वहीं, ग्रुप–बी के एक मुकाबले में स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर यूरो कप 2024 की दमदार शुरुआत की है। इससे पहले मेजबान देश जर्मनी ने टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5–1 से हराया था। ऐसे में हंगरी पर जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। हंगरी को सितंबर 2022 के बाद किसी प्रतिस्पर्धी मैच में पहली हार मिली। स्विट्जरलैंड ने क्वाड्वो दुआह के 12वें मिनट और माइकल एबीशर के 45वें मिनट में किए गए गोल से पहले हाफ में 2–0 से बढ़त बनाई। हंगरी के लिए एकमात्र गोल बर्नाबास वार्गा ने डोमिन जोबोस्लाई के क्रॉस पर हेडर से 66वें मिनट में दागा। हंगरी ने स्विट्जरलैंड पर दबाव बनाए रखा लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सका। ब्रील एम्बोलो ने इंजुरी टाइम (90+3वें मिनट) में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। स्पेन ने क्रोएशिया को हराया वहीं, स्पेन ने क्रोएशिया को 3–0 से हरा दिया। स्पेन के लिए कप्तान अल्वारो मोराटा ने 29वें मिनट, फैबियन रूइज ने 32वें मिनट और कार्वाहाल ने 45+2वें मिनट में गोल दागे। दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हो सका। हालांकि, क्रोएशिया की टीम को पेनल्टी मिला था, लेकिन टीम उसमें गोल करने में नाकाम रही। ग्रुप–बी का दूसरा मुकाबला इटली और अल्बानिया के बीच खेला जाएगा। कार्वाहाल ने बनाया रिकॉर्ड दानी कार्वाहाल यूरो कप में 32 वर्ष और 156 दिन की उम्र में गोल दागा।

वह स्पेन के लिए इस टूर्नामेंट में गोल स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनके गोल को 16 साल 338 दिन की उम्र के लैमिन यमाहाल ने असिस्ट किया। यमाहाल प्रतियोगिता के इतिहास में असिस्ट करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। मेजबान जर्मनी ने स्कॉटलैंड को हरा किया जीत से आगाज फ्लोरियन विर्ट्ज और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेले स्कॉटलैंड को 5–1 से करारी शिकस्त देकर यूरो फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान का आगाज जीत से किया। विर्ट्ज ने 10वें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पेनाल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3–0 से आगे कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान इससे नीचे नहीं जा सकता: इमाद वसीम

लौडरहिल(अमेरिका)। टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में बाहर हो जाने के बाद पाकिस्तान के आलराउंडर

इमाद वसीम ने कहा कि यह टीम के लिए सबसे निराशाजनक बिंदु है क्योंकि टीम टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार सुपर आठ में जगह नहीं बना पाई है। पाकिस्तान ने विश्व कप में अपना अभियान सह मेजबान अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में हार के साथ शुरू किया और फिर उसे चिर– प्रतिद्वंद्वी भारत से छह रन से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने कनाडा को सात विकेट से हराया लेकिन तब तक बाबर एंड कंपनी के लिए काफी देर हो चुकी थी। अपने आखिरी ग्रुप मैच में पाकिस्तान फ्लोरिडा में आयरलैंड से भिड़ेगा। इमाद ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा,हां, यह सबसे निराशाजनक बिंदु है। आप इससे नीचे नहीं जा सकते। मैं जानता हूं कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं और यह सभी खिलाड़ियों के लिए मुश्किल समय है लेकिन आखिर में यह एक अंतर्राष्ट्रीय मैच है, एक विश्व कप मैच है और हम इसे हल्के में नहीं ले सकते। आलराउंडर ने कहा, पाकिस्तान आयरलैंड के खिलाफ मैच को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा हालांकि यह परिणाम के लिहाज से महत्वहीन मैच है। हम अपने देश के लिए खेलेंगे, अपने देश के गौरव के लिए खेलेंगे जो हमने पहले भी किया है लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम पर हमारा नियंत्रण नहीं है। लेकिन हम इस मैच में पूरी ताकत के साथ उतरेंगे क्योंकि यह विश्व कप मैच है। इमाद ने पराजयों के लिए किसी खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराने से इंकार किया और कहा कि यह टीम की सामूहिक जिम्मेदारी है कि उसने मैच गंवाए। उन्होंने कहा,हमने दो मैच खुद ही गंवा दिए थे। यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि टीम की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए कोई बहाना नहीं है। यूएसए से हारना, खैर, हारना खेल का एक हिस्सा है, लेकिन हमें यूएसए से नहीं हारना चाहिए था।

सुपरआठ में अब रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा : युवराज

न्यूयॉर्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अब सुपर 8 के मुकाबले

रोमांचक होंगे और हर टीम के पास सेमीफाइनल के लिए प्रवेश का अवसर रहेगा। इस बार टी20 विश्कप में नई टीमों ने सभी को हैरान करते हुए शानदार क्रिकेट खेला है। यहां तक कि दिग्गज टीमों को भी जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है। कुछ उलटफेर भी हुए हैं। इसी को लेकर युवराज ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में उलटफेर होते रहते हैं। इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। विश्वकप में इस बार जहां सहमेजबान अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ में पहुंची है। वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान बाहर हो गयी है। सह–मेजबान अमेरिका ने एक मुकाबले में 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को हराया जबकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की। युवराज ने कहा, विश्व कप में उलटफेर होते हैं। हमने अब तक कुछ उलटफेर देखे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। साथ ही कहा कि अमेरिकी पिच पर हुई परेशानी को लेकर युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको हालातों के लिए बहुत अधिक अनुभव की आवश्यकता है। यदि आप जल्दी पहुंचते हैं और मौसम के अनुकूल ढल जाते हैं, तो खिलाड़ियों के पास आवश्यक अनुभव होता है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिश्चियन ने भी कहा कि कई टीमों के लिए यहां धीमी शुरुआत रही है।

पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में पहुंचे टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल, तीसरे खिताब पर होगी नजर

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे

जापाटा मिरालेस पर 7–6 (7–2) 1–6 6–2 से जीत हासिल करके पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी नजर इस साल अपने तीसरे खिताब पर होगी। इटली के लुसियानो डार्डेरी और जर्मनी के डेनियल अल्टमायर के बीच होने वाले मैच में जीतने वाला खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेगा और उसका सामना सुमित नागल से होगा। 26 वर्षीय नागल जो अब विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वोच्च 77वें स्थान पर हैं, उन्हें पहले सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने टाई–ब्रेकर में स्पेनिश खिलाड़ी को मात दी। मिरालेस ने दूसरे सेट में दबदबा बनाते हुए 6–1 से जीत दर्ज की और अपने पहले सर्व के 77 प्रतिशत अंक भी हासिल किए। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और तीन एक्सचेंजों में स्पेनिश खिलाड़ी पर अपनी पहली जीत दर्ज की। लगातार टेनिस खेलते हुए नागल ने जर्मनी में हीलब्रॉन चैलेंजर की शुरुआत के बाद से लगातार नौवीं जीत हासिल की, जिसे उन्होंने इस महीने की शुरुआत में जीता था। इस तरह नागल लगातार चैलेंजर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं, जिससे उन्हें शीर्ष–50 में जगह बनाने का मौका मिला।

आयरलैंड के खिलाफ हांफते हुए तीन विकेट से जीता पाकिस्तान

लॉडरहिल, 16 जून (एजेंसियां)।

कप्तान बाबर आजम की नाबाद (32) और अब्बास अफरीदी की (17) रनों की जूझारू पारियों की मदद से पाकिस्तान ने रविवार को टी–20 विश्वकप के 36वें मैच में आयरलैंड पर हांफते हुए तीन विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले गैरेथ डेलेनी (31) और जॉश लिटिल नाबाद (22) की जूझारू पारियों के दम पर आयरलैंड ने पाकिस्तान को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां सेंट्रल ब्रोवर्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड को पाकिस्तानी गेंदबाजों के कहर का सामना करना पड़ा। आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 6.3 ओवर में 32 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां दिये। एंडी बैलबर्नी (शून्य), लोर्कान टकर (2), कप्तान पॉल स्टर्लिंग (1), हैरी टेक्टर (2), जॉर्ज डॉकरेल (11) और कर्टिस कैमफर (7) रन बनाकर आउट हुए। गैरेथ डेलेनी और मार्क ऐडेयर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। लेकिन इमाद वसीम ने 12वें ओवर में पहले गैरेथ डेलेनी 19 गेंदों में (31) को अपना शिकार बनाया और उसके बाद मार्क ऐडेयर (15) को भी पवेलियन भेज दिया। बैरी मक्कार्थी दो रन बनाकर आउट हुए। उन्हें भी इमाद वसीम ने अपना शिकार बनाया। जॉश लिटिल 18 गेंदों में 22 रन और पांच रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में बड़ी मुश्किल से नौ विकेट पर 106 रन का स्कोर खड़ा किया।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और इमाद वसीम ने तीन–तीन विकेट लिये। मोहम्मद आमिर को दो विकेट मिले। हारिस रउफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 107 रनों के

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की मोहम्मद रिजवान और सईम अयूब की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये धीमी गति से 23 रन जोड़े।

दोनों ही बल्लेबाजों ने 17–17 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कप्तान बाबर आजम ने पारी को संभालने का प्रयास किया। फखर जमान (5), उस्मान खान (2),शादाब खान (शून्य), इमाद वसीम (4) और अब्बास अफरीदी (17) रन बनाकर आउट हुए। एक समय 10वें ओवर में पाकिस्तान 57 रन पर पांच विकेट गवां कर संकट में फंस गया गया था। ऐसे समय में अब्बास अफरीदी ने बाबर आजम के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। बाबर आजम ने 34 गेंदों में दो चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाये।

पाकिस्तान ने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनकर तीन विकेट से मुकाबला जीत लिया। आयरलैंड की ओर से बैरी मक्कार्थी ने तीन विकेट लिये। कर्टिस कैमफर को दो विकेट मिले। बेन व्हाइट और मार्क ऐडेयर ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया।

52 वर्षीय धावक ने 12 दिन में 1000 किमी दौड़कर हासिल की उपलब्धि भीषण गर्मी में पिघल गए थे जूते

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

आप चाहे प्रथम आएं या अंतिम। इससे फर्क नहीं पड़ता है। आपने कुछ ऐसा किया जो सबसे अलग है। नताली डाउ की यात्रा आसान नहीं थी। पहले दिन ही उन्हें कूल्हे की चोट से जूझना पड़ा। मैराथन दौड़ की अनुभवी 52 वर्षीय नताली डाउ ने 12 दिनों में एक हजार किलोमीटर दौड़कर बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर को कवर किया। भीषण गर्मी और कूल्हे में चोट लगने के बावजूद उन्होंने अपनी दोड़ बरकरार रखी। उनकी दौड़ पांच जून को सिंगापुर में समाप्त हुई। थाइलैंड सिंगापुर अल्ट्रामैराथन 1000 किमी को तेजी से पूरा करने के लिए नताली डाउ को सिंगापुर का अवॉर्ड मिला। अब उन्हें मलेशिया प्रायद्वीप को तेजी से पैदल पार करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सर्टिफिकेट मिलने का इंतजार है। मीडिया से बात करते हुए नताली डाउ ने कहा, आज मैंने पहली बार यह सवाल किया कि क्या मैं इसे सच में पूरा कर पाऊंगी। मुझे खेल में चुनौती स्वीकार करना पसंद है। निराशाएं पसंद नहीं है, जो अक्सर आती रहती हैं। नताली की इस दौड़ से वैश्विक चैरिटी जीआरएलएस के लिए 50,000 डॉलर से अधिक धनराशि एकत्रित हुई। यह चैरिटी खेलों के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं को सहायता प्रदान करती है।

भीषण गर्मी के कारण पिघल गए जूते

नताली ने आगे कहा, आप चाहे प्रथम आएं या अंतिम। इससे फर्क नहीं पड़ता है। आपने कुछ ऐसा किया जो सबसे अलग है। नताली डाउ की यात्रा आसान नहीं थी। 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में दौड़ने के कारण उनके जूते पिघल गए। पहले दिन ही उन्हें कूल्हे की चोट से जूझना पड़ा। हालांकि, उन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया और आगे बढ़ते रही। नताली ने दौड़ के दौरान अपने समर्थकों को रात में वॉयस मैसेज के अपडेट देती थी। उनकी इस सफलता में टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें उम्मीद है कि उनकी यह उपलब्धि महिलाओं और बुजुर्गों को प्रेरित करेगी। उन्होंने बताया कि इस दौड़ में उन्हें शारीरिक थकान बहुत ज्यादा महसूस हुई। रात में जागना उनके लिए बहुत डरावना पल था। थकान और पैर में छाले होने के बावजूद उन्होंने अपना दौड़ जारी रखा और इस मुकाम पर पहुंचीं।

टी20 क्रिकेट में हालातों पर नियंत्रण करना आना चाहिये : ब्रेट ली

सिडनी, 16 जून (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। इसके लिए

ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकते हैं। साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के

प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए।

साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

भारत या ऑस्ट्रेलिया नहीं, इन परिस्थितियों में ये अंडरडॉग टीम बन सकती है वर्ल्ड कप चैंपियन, दिग्गज क्रिकेटर का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले दौर के मुकाबले खत्म होने वाले हैं और सुपर–8 राउंड का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में 2 जून से टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई। अब तक कई रोमांचक मैच देखने को मिले और कई धुरंधर टीमें पहले ही राउंड में बाहर हो गईं। इसको देखते हुए यह पता लगा पाना मुश्किल हो रहा है कि मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप का चैंपियन कौन बनेगा भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने फैंस को हैरान करते हुए एक अंडरडॉग टीम पर खिताब जीतने का दांव लगा दिया है। कैफ ने भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों को नजरअंदाज करके क्रिकेट जगत को झटका दे डाला। कैफ ने इस टीम पर लगाया दांव कैफ ने कहा कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की परिस्थितियों को देखते हुए अफगानिस्तान आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतने का सबसे तगड़ा दावेदार है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि राशिद खान एंड कंपनी की अगर बल्लेबाजी चल गई तो वो किसी भी टीम को मात दे सकते हैं। बता दें कि ग्रुप सी में अफगानिस्तान ने अपने शुरुआती तीनों मुकाबले

जीतकर सुपर–8 में जगह पक्की कर ली। कैफ का बयान मोहम्मद कैफ ने बातचीत में कहा, अफगानिस्तान शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी फॉर्म में हैं, जिसमें फजलहक फारूकी तो एक बार पांच विकेट चटका चुके हैं। राशिद खान फॉर्म में हैं। अगर हम दो ओपनर्स की बात करें तो रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान। दोनों शानदार फॉर्म में हैं। इन परिस्थितियों में अफगानिस्तान खिताब का प्रबल दावेदार हैं। अफगानिस्तान को मिला फायदा भारतीय टीम के पूर्व बैटर ने ध्यान दिलाया कि अफगानिस्तान ने अपने सभी ग्रुप मैच वेस्टइंडीज में खेले, जिसका उन्हें फायदा मिला। कैफ ने कहा, अफगानिस्तान ने अपने सभी मैच वेस्टइंडीज में खेले। वह अमेरिका गए ही नहीं। दो या तीन सप्ताह बाद उन्हें पता है कि पिच कैसा बर्ताव कर रही है। उनके खिलाड़ी फॉर्म में हैं और जानते हैं कि परिस्थितियां किस तरह की हैं।

गिल और आवेश को रिलीज करने पर राठौर ने कहा,टीम के चयन पर ही यह फैसला हो गया था

लौडरहिल (अमेरिका), 16 जून (एजेंसियां)।

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पुष्टि की है कि यात्रा रिजर्व खिलाड़ी शुभमन गिल और आवेश खान को टी 20 विश्व के ग्रुप चरण की समाप्ति के बाद रिलीज करने का फैसला उसी समय हो गया था जब टीम का चयन हुआ था।

यह खबर थी कि गिल और आवेश कनाडा के खिलाफ आखिरी ग्रुप चरण मैच के बाद स्वदेश लौटेंगे जबकि रिंकू सिंह और खलील अहमद शेष टूर्नामेंट के लिए टीम के साथ रहेंगे।

गिल और आवेश चार सदस्यीय यात्रा रिजर्व में रिंकू और खलील के साथ थे, वे आखिरी ग्रुप ए मैच के लिए भारतीय टीम के साथ फ्लोरिडा गए थे।

भारत का कनाडा के साथ मैच बारिश के कारण मैदान गीला होने से बिना कोई गेंद फेंके रद्द हो जाने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में राठौर ने कहा, शुरुआत से ही यही योजना थी। जब हम अमेरिका आये थे तो चार खिलाड़ी भी टीम के साथ आये थे, मैच के बाद दो खिलाड़ी रिलीज कर दिए गए जबकि दो हमारे साथ वेस्ट इंडीज जाएंगे। टीम चुने जाने के

समय से ही यह योजना बना ली गयी थी और हम उसी का पालन कर रहे हैं।

कनाडा के खिलाफ बारिश से मैच रद्द हो जाने से मौजूदा टी20 विश्व कप में भारत का तीन मैचों से अजेय क्रम रुकने के बावजूद भारत सात अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। मैन इन ब्लू अब अपने सुपर आठ मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज जाएंगे। फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में गीली आउटफील्ड के कारण मैच को रद्द करना पड़ा, जिससे उन्हें न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच के बाहर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिल सकता था।

गीले आउटफील्ड के कारण वॉशआउट के बाद राठौड़ बारबाडोस में अभ्यास के दिनों का इंतजार कर रहे हैं, जहां मैन इन ब्लू अपने सुपर आठ मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेंगे।

फिर से, यह आदर्श नहीं है। यह बहुत अच्छा होता यदि हमें आज एक मैच मिल जाता। लेकिन अब स्थिति यही है। इसलिए, हम बारबाडोस में कुछ अच्छे अभ्यास दिनों की प्रतीक्षा कर रहे हैं और फिर मैच में उतरेंगे। इसलिए फिर, अब मैच एक दिन बाद एक साथ होंगे।

राठौड़ ने कहा, तो, एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि हम तैयार हैं। हम इस तरह के शेड्यूल के आदी हैं, हमने पहले भी ऐसा किया है और मुझे यकीन है कि इस बार भी हम बहुत अच्छा करेंगे। बेशक, मुझे लगता है कि यह प्रशंसकों के लिए निराशाजनक है, हां, लेकिन एक टीम के लिए भी हम वास्तव में एक मैच खेलने के लिए उत्सुक थे और हमें न्यूयॉर्क में जो मिला उससे बेहतर परिस्थितियों, बल्लेबाजी की स्थिति की उम्मीद थी। इसलिए एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण था हमें एक मैच मिलना चाहिए था लेकिन फिर से कुछ ऐसा है जिसे हम नियंत्रित नहीं कर सकते, इसलिए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम यहां एक मैच नहीं जीत सके। टूर्नामेंट में विराट कोहली के निराशाजनक फॉर्म के बारे में पूछे जाने पर, राठौड़ ने स्टार बल्लेबाज का समर्थन किया और कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है कि वह रनों के लिए भूखे हैं। मुझे अच्छा लगता है मैं जब भी आता हूं तो विराट कोहली के बारे में सवाल होता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता नहीं, कोई चिंता नहीं। वह जिस टूर्नामेंट से आए हैं, वहां से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। यहां जल्दी आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वास्तव में, यह अच्छा है कि वह थोड़ा भूखा है, वह अच्छा करने के लिए उत्सुक है और वास्तव में बदल गया है। मुझे लगता है कि एक बल्लेबाज के रूप में यह एक अच्छी जगह है। कुछ अच्छे मैचों की प्रतीक्षा कर रहा हूं और उनसे कुछ अच्छी पारियों की उम्मीद कर रहा हूं। सुपर आठ चरण के लिए टीम की तैयारियों के बारे में बात करते हुए राठौड़ ने कहा कि उनके पास किसी भी स्थिति से निपटने के लिए खिलाड़ी हैं। फिर से, हमें एक लचीली टीम बनने की जरूरत है। हमें उन परिस्थितियों को देखने की जरूरत है जो हमारे सामने हैं और उनसे निपटने के लिए तैयार रहना होगा। इसलिए एक टीम के रूप में, मुझे लगता है कि हम वास्तव में लचीले होने जा रहे हैं। राठौड़ ने कहा, हमें उस दिन जैसी प्रतिक्रिया मिलेगी, हम उसी तरह प्रतिक्रिया देंगे। हमारी टीम में किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। बल्लेबाजी कोच ने कहा कि वे मैदान पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक विभाग में सर्वोत्तम संसाधनों से लैस हैं। यह अच्छा है। आपको सभी प्रकार के विकेटों पर खेलने में सक्षम होना चाहिए। हमारे पास सभी प्रकार की परिस्थितियों में खेलने और अच्छा प्रदर्शन करने का कौशल है। इसलिए, हमें कठिन विकेट मिले हैं। उम्मीद है कि हमें टूर्नामेंट में अच्छे विकेट मिलेंगे और अगर हमें टर्निंग विकेट मिलते हैं या हमें कम स्कोर वाले मैच मिलते हैं, तो हमारी टीम उससे निपटने के लिए तैयार हैं। राठौड़ ने निष्कर्ष निकाला, मुझे लगता है कि इस समय टीम में हमारा संतुलन बहुत अच्छा है।

भारत का कपड़ा निर्यात 9.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली,16 जून (एजेंसियां)।

भारत का कपड़ा निर्यात इस साल मई में पिछले साल की तुलना में 9.59 फीसदी बढ़ा है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू), अमेरिका और पश्चिम एशियाई जैसे देशों के प्रमुख बाजारों में प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों के बावजूद, भारत ने कपड़ा उद्योग में वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, इसी अवधि के दौरान देश के परिधान निर्यात में 9.84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सीआईटीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि मई 2024 में कपड़ा और परिधान के संयुक्त निर्यात में पिछले साल की तुलना में 9.70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 के लिए भारत का कुल निर्यात बढ़कर 68.29 अरब डॉलर हो गया, जो सालाना 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। सीआईटीआई के विश्लेषण से पता चलता कि अप्रैल-मई 2024 के दौरान भारतीय कपड़ा निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान परिधान निर्यात में 4.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल-मई 2024 के दौरान कपड़ा और परिधान के संचयी निर्यात में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। हाल ही में जारी निर्यात आंकड़ों से इलेक्ट्रॉनिक सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पादों जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत प्रदर्शन का पता चला है।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 22.97 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई, जो विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि के कारण भारत के निर्यात वस्तुओं में आए परिवर्तन को दर्शाता है।

इसी तरह पेट्रोलियम उत्पादों (साल-दर-साल 15.75 प्रतिशत) और इंजीनियरिंग सामान (7.39 प्रतिशत) के निर्यात में भी उच्च वृद्धि दर दर्ज की गई।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि मई 2024 में मजबूत ऑर्डर बुकिंग के कारण सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। भारत के लिए टॉप टेन निर्यात बाजारों में अमेरिका, यूएई, नीदरलैंड, यूके, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं। इन बाजारों में निर्यात में दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है।

भारत का कुल वस्तु निर्यात 9.1 प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया है। जबकि, सेवा निर्यात 11.7 प्रतिशत बढ़कर 30.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा ने मई में की थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री, लोग डीजल वेरिएंट को कर रहे है ज्यादा पसंद

नई दिल्ली। बीते मई महीने में महिंद्रा ने थार की 5,750 यूनिट्स की बिक्री की है। इनमें से 5,207 डीजल वेरिएंट थे, जबकि केवल 543 पेट्रोल वेरिएंट थे। ये पिछले साल मई की तुलना में महत्वपूर्ण ग्रोथ को दर्शाता है। पिछले साल मई के महीने में 3,190 डीजल और 1,106 पेट्रोल यूनिट्स की बिक्री की गई थी। यानी यहां देखा जा सकता है कि लोग डीजल वेरिएंट को खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं और इनकी बिक्री के आंकड़ें भी ज्यादा हैं। जबकि पेट्रोल वेरिएंट की बिक्री के आंकड़ों में गिरावट आई है। वहीं, अप्रैल के आंकड़ों की बात करें तो महिंद्रा ने 524 डीजल और 481 पेट्रोल थार यूनिट्स की बिक्री की थी। यानी पिछले महीने भी थार के डीजल वेरिएंट्स की बिक्री ज्यादा हुई थी और यही ट्रेंड इस महीने भी जारी है। हालांकि, सेल के आंकड़े मई के महीने में अप्रैल की तुलना में काफी ज्यादा हैं।इस बीच आपको ये भी बता दें कि महिंद्रा ने थार एसयूवी की प्रोडक्शन को थोड़ा कम कर दिया है। ये एडजस्टमेंट इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कंपनी थारह के नए 5-डोर वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी इस मॉडल के लॉन्च की तैयारी मारुति की जिम्नी से मुकाबले के लिए कर रही है। ये भी एक ऑफ-रोड स्टाइल एसयूवी है। नए 5-डोर थार की लॉन्चिंग 15 अगस्त को की जा सकती है। सोशल मीडिया नए मॉडल की कुछ तस्वीरें भी लीक हुई हैं। ये नया मॉडल जिम्नी को कड़ी टक्कर देगा। मार्केट पोजिशन की बात करें तो ऑफ-रोड एसयूवी सेगमेंट एक बेहतर पोजिशन पर है। प्रतिस्पर्धी कंपनियों को थार के मार्केट परफॉर्मेंस से मेल खाने के लिए अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने की जरूरत है।

चीनी हो जाएगी महंगी, बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने का आग्रह किया ताकि बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को परिचालन जारी रखने में मदद मिल सके। एक रिपोर्ट से पता चला है कि सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2024-25 के आगामी सीजन के लिए चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने पर विचार कर रही है। अगर सरकार चीनी की एमएसपी में बढ़ोतरी करती है तो इसका असर खुदरा बाजार में देखने को मिलेगा। चीनी की प्रति किलो कीमत बढ़ सकती है। जानकारों का कहना है कि चीनी की कीमत प्रति किलो 3 से 4 रुपए बढ़ सकती है। न्यूनतम बिक्री मूल्य वर्ष 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रखा गया है, जबकि सरकार ने हर साल गन्ना उत्पादकों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि की है। एनएफसीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि महासंघ ने खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों को आंकड़े सौंपे हैं, जिसमें चीनी उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि दिखाई दे रही है, जिससे न्यूनतम विक्रय मूल्य को गन्ने के एफआरपी के साथ तालमेल बिठाना आवश्यक हो गया है। यदि चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया जाता है, तो चीनी उद्योग को लाभ हो सकता है।

टाटा मोटर्स का वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान, 10 में से 4 कार ग्राहक ग्रामीण इलाकों से

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में लोगों को ये देसी कार क्यों पसंद आ रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त बिक्री की है। ग्रामीण इलाकों की बिक्री ने कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान दिया है। यानी 100 में से हर 40 कारें ग्रामीण इलाकों में बिकी हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच टाटा मोटर्स की कारों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। कंपनी की कारें पहली बार खरीदने वाले लोगों की संख्या 70 फीसदी के आस-पास है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और परचेजिंग पावर बढ़ने से ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जम्मू कश्मीर में ...

उस बात का जिक्र करते हुए भी अमित शाह ने अधिकारियों को कहा है कि पूर्ण सुरक्षा कवर दिया जाए, यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को और ज्यादा मुस्तैद किया जाए, जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती भी हो।हाल की जितनी भी आतंकी घटनाएं हुई है, उनमें एक बड़ा पैटर्न यह देखने को मिला है कि दहशतगर्द चोरी छिपे जम्मू कश्मीर में जंगलों के रास्ते से एंट्री कर रहे हैं। इन घटनाओं का जिक्र करते हुए अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन सभी रास्तों को बंद किया जाए जहां से विदेशी आतंकवादी घुसने में कामयाब हो जाते हैं। पाकिस्तान की तरफ से आने वाले आतंकियों के भारत में घुसने के छेद बंद किए जाएं और इसे रोकने के लिए जिस बल की जरूरत हो उसका इस्तेमाल करें।बैठक के दौरान अगर कई सारी चिंताजनक बातों का जिक्र रहा, तो इसके अलावा अमित शाह ने कुछ मामलों पर संतुष्टि भी जाहिर की। बैठक में एक आंकड़ा केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष रखा गया जिसमें कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में जो स्थानीय आतंकी हैं, उनकी भर्ती में भारी कमी आई है। इस बात पर अमित शाह ने संतोष जताया। उन्होंने साफ संदेश दिया कि सरकार आतंकियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करने को तैयार है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर की तरह ही जम्मू संभाग में क्षेत्र प्रभुत्व और शून्य-आतंकवाद योजनाओं को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार नवीन तरीकों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों पर नकेल कस कर एक उदाहरण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।हाल के आतंकवादी हमलों के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को यह निर्देश दिया। उन्होंने 29 जून से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जहां सुरक्षा बलों द्वारा आने वाले दिनों में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने की उम्मीद है।इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, नामित सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, सीआरपीएफ महानिदेशक अनीश दयाल सिंह, बीएसएफ महानिदेशक नितिन अग्रवाल, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन समेत कई अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

मरने वालों का...

आतंकी भी शामिल हैं। दरअसल अब आतंकियों ने अपना ध्यान कश्मीर से हटा जम्मू पर केंद्रित कर दिया है। बीते दिनों में जम्मू क्षेत्र में कई आतंकी हमले हुए हैं इसमें कई लोगों की मौत हो गई। यही कारण है कि जम्मू क्षेत्र में जनवरी 2023 के बाद से कश्मीर में आतंकी घटनाओं में नागरिकों और शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। आंकड़े कहते हैं कि जम्मू क्षेत्र में जनवरी 2023 से आतंक की 29 घटनाओं में 42 नागरिक और सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है। जो जनवरी 2023 से कश्मीर में होने वाली ऐसी मौतों की संख्या से लगभग दोगुनी है। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल से पता चलता है कि 13 जून 2024 तक कश्मीर के अनंतनाग, श्रीनगर, बारामुल्ला, कुलगाम, पुलवामा और शोपियां जिलों में 24 नागरिक और सुरक्षाकर्मी आतंकी हमलों का शिकार हुए हैं।

आंकड़ों पर एक नजर डालें तो 1 जनवरी 2023 और 13 जून, 2024 के बीच कश्मीर में 24 की तुलना में जम्मू कश्मीर में कम-से-कम 42 नागरिक और सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है। इसी अवधि के दौरान, राजौरी में 17 नागरिकों की जानें गईं। जबकि पुंछ, राजौरी, कठुआ, रियासी और उधमपुर जिलों में मुठभेड़ों और घात लगा किए हमलों में 25 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। आतंक संबंधी घटनाओं में कम-से-कम 53 नागरिक और सेना, केरिपुब और जम्मू कश्मीर पुलिस के 29 के जवान घायल हो गए थे।2012 से जम्मू कश्मीर के रियासी में किसी भी आतंकी घटना में कोई नागरिक या सुरक्षाकर्मी शहीद नहीं हुआ था, लेकिन 9 जून को स्थिति बदल गई। 9 जून को आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया था, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 41 अन्य लोग घायल हो गए। इससे संकेत मिलता है कि जम्मू पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों का नया केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, पीर पंजाल रेंज के जंगलों में महीनों तक चले आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगभग एक दर्जन सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। अप्रैल 2023 में जब पुंछ में आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया तो पांच सैनिक शहीद हो गए। इस साल 9 जून को तीर्थयात्रियों की बस पर हमले के बाद से आतंकी हमले जारी हैं। यह अब अन्य जिलों में भी तेज हो गए हैं। पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में स्थित जिलों में 29 आतंकी हमले और एंटी टेरर सर्च आपरेशन हुए, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक व सुरक्षाबलों के जवान शहीद या घायल हो गए।

आतंकियों के इन इरादों को समझना कई भारतीय के मन में कई सवाल हैं कि जम्मू क्षेत्र को आतंकी निशाना क्यों बना रहे हैं? दरअसल आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र और फंडिंग पर कार्रवाई के कारण कश्मीर में काम करना उनके लिए मुश्किल हो गया है। इसके अलावा पीर पंजाल के जंगल घुसपैठियों के लिए प्राकृतिक छिपने की जगह के रूप में काम करते हैं।

जानकारी के लिए जम्मू कश्मीर के हिंदू बहुल जम्मू संभाग में आतंकियों का ध्यान शिफ्ट होने की रणनीति तब स्पष्ट हुई, जब आतंकियों ने 2023 के पहले दिन राजौरी के डूंगरी गांव में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बाद में आतंकियों द्वारा लगाए गए बम में ब्लास्ट के कारण दो बच्चों की मौत हो गई थी।

सिंधु जल...

के विशेषज्ञ सिंधु और सहायक नदियों पर तय शर्तों का अध्ययन करते हैं। संधि पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, चिनाब और झेलम को जल उपयोग के लिए पाकिस्तान को आवंटित किया गया था। तीन पूर्वी नदियों रावी, व्यास एवं सतलुज को जल उपयोग के लिए भारत को आवंटित किया गया था। सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव संजीव वर्मा की ओर से जारी आदेश में जम्मू-कश्मीर के लिए 25-25 संपर्क अधिकारियों को नामित किया गया है। इनमें विभिन्न विभागों के अवर सचिव शामिल हैं।

भारत सरकार द्वारा जम्मू के लिए चुने गए समीक्षा अधिकारियों में सुनील शर्मा, समरिंदर सिंह, रमण शर्मा, पारुल खजूरिया, नेहा बख्शी, पूजा रसगोत्रा, सुरभि रैना, वकार तालिब, पुलकित दत्ता, मोहम्मद नसीम, अंजलि गंडोत्रा, अनु शर्मा, मनोज कुमार, तमन्ना सेठ, साहिल महाजन, नर्मिता भान, शीतल चौधरी, तनवी गुप्ता, पीयूनिका मानवाहा, अक्सर कोतवाल, सोनिका सूदन, ब्राह्मण राज, राजेंद्र सिंह, संजीव कुमार गुप्ता और धर्म पाल शामिल हैं।कश्मीर के लिए नामित अधिकारियों में नवीद हुसैन बादरो, मोहम्मद अजहर लोन, डॉ. फारुख नसीर पाल, परवेज अहमद भट्ट, ताहिर मोहिउद्दीन वानी, वाहिद अहमद, अब्दुल रकीब भट्ट, फातिमा, रौफ अहमद लोन, समीर अहमद डार, अफलाक अहमद, इम्तियाज अहमद लोन, रुबिया अफरोज इंकलाबी, मुश्ताक अहमद खान, इरशाद असादुल्लाह जान, फारूक अहमद वानी, गुलाम मोहिउददीन, आरिफा अशरफ, मोहम्मद शफी लोन, शब्बीर अहमद बाबा, मोहम्मद आमिन शाह, मंजूर अहमद जान, अरशद हुसैन भट्ट और नासिर बिलाल शाह शामिल हैं।

एनडीए को ...

एनडीए का घटक दल होने के नाते जदयू भाजपा के उम्मीदवार को ही अपना समर्थन देगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव पर जदयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद सदन का सबसे गरिमापूर्ण पद होता है। उस पद पर पहला अधिकार सत्तारूढ़ दल का है। त्यागी ने कहा, इंडी गठबंधन की मांगें और बयान आपत्तिजनक हैं।

केसी त्यागी ने कहा, हम मानते हैं कि भाजपा एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी है। उस पद पर भाजपा या एनडीए का पहला अधिकार है। मैं पिछले 35 सालों से एनडीए में हूं। भाजपा ने कभी जनता दल को तोड़ने की कोशिश नहीं की। टीडीपी और जदयू ने अहम भूमिका निभाई है। हम एनडीए को कमजोर करने की कोशिश कभी नहीं करेंगे।उल्लेखनीय है कि लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होना है। मगर सदन के सदस्य उम्मीदवारों के समर्थन में प्रस्ताव के लिए एक दिन पहले दोपहर 12 बजे तक नोटिस दे सकते हैं। इसको लेकर लोकसभा की तरफ से एक बुलेटिन भी जारी किया गया है। 18वीं लोकसभा की पहली बैठक 24 जून को होगी और सत्र तीन जुलाई को खत्म होगा। जहां तक लोकसभा के उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) पद के लिए इंडी गठबंधन के लोभान्वित होने का मसला है, तो यह जानना जरूरी है कि पिछले पांच वर्ष से यह पद रिक्त चल रहा है। न विपक्ष के पास इतने नंबर थे और न ही सदन में उसकी स्थिति मजबूत थी, ऐसे में वह किसी भी तरह से मोदी सरकार को चुनौती नहीं दे पा रहे थे। 10 साल से लोकसभा अध्यक्ष का पद भी भाजपा के पास ही था, लेकिन वर्तमान लोकसभा में स्थिति बदली हुई है। एक तरफ एनडीए सरकार सत्ता में वापस आ चुकी है, लेकिन दूसरी तरफ इंडी गठबंधन की स्थिति भी मजबूत है। विपक्ष की तरफ से पूरी मजबूती के साथ मांगें रखी जा रही हैं।

लोकसभा अध्यक्ष...

दूसरी तरफ इंडी गठबंधन ने एनडीए से डिप्टी स्पीकर का पद मांग लिया है।

बदली हुई स्थिति में तमाम समीकरण साधने के लिए राजनाथ सिंह के घर पर बैठक की गई। बैठक में जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, चिराग पासवान समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के दौरान चर्चा हुई कि आखिर किस तरह से अपने उम्मीदवार के लिए ज्यादा से ज्यादा समर्थन जुटाया जाए। भाजपा के लिए राहत की बात यह है कि जेडीयू और टीडीपी ने अपना समर्थन पार्टी को दे दिया है।

एनडीए के घटक...

को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा अध्यक्ष का पद मांगा है और अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि टीडीपी के उम्मीदवार को इंडी गठबंधन का समर्थन मिले।

संजय राउत ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा अध्यक्ष का पद मांगा है। अगर एनडीए के उम्मीदवार को यह पद नहीं मिला तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह टीडीपी, जेडीयू और लोजपा (रामविलास) को तोड़ सकते हैं। अगर चंद्रबाबू नायडू को यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि उनके उम्मीदवार को इंडी गठबंधन का समर्थन मिले।

इस बार के आम चुनाव में भाजपा को 240 सीटों पर जीत मिली और पार्टी बहुमत के आंकड़े 272 से 32 कम है। ऐसी स्थिति में टीडीपी (16) और जदयू (12) सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरा है। टीडीपी ने लोकसभा उम्मीदवार पद पर दावा भी पेश किया था। आम आदमी पार्टी और विपक्षी गठबंधन ने भी मांग की कि लोकसभा अध्यक्ष का पद जदयू या टीडीपी को मिलना चाहिए।

एक जुलाई से ...

इन तीन नए कानूनों के लिए सभी राज्यों में प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।उन्होंने बताया कि पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) इसके लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारी न्यायिक अकादमियां, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय भी इसके लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं। सब कुछ साथ-साथ चल रहा है और एक जुलाई से ये तीनों कानून देश में लागू हो जाएंगे। ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं।खासतौर पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत अपराध की प्रकृति के आधार पर पुलिस हिरासत को पंद्रह दिन से बढ़ाकर 90 दिन कर दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता में 358 धाराएं (आईपीसी में 511 धाराओं की जगह) होंगी। इस अधिनियम में कुल 20 नए अपराध जोड़े गए हैं और उनमें से 33 की सजा बढ़ा दी गई है। 83 अपराधों में जुर्माने की राशि बढ़ाई गई है और 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा तय की गई है। 19 धाराओं को निरस्त कर दिया गया है या हटा दिया गया है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं (सीआरपीसी की 484 धाराओं की जगह) होंगी। अधिनियम में कुल 177 प्रावधानों में बदलाव किया गया है और इसमें नौ नई धाराएं और 39 नई उप धाराएं जोड़ी गई हैं।

भागवत-योगी...

बाद में गोरखपुर के पक्कीबाग इलाके में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में संघ प्रमुख मोहन भागवत से सीएम योगी की बंद कमरे में करीब 30 मिनट तक एकांत बातचीत हुई।

संघ प्रमुख बीते बुधवार से ही गोरखपुर में थे। जिसके बाद हर रोज ही सीएम योगी से मुलाकात की अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन शनिवार को जाकर दोनों की मुलाकात बंद कमरे में हुई। बुधवार को गोरखपुर पहुंचने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक करके चुनावी रिपोर्ट ली।

भारत में...

अपने भाषण के दौरान अरुंधति रॉय ने दावा किया कि भारत सरकार सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से भारत के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर रही है। जिसमें अल्पसंख्यकों और कुछ जातीय समूहों को उच्च जाति के हिंदुओं द्वारा उत्पीड़ित किया जा रहा है। अंग्रेजों ने 1899 में भारत का नक्शा बनाया। जैसे ही भारत आजाद हुआ, वह खुद औपनिवेशिक ताकत (अंग्रेजों की तरह) बन गया। भारत सरकार ने मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, कश्मीर, तेलंगाना, नक्सलबाड़ी असंतोष, पंजाब, हैदराबाद, गोवा, जूनागढ़ में हस्तक्षेप किया। भारत सरकार और भारत का अमीर वर्ग नक्सलियों पर राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप लगाते हैं, लेकिन खुद भारत सरकार ने अपने ही लोगों के खिलाफ 1947 से लगातार युद्ध छेड़ा हुआ है।

चाहे वो नगा हों, मिजो हों, मणिपुरी हों, असम के लोग हों, हैदराबाद, कश्मीर या पंजाब हो। हमेशा अल्पसंख्यकों, जिसमें मुस्लिम, आदिवासी, ईसाई और दलित, वनवासी हैं, उनके खिलाफ उच्च जाति के हिंदू राज्य ने युद्ध छेड़ा हुआ है। यही हमारे देश का आधुनिक इतिहास है।

भारत के आंतरिक लोगों को भड़काने के बाद विवादास्पद लेखिका ने खुलेआम जम्मू-कश्मीर को भारत संघ से अलग करने की वकालत की। उसने आजादी के पाकिस्तानी नैरेटिव को आगे बढ़ाया और बताया कि कैसे भारत ने कश्मीर और कश्मीरियों पर कब्जा किया है।

एक पत्रकार के साथ 2007 की बातचीत को याद करते हुए, अरुंधति रॉय ने कहा, भारत को कश्मीर से आजाद होने की उतनी ही जरूरत है, जितनी कश्मीर को भारत से आजादी की जरूरत है। और जब मैंने भारत कहा, तो मेरा मतलब भारतीय राज्य से नहीं था, मेरा मतलब भारतीय लोगों से था क्योंकि मुझे लगता है कि कश्मीर पर कब्जा आज 12 मिलियन लोगों की उस घाटी में है, जहां 700,000 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा सैन्यीकृत क्षेत्र है और हमारे लिए, भारत के लोगों के लिए, उस कब्जे को बर्दाश्त करना हमारे रक्तप्रवाह में एक तरह के नैतिक क्षरण को अनुमति देने जैसा है।

यह जानते हुए भी कि उसके राजधानी दिल्ली में दिए भड़काऊ भाषण से कश्मीर घाटी में लॉ एंड ऑर्डर की समस्या पैदा हो सकती है, अरुंधति ने आगे कहा, कश्मीरी एके-47 की नाल से निकलते धुएं में सांस भी नहीं ले सकते। बहुत कुछ यहां किया गया है। हर बार एक चुनाव होता है। लोग वोट देते हैं और भारत सरकार वहां जाकर बोलती है, तुम्हें रेफरेंडम क्यों चाहिए? यहां लोग भारत के लिए वोटिंग करते हैं।

अरुंधति रॉय ने एक बेहद गलत व्याख्या करते हुए दावा किया कि कश्मीर में आजादी की लड़ाई भारत देश की औपनिवेशिक ताकत ब्रिटेन के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई की तरह ही है। अरुंधति रॉय ने कहा, अब, कभी-कभी यह जानना बहुत मुश्किल होता है कि औपचारिक रूप से भारत के नागरिक के रूप में कोई व्यक्ति किस स्थान पर खड़ा है, कोई क्या कह सकता है, उसे क्या कहने की अनुमति है, क्योंकि जब भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद से आज़ादी के लिए लड़ रहा था, कश्मीर में आजादी की समस्याओं को लेकर लोग जो भी तर्क देते हैं, वे निश्चित रूप से भारतीयों के खिलाफ इस्तेमाल किए गए थे। मोटे तौर पर कहें तो, मूल निवासी आज़ादी के लिए तैयार नहीं हैं, मूल निवासी लोकतंत्र के लिए तैयार नहीं हैं।

औपनिवेशिक राज्य चाहे वो भारत में ब्रिटिश राज्य रहा हो या कश्मीर, नगालैंड या फिर छत्तीसगढ़ में भारतीय राज्य, उसके एलीट लोग इस कब्जे को मैनेज करते हैं। तो तुम्हें अपने दुश्मनों और उन्हें कैसे जवाब देना है, इस बारे में पता होना चाहिए। तुम होशियार हो, चाहे वो इंटरनेशनल लेवल पर राजनीति की बात हो या स्थानीय स्तर पर किसी भी स्तर पर, तुम्हें अपने साथी बनाने होंगे।

वर्ना तुम लोग टैंक में फंसी मछलियों जैसे होगे, जो टैंक की दीवारों पर बमबारी करके थक जाओगे, क्योंकि दीवारें बहुत मजबूत हैं। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2010 में विवादास्पद लेखिका द्वारा भाषण दिए जाने के तुरंत बाद, सुशील पंडित (उस समय अरुण जेटली के सहयोगी) की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस मामले के संबंध में 29 नवंबर 2010 को प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी। अरुंधति रॉय पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 124 ए (राजद्रोह), 153 ए (वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 153 बी (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक दावे), 504 (शांति भंग करने के लिए उकसाना) और 505 (विद्रोह पैदा करने के इरादे से अफवाह फैलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। लगभग 14 साल मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद शुक्रवार 14 जून 2024 को दिल्ली के उपराज्यपाल ने अरुंधति रॉय के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 13 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

ईवीएम पर ...

लागू करने की मांग की, ताकि बूथ लूटने और छापने की सुविधा फिर से बहाल हो सके। चुनाव आयोग ने फिर से इन सवालों को अप्रासंगिक बताते हुए इसे खारिज कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लोकसभा चुनाव में ईवीएम के जरिए मतदान किया। चुनाव परिणाम आने के करीब 10 दिन बाद फिर से ईवीएम पर सवाल खड़े हो रहे हैं, वह इसलिए क्योंकि एलन मस्क ने अमेरिका में ईवीएम पर सवाल उठाए।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है।

कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को अपने बयान के साथ खास तौर पर टैग किया, जिसमें एलन मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इसे इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी है। एलन मस्क के इस द्विअर्थी संवाद को राहुल गांधी बिना सोचे-समझे पतंग बना कर उड़ाने लगे।

राहुल की नकल पर अखिलेश यादव ने भी ईवीएम पर शक जताया और उन्होंने भी राहुल भइया की तर्ज पर एलन मस्क के दावे का हवाला दिया। अखिलेश यादव ने मतपत्रों से चुनाव कराने की बात कही।

सुनियोजित तरीके से...

असल में शिंदे गुट के उम्मीदवार रवींद्र वायकर के रिश्तेदार पर ऐसा आरोप लगा कि उसने चुनाव के वक्त ईवीएम को अपने फोन के जरिए अनलॉक कर लिया। यहां तक कहा गया कि गोरेगांव चुनाव सेंटर के अंदर पाबंदी होने के बावजूद मोबाइल का इस्तेमाल हुआ। इन्हीं आरोपों की वजह से रवींद्र के रिश्तेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई।

अब उस विवाद को लेकर विपक्ष ईवीएम की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठा रहा है। इसके ऊपर क्योंकि एक्स के हेड एलन मस्क ने भी ईवीएम को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है, इस वजह से भी भारत में इसे लेकर राजनीति तेज हो गई है।

भाग्य, मस्तिष्क और स्वास्थ्य रेखा से मिलकर बनती है धन की कोठरी

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, मनुष्य की हथेली पर कई तरह की रेखाएं और आकृतियां बनी होती हैं। इन्हीं रेखाओं का अध्ययन करके किसी भी व्यक्ति के भाग्य, सेहत, विवाह, बच्चे और सुख-सुविधा के बारे में पता लगाया जा सकता है। व्यक्ति के हाथ पर बनी हर रेखा उसके भविष्य, वर्तमान तथा भूत से संबंधित रहस्यों को अपने में समाहित किए हुए है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसके अलावा व्यक्ति के हाथ में कुछ ऐसे चिह्न और रेखाएं होती हैं जो राजयोग के संकेत देती हैं। ऐसे व्यक्ति का जीवन ऐश्वर्य से भर हुआ होता है और जीवन भर सुख-समृद्धि मिलती है। इसके अलावा हाथ में कुछ ऐसी भी रेखाएं होती हैं जो व्यक्ति के करियर और वैवाहिक जीवन के बारे में दर्शाती हैं। आज हम आपके लिए हथेली की कुछ ऐसी ही रेखा के बारे में बताने जा रहे हैं, जो प्रेम विवाह और विदेश यात्रा के संकेत देती हैं।

धन की कोठरी। यह सवाल हस्तरेखा में विश्वास रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का होता है। सामान्य स्थितियों में भी हाथ में इस कोठरी को लेकर बहुत चर्चाएं होती हैं। हाथ में यह कोठरी भाग्य रेखा, मस्तिष्क रेखा और स्वास्थ्य रेखा से मिलकर बनती है। इन तीनों रेखाओं से मिलकर बनने वाले इस त्रिकोण को धन की कोठरी कहा जाता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जीवन में अत्यधिक धन एकत्र कर लेते हैं। प्राचीन ग्रंथों में इस त्रिभुज को धनी माना गया है। यह त्रिभुज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शनि रेखा, बुध रेखा और मस्तिष्क रेखा से मिलकर बना है। शनि धन और रहस्य का कारक है। बुध व्यापार, गुप्त विद्याओं का कारक है। बुद्धि यानी मस्तिष्क रेखा बुद्धि का कारक है। ऐसे में यदि बुध और शनि पर्वत अच्छी स्थिति में हैं, बुद्धिमान हो और वह इन सभी गुणों को व्यापार में लगाता है तो वह धनी होता है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष भी है। ऐसे व्यक्ति अति इंद्रिय होता है। बुध पर्वत अच्छा होने पर ऐसा व्यक्ति रहस्यमयी विद्याओं का धनी होता है। ऐसे व्यक्ति के पास वैज्ञानिकता का गुण आ जाता है।

ऐसे में जिन हाथों में तीनों रेखाओं से मिलकर त्रिभुज है तो यह शुभ है, लेकिन यदि इनमें से कोई एक रेखा टूटी ना हो अथवा त्रिभुज टूटा हुआ नहीं होना चाहिए। यह त्रिभुज यानी धन की कोठरी बंद होनी चाहिए। इस त्रिभुज से व्यक्ति धनवान तो होता है, साथ ही वह रहस्यमयी विद्याओं का धनी भी होता है। लेकिन यदि त्रिभुज के अंदर क्रॉस का निशान बन गया जो तो व्यक्ति का सारा धन नष्ट हो जाता है। हालांकि विद्याएं नष्ट नहीं होती। त्रिभुज में कोई दोष नहीं होने की स्थिति में शुभ परिणाम मिलता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हस्तरेखा शास्त्र में चंद्र पर्वत को बेहद ही खास माना जाता है। यदि किसी जातक के हाथ में चंद्र पर्वत से कोई यात्रा रेखा निकलकर पूरी हथेली को पार करते हुए गुरु पर्वत तक पहुंचती है, तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में लंबी यात्रा के योग होते हैं। कहा जता है कि ये लोग एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, किसी जातक के हाथ में चंद्र पर्वत से कोई रेखा निकलकर बुध पर्वत तक जाती है, तो ऐसे व्यक्ति को यात्रा से धन की प्राप्ति होती है, लेकिन जब किसी जातक की हथेली में चंद्र क्षेत्र पर बनी यात्रा रेखा पर कोई क्रॉस का निशान बन जाता है, तो ऐसे में विदेश यात्रा के बिगड़ल जाते हैं। साथ ही किसी न किसी कारण से विदेश यात्रा टालनी पड़ती है।

यदि किसी जातक के चंद्र पर्वत से कोई यात्रा रेखा निकलकर हृदय रेखा से मिल जाती है। तो ऐसे में व्यक्ति के जीवन में प्रेम संबंध बनते हैं और वह उनमें सफलता भी प्राप्त करता है, यानि ऐसे व्यक्ति का प्रेम विवाह में बदल जाता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार यदि किसी के हाथ में दो हृदय रेखाएं हैं और एक रेखा चंद्र पर्वत की ओर जा रही है, तो ये स्थिति भी सुखी वैवाहिक योग बनाती है। यदि किसी व्यक्ति के हाथ की सबसे छोटी उंगली के नीचे मौजूद बुध पर्वत से निकली हुई रेखा अनामिका उंगली के नीचे पहुंचती है, तो ऐसे लोगों को जीवन में एक बार विदेश घूमने का मौका जरुर मिलता है।

गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई धोपाप में डुबकी

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में आदिगंगा गोमती के तट पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल 'धोपाप' में गंगा दशहरा के पर्व पर रविवार को तड़के से ही लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर में विधि विधान से पूजन-अर्चना की। सुलतानपुर के सीताकुण्ड घाट पर भी श्रद्धालुओ ने डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने यहाँ अन्न दान, पिंड दान तथा गौ दान कर पुण्य भी अर्जित किया।

उल्लेखनीय है कि त्रेता युग में भगवान राम के आगमन से चर्चित हुए धोपाप में स्नान के जरिए पापो से मुक्ति व् पुण्यो का अर्जन केवल धोपाप में ही संभव है। जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूरी पर लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर तहसील लम्भुआ मुख्यालय से आठ किमी दूर धोपाप तीर्थस्थल पर स्नान के लिए भीड़ कल शाम से ही पहूँच गई। आज भोर से ही श्रद्धालुओं का सैलाब स्नान के लिए घाट की ओर निकल पड़ा। स्नान के लिए जिले ही नहीं पडोसी जनपद प्रतापगढ़, अमेठी,अम्बेडकर नगर, फैजाबाद, बस्ती, आजमगढ़ व जौनपुर के श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन किया।

जनश्रुतियो के अनुसार लंका विजय व रावण बध के उपरांत ब्रह्महत्या से मुक्ति पाने के लिए भगवान राम ने इसी स्थल पर स्नान किया था। ऋषियों की सलाह पर ब्रह्महत्या से मुक्ति पाने के लिए पत्तो से बने बर्तन में एक काला कौआ बैठाकर छोड़ा गया, इसी स्थल पर पहुँचते ही कौए का रंग सफेद हो गया, तब इसी स्थल का चयन कर स्नानोपरांत भगवान राम ब्रह्महत्या से मुक्त हो गए। भगवान राम ने यहाँ दीपदान किया। तभी से पापो से मुक्ति पाने के लिए श्रद्धालु यहाँ प्रत्येक गंगा दशहरा के पर्व पर स्नान के लिए उमड़ पड़ते है।

भीषण तपिश व गर्मी पर भक्तों की आस्था हावी दिखी। भोर तीन बजे से ही शुरू हुआ स्नान दान सुबह होते-होते बढ़ गया। दस बजे तक भीषण धूप व गर्मी के बावजूद हजारों लोग स्नान करने के लिए धोपाप घाट पर डटे हैं। यह भीड़ बढ़ती ही जा रही है। वहीं, प्रशासनिक अमला धाम पर डटा हुआ हैं। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों की ओर से यहां भंडारा, पानी वितरण व खोया पाया शिविर लगाया गया है। गंगा दशहरा पर्व पर जो लोग धोपाप नहीं पहुंच पाए। उन्होंने अपने स्थानीय घाटो पर ही स्नान दान किया। शहर के सीताकुंड घाट पर सुबह से ही भीड़ रही। यहां पर हजारों लोगों ने स्नान दान किया। घाट पर मौजूद पुरोहितों के माध्यम से पूजा पाठ कर गोदान किया। यहां पर गोमती मित्र मंडल के स्वयं सेवक मेलार्थियों की सेवा में डटे रहे। इसी तरह दियरा घाट, कुड़वार घाट आदि घाट पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

आषाढ़ का महीना 23 जून से, इस महीने में कई प्रमुख व्रत -त्यौहार मनाए जाते हैं

धार्मिक दृष्टि से आषाढ़ का महीना बेहद खास है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत -त्योहार मनाए जाते हैं। इस महीने से चातुर्मास की शुरुआत होती है। ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। इस दिन से जगत के पालनहार भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चलते हैं। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान विष्णु जागृत होते हैं। इस अवसर पर देवउठनी एकादशी मनाई जाती है। चातुर्मास के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इसके अलावा, आषाढ़ माह में कई अन्य प्रमुख व्रत त्योहार मनाए जाते हैं। आइए, आषाढ़ माह में पड़ने वाले व्रत-त्योहारों के बारे में जानते हैं-

व्रत-त्योहार की सूची

23 जून को आषाढ़ माह की शुरुआत होगी। इसके चार दिन बाद यानी 27 जून को कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी है। यह पर्व आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है।

28 जून को कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी है। कालाष्टमी के दिन भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-उपासना की जाती है।

02 जुलाई को योगिनी एकादशी है। यह पर हर वर्ष आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है।

03 जुलाई को आषाढ़ माह का पहला प्रदोष व्रत है। यह व्रत हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। इस दिन रोहिणी व्रत भी है।

04 जुलाई को मासिक शिवरात्रि है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस अवसर पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है।

05 जुलाई को दर्श यानी आषाढ़ अमावस्या है। इस दिन गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान किया जाता है। साथ ही पितरों का तर्पण और पिंड दान किया जाता है।

06 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक आषाढ़ नवरात्र है। इसे गुप्त नवरात्र भी कहा जाता है। इस दौरान जगत की देवी मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है।

07 जुलाई को जगन्नाथ रथयात्रा है। यह पर्व ओडिशा के पूरी शहर में धूमधाम से मनाया जाता है।

09 जुलाई को विनायक चतुर्थी है। यह पर्व शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की की पूजा की जाती है। साथ ही भगवान गणेश के निमित्त चतुर्थी का व्रत रखा जाता है।

11 जुलाई को स्कन्द षष्ठी है। वहीं, 14 जुलाई को मासिक दुर्गाष्टमी है। इस दिन जगत जननी मां दुर्गा की पूजा की जाती है। साथ ही अष्टमी का व्रत रखा जाता है।

16 जुलाई को कर्क संक्रांति है। इस दिन सूर्य देव मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में गोचर करेंगे। अतः 16 जुलाई को कर्क संक्रांति मनाई जाएगी।

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। इस दिन लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। भगवान विष्णु की पूजा करने से दुख और दरिद्रता दूर होती है।

18 जुलाई को वासुदेव द्वादशी है। इस दिन वासुदेव की पूजा-उपासना की जाती है। साथ ही प्रदोष व्रत भी है। प्रदोष व्रत के दिन शिव परिवार की पूजा की जाती है।

20 जुलाई को कोकिला व्रत है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है।

21 जुलाई को गुरु और आषाढ़ पूर्णिमा है। इस दिन भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही वेदों के गुरु व्यास जी की भी उपासना की जाती है ।

भीमसेनी एकादशी
24 एकादशी व्रत के बराबर मिलेगा पुण्य

हिंदू धर्म में व्रत त्यौहार की काफी मान्यता है । वहीं एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है। भगवान विष्णु को समर्पित एकादशी का व्रत हर माह में दो बार आता है, जो साल में कुल 24 होता है। 24 एकादशी में से एक निर्जला एकादशी व्रत का काफी महत्व होता है। इस दिन अन्न, जल कुछ भी ग्रहण नहीं करते है। इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते है। इस दिन व्रत रखने से 24 एकादशी व्रत के बराबर फल मिलता है। आइए पंडित जी से भीमसेनी एकादशी व्रत के बारे में जानते है कि इस निर्जला एकादशी व्रत के दिन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भीमसेनी एकादशी साल में पढ़ने वाले सभी एकादशी में प्रमुख माना जाता है। एक वर्ष में बारह माह होता है, जिसमे कुल 24 एकादशी होते हैं और मलमास में 2 एकादशी होता है, जो तीन साल में एक बार आता हैं।

भीमसेनी एकादशी व्रत क्यों सभी एकादशी से श्रेष्ठ है, भीमसेन भगवान से कहते हैं कि सभी एकादशी व्रत रह नहीं सकते। कोई एक व्रत बताइए, जिससे सभी एकादशी व्रत के बराबर पुण्य मिले। तब भगवान ने बताया की ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष के एकादशी के दिन व्रत रहने से सालभर के 24 एकादशी के बराबर पुण्य मिलेगा और इसे भीमसेनी एकादशी के नाम से जाना जाएगा। इस दिन सुबह से लेकर रात तक और अगले दिन सूर्योदय होने तक निर्जला व्रत (उपवास) रहा जाता है। यहां तक कि जल भी ग्रहण भी नहीं करते हैं। इस वर्ष 2024 में भीमसेनी एकादशी व्रत दो दिन पड़ रहा है, जो 17 जून दिन सोमवार और 18 जून दिन मंगलवार को है। लेकिन एकादशी व्रत मंगलवार को रखा जाएगा।

महाराज ने बताया कि सालभर में जो व्यक्ति कोई भी एकादशी व्रत नहीं रह पाता है, वह भीमसेनी एकादशी व्रत रहकर पूरे साल पड़ने वाले एकादशी व्रत के बराबर पुण्य कर सकता है। लेकिन इस दिन निर्जला रहकर व्रत रहना चाहिए। इस व्रत में जल ग्रहण नहीं किया जाता है, इसलिए इसे निर्जला व्रत भी कहते हैं और इस व्रत को सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक रखा जाता है। भीमसेनी एकादशी व्रत के दिन भगवान विष्णु जी को संगोपन यानी पंचामृत से स्नान कराना , तुलसी पत्ती चढ़ाना, चंदन, गुलाल, धूप तिलक लगाकर पूजा करना चाहिए। अगर घर में लक्ष्मीनारायण जी की साथ में मूर्ति है, तो एक साथ पूजा करनी चाहिए।

निर्जला एकादशी पर भूल से भी न करें ये गलतियां

भगवान विष्णु हो जाएंगे नाराज! चली जाएगी सुख-समृद्धि

एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की उपसना करने और निर्जल रहकर उपवास रखने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस व्रत को महिला एवं पुरुष श्रद्धालु दोनों रख सकते है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को दाल और आटा का दान करे। इसके अलावा खरबूज, तरबूज, आम समेत आदि फलों का दान करना भी शुभ माना जाता है। निर्जला एकादशी पर गरीब लोगों को धन का दान करें। इससे भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं इस दिन जल का दान सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्कंद पुराण के विष्णु खंड में एकादशी महात्म्य के अध्याय में है कि सालभर की एकादशी का पुण्य निर्जला एकादशी को करने से मिलता है। पौराणिक शास्त्रों में इसे भीमसेन एकादशी, पांडव एकादशी और भीम एकादशी के नाम से भी जानते हैं।

भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पित करें

पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि निर्जला एकादशी पर शिवयोग रात 9.39 बजे तक रहेगा। इसके बाद सिद्ध योग लग जाएगा। दोपहर में 3.56 मिनट से लेकर अगले दिन सुबह 5.24 तक त्रिपुष्कर योग है। भगवान विष्णु की पूजा अर्चना कर भोग में तुलसी पत्र अर्पित करे।

निर्जला एकादशी की कथा

निर्जला एकादशी का संबंध महाभारत काल से है। भीमसेन को अधिक भूख लगती थी, जिसके कारण वे कभी व्रत नहीं रखते थे। भीमसेन चाहते थे कि मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो और उनको पुण्य मिले। तब उन्होंने निर्जला एकादशी व्रत रखा था। इस व्रत के प्रभाव से वे पाप मुक्त हो गए और अंत में मोक्ष को प्राप्त हुए।

व्रत के बाद दिनभर इन बातों का रखे ध्यान

पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि पवित्रीकरण के समय जल आचमन के अलावा अगले दिन सूर्योदय तक पानी नहीं पीएं, दिनभर कम बोलें और हो सके तो मौन रहने की कोशिश करें, दिनभर न सोएं, ब्रह्मचर्य का पालन करें, झूठ न बोलें, गुस्सा और विवाद न करें

कन्फर्म हो गई सिंघम अगेन की रिलीज डेट

अब दिवाली पर जख्मी शेर बन तबाही मचाने आ रहे हैं अजय देवगन

रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर फैंस पलकें बिछाए बैठे हैं। इस फिल्म का मेकर्स से लेकर दर्शकों तक सभी को बेसब्री से इंतजार है। स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक्स तो रिवील कर दिए थे, लेकिन बाकी डिलेट देना अभी बाकी था। पहले खबर थी कि सिंघम अगेन 15 अगस्त के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी और इसकी टक्कर पुष्पा 2 से होगी। लेकिन अब सिंघम अगेन की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह फिल्म 15 अगस्त को नहीं बल्कि इस दिवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है कि सिंघम अगेन अब 15 अगस्त 2024 को नहीं बल्कि दिवाली 2024 पर रिलीज होने वाली है। पोस्टर शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, शेर आतंक मचाता है, जख्मी शेर तबाही। मिलते हैं आपसे इस दिवाली सिनेमाघरों मेंळ। इस पोस्टर पर सिंघम अगेन, रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स और फिल्म की रिलीज डेट लिखी है। इसके साथ ही स्टारकास्ट के नाम भी लिखे हैं। बता दें कि अजय देवगन ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट के बारे में बताया है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म को लेकर जानकारी दी है कि सिंघम अगेन की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है और यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी। अजय देवगन की फिल्म का क्लैश कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से होने वाला है। यह फिल्म भी दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। बता दें कि अजय देवगन का बॉक्स ऑफिस क्लैश शानदार रहा है। हो सकता है कि सिंघम अगेन में भी इसका जलवा देखने को मिले। सिंघम अगेन के स्टारकास्ट की बात करें तो रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में मल्टीस्टार नजर आने वाले हैं। फिल्म में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ आदि नजर आने वाले हैं। बता दें कि रोहित शेट्टी इससे पहले अपने कॉप यूनिवर्स में सिंघम, सिंघम अगेन और सूर्यवंशी जैसी फिल्में बना चुके हैं, जिनको दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब सिंघम अगेन का इंतजार है।

इंडियन 2 के बाद मिस यू से धूम मचाएंगे सिद्धार्थ

निर्माताओं ने जारी किया फिल्म का पहला पोस्टर

साउथ अभिनेता सिद्धार्थ इन दिनों इंडियन 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अब उनकी अगली फिल्म पर बड़ी जानकारी सामने आई है। अभिनेता की अगली फिल्म का नाम मिस यू है। सिद्धार्थ अपनी अगली रोमांटिक फिल्म मिस यू में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म का पहला पोस्टर भी अभिनेता आर माधवन, निर्देशक लोकेश कनगराज और शिवकार्तिकेयन द्वारा जारी किया गया है।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर शेयर करते हुए माधवन ने लिखा, कई अवॉर्ड जीतने वाली चि्रा के बाद मेरे प्यारे भाई सिड ने कई सालों के बाद एक प्रेम कहानी शुरू की है। रोजेज आर रेड, वायलेट आर ब्लू। सिड की अगली रोमांस फिल्म मिस यू है। हम जानते हैं कि आप सभी ने भी उन्हें मिस किया होगा।इसके साथ ही शिवकार्तिकेयन ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाई सिद्धार्थ की मिस यू का पहला लुक जारी करते हुए खुशी हो रही है। पोस्टर में सिद्धार्थ लाल शर्ट और नीली जींस पहने हुए एक हाइकर बैग लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। मिस यू का निर्देशन एन राजशेखर ने किया है और संवाद अशोक आर ने लिखे हैं। फिल्म को 7 माइल्स पर सेकंड द्वारा द्वारा निर्मित किया जाएगा।

सिद्धार्थ के अलावा फिल्म में इसमें आशिका रंगनाथ, करुणाकरण, बाला सरवनन, लोल्लू सभा मारन और अन्य भी हैं।सिद्धार्थ को आखिरी बार तमिल फिल्म चि्रा में देखा गया था, जिसे समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब अभिनेता अगली बार कमल हासन की इंडियन 2 में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। शंकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी।

परिणीति में आएगा एक साल का लीप

नीति से बदला लेने लौटेगी एक्ट्रेस आंचल साहू

फैमिली ड्रामा परिणीत में एक साल का लीप आएगा। सीरियल में तन्वी डोगरा ने नीति का किरदार निभाया है। उसे लगता है कि उसकी परिणीति (आंचल साहू) को मारने की प्लानिंग कामयाब हो गई है, इसमें वह संजू (अंकुर वर्मा) का भी इस्तेमाल करती है। वह बाजवा परिवार को मोहरा बनाती है, ताकि संजू से शादी कर सके।हालांकि, अंबिका देवी सिंघानिया (शिल्पा सकलानी) परिणीति को मौत के कगार से बचाती है, और उससे अपने हत्या के प्रयास का बदला लेने के लिए कहती है। इस कड़ी में परिणीति एक नए अवतार में लौटती है। वह संजू के ड्रीम प्रोजेक्ट में फाइनेंस करती है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या परिणीति नीति का पर्दाफाश करेगी या फिर बदला लेने में नाकाम हो जाएगी?अपकमिंग एपिसोड के बारे में बात करते हुए, तन्वी ने कहा, नीति के किरदार में जान फूंकना एक कलाकार के तौर पर मेरे लिए खास सफर रहा है। इस किरदार ने मुझे देशभर में पहचान दिलाई है। आगे कहानी में, नीति को लगता है कि उसके और संजू के बीच की दीवार यानी परिणीति को उसने हटा दिया है। उसने बाजवा परिवार को अपने बातों में फुसला लिया है।उन्होंने कहा, कहानी में इस नए मोड़ को लेकर दर्शक शो में ट्विस्ट और ड्रामा देख सकेंगे। शो के प्रीमियर से ही लोग इस शो को प्यार दे रहे हैं, मैं उनकी आभारी हूं। मैं अपने किरदार को पूरी ईमानदारी से निभा रही हूं।आंचल ने कहा, शो में एक साल का लीप आएगा, मेरा किरदार नए मकसद के साथ वापस लौटेगा। संजू और नीति से मिले धोखे का बदला लेना ही उसका मकसद है। वह एक नए रूप के साथ और भी मजबूत होकर वापस आएगी।उन्होंने कहा, अंबिका देवी का समर्थन पाकर, जिसने उसे मौत के मुंह से बचाया, वह उन लोगों से बदला लेगी, जिन्होंने उसके साथ अन्याय किया है। एक एक्टर के तौर पर परिणीति का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव रहा है, और मैं इस खास शो में अपने किरदार को लेकर खुश हूं।

हृतिक रोशन की प्रस्तुति पुश्तैनी का ट्रेलर हुआ रिलीज

21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

ऋतिक रोशन एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अक्सर खुशी फैलाने के लिए अतिरिक्त मील चलते हैं। अपने एक्टिंग कोच विनोद रावत के लिए उनका हालिया इशारा इस बात का सबूत है। बता दें कि अभिनेता अपने अभिनय कोच की फीचर फिल्म पुश्तैनी को पेश करने के लिए बोर्ड पर आए हैं।विनोद इस फिल्म के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत कर रहे हैं, जो 21 जून को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। खैर, यह फिल्म एक अभिनेता, निर्देशक, लेखक और निर्माता के रूप में रावत की फीचर डेब्यू को भी चिह्नित करती है और इसमें राजकुमार राव का कैमियो है।ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर विनोद रावत की पुश्तैनी का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर शेयर करते हुए वो उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। अभिनेता ने खुलासा किया कि जब विनोद स्क्रिप्ट के साथ उनके पास आए थे, तो फाइटर स्टार वास्तव में फिल्म की कल्पना या कल्पना नहीं कर सकते थे। बाद में ऋतिक ने यह भी बताया कि लॉकडाउन के दौरान विनोद ने उन्हें बताया था कि वो अपने मूल स्थान पर फिल्म की शूटिंग करेंगे और पैसे की कमी के कारण उनके परिवार के सदस्य फिल्म में अन्य किरदार निभाएंगे। बाद में अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि कोविड ने परियोजना में बाधा डाली थी और रावत के पास आखिरी 15,000 रुपये बचे थे, लेकिन वह दृढ़ थे और परियोजना को पूरा किया।फिल्म की तारीफ करते हुए, ऋतिक ने लिखा, मेरे अत्यंत आश्चर्य और खुशी के लिए फिल्म ने मुझे हंसाया, इसने मुझे रुला दिया और मैं पूरी तरह से अचंभित हो गया कि इस आदमी ने बिना किसी मदद के अकेले दम पर क्या हासिल किया था। पुश्तैनी के पास दिल था और इसने मेरा दिल जीत लिया था।पुश्तैनी एक संघर्षरत अभिनेता भूप्पी (रावत) के जीवन का अनुसरण करती है, जो खुद को एक शर्मनाक घोटाले में फंसा हुआ पाने के बाद स्टारडम पर अपना आखिरी मौका सुरक्षित करने के लिए बेताब है। अपने घर लौटने और अपने अतीत का सामना करने के लिए मजबूर, भूप्पी पहाड़ों के माध्यम से यात्रा करता है और अजनबियों के साथ रोमांच साझा करता है, इस बात से अनजान कि यात्रा में उसके लिए क्या है।पुश्तैनी में रावत के अपने परिवार के सदस्यों सहित गैर-पेशेवर अभिनेता भी हैं। फिल्म रीता हीर द्वारा सह-लिखित है, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार भी निभा रही हैं। इसमें राजकुमार राव का कैमियो भी है। पुश्तैनी लोटस डस्ट पिक्चर्स और विनरॉ फिल्म्स द्वारा निर्मित है। यह शिलादित्य बोरा की प्लाटून डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा 21 जून को सिनेमाघरों में पैन-इंडिया रिलीज़ किया जाएगा।

थिएटर्स के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई विश्वक सेन की फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी

साउथ की फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी इन दिनों खूब चर्चा में बनी हुई है। कुछ ही दिनों पहले यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज हुई थी। और सिनेमाघरों में रिलीज के महज 15 दिनों के अंदर फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। गैंग्स ऑफ गोदावरी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। तो चलिए आपको बताते हैं कि इस फिल्म को आप कौन से ओटीटी पर कितने रुपये में देख पाएंगे। गैंग्स ऑफ गोदावरी गोदावरी के तटीय क्षेत्रों में फिल्माई गई एक फिल्म है। इसकी कहानी एक व्यक्ति के गरीबी से अमीरी के सफर को दिखाती है। फिल्म 14 जून को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। गैंग्स ऑफ गोदावरी को तमिल, कन्नड़ और मलयालम में इसके मूल तेलुगु वर्जन के साथ रिलीज किया है। 31 मई को थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म को अभी सिर्फ 15 दिन का समय बीता है और फिल्म रिलीज की जा चुकी है। गैंग्स ऑफ गोदावरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। बता दें कि नेटफ्लिक्स ने गैंग्स ऑफ गोदावरी का नया ट्रेलर जारी किया था, जिसमें घोषणा की गई कि यह फिल्म 14 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के राइट्स खरीदे हैं, जिसके चलते नेटफ्लिक्स के सोशल मीडिया पेज पर फिल्म की ओटटी रिलीज डेट बताई गई है। कई भाषाओं में गैंग्स ऑफ गोदावरी की लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म को हिंदी में भी रिलीज करने की बात कही जा रही है।

शनाया कपूर ने ग्लिटरी कॉकटेल ड्रेस पहन कराया हॉट फोटोशूट

शनाया कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उन्होंने ग्लिटरी कॉकटेल ड्रेस पहनकर हॉट फोटोशूट कराया है। शनाया की कातिल अदाएं और दिलकश पोज ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में शनाया ने हल्का मेकअप किया हुआ है, जो उनकी नैचुरल ब्यूटी को और निखार रहा है। खुले बालों के साथ उन्होंने विभिन्न पोज़ दिए हैं, जो उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं।अपकमिंग एक्ट्रेस शनाया कपूर की यह ताजगी भरी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। शनाया का यह बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है, और वे उनकी तारीफों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।शनाया कपूर एक भारतीय मोडल और अभिनेत्री हैं, जो जल्द ही करण जोहर द्वारा निर्मित फिल्म बेधड़क से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं। शनाया बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं।उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा इकोले मोंडिएल वर्ल्ड स्कूल, मुंबई से पूरी की है। उन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग पूरी कर ली है और उनके पास ग्रेजुएट डिप्लोमा भी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रातः हनुमान अष्टक का पाठ करके ही दिन की शुरुआत करें। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोत्तरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गाय को गुड खिलाए पैसो की तंगी जरूर दूर होगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह ओंकार का मानसिक ध्यान और ध्वनि करें दिनभर सकारात्मकता रहेगी। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आप का मार्गदर्शक बनेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

रोज सुबह शिवपूजन करके घर मे शंख की ध्वनि करें उर्जावान रहोगे आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह हनुमानजी को चमेली का तेल अर्पित करें क्योंकि दिन सामान्य रहेगा। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। लाल चीटियों को आटा डाले मुसीबत दूर होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

भविष्य के लिए नये निवेश के बारे मे प्लानिंग करेंगे जिससे आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। आज परिवार के खुली हवा मे घूमने जाएंगे थकान एकदम दूर होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज किसी भी धार्मिक ग्रंथ का श्रवन करें पाठ करें आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें डिनर मे हल्का भोजन करना ही उचित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्त्रीवर्ग को कुछ उपहार भेंट करे कार्य सिद्धि होगी खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। आज यात्रा का नही हैं शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह अन्नदान करके ही दिन शुरू करें आज दिनलझन में बीतेगा। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चा पर नियंत्रण रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत बढीया दिन हैं रिस्क मे भी सफलता सुनिश्चित हैं अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। आप भाग्य प्रबल है क्योंकि आप का लाईफ पाटनर आप को प्रत्येक परिस्थितियों मे साथ देगा आप का मनोबल बढाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप के सीनियर्स आप के काम से सन्तुष्ट होंगे अच्छी खबर मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। आज बेरोजगारी दूर होगी नौकरी मे सफलता मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को अपनी गुप्त बातो को सभी के सामने नही रखनी चाहिए अति विश्वास मित्र अथवा सहयोगी के साथ मंत्रणा करनी चाहिए आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। आप अविवाहित हैं तो हनुमानजी का पूजन करें सम्बन्ध सुनीश्चित होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी विरोधियों से सतर्क रहना होगा अपनी निवेश की योजनाएं गुप्त रखनी पडेगी। कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। अपनी वाणी पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत हैं आप का क्रोध आप की भविष्योन्मुखी योजनाओं पर विराम लगा देगा आप के लोगों से मधुर सम्बन्ध भी धूमिल होंगे ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 17 जून 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा दोपहर 01:51 तक
योग : परिघ रात्रि 09:33तक
करण : वणिज सायं 05:40 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा सायं 05:39 तक , बकरी ईद

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बिना विकास को मूर्त रूप दें : मिश्र

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने अधिकाधिक पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए कहा है कि प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप दें।

श्री मिश्र रविवार को श्री कल्पतरू संस्थान द्वारा आयोजित वृक्ष मित्र सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण की भारतीय संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरक ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष खेजड़ी के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है।

श्री मिश्र ने पेड़ों को धरती का श्रृंगार बताते हुए हरी–भरी धरा के लिए सबको मिलकर कार्य करने

की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतने पेड़ लगें कि पर्यावरण का अपने आप संरक्षण हो। अधिक से अधिक लोग वृक्ष मित्र बनें। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की ओर से वृक्ष मित्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक सम्मान के रूप में प्रतिदिन एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने वाली उमा व्यास को सम्मानित किया। उन्होंने वृक्ष मित्र के रूप में पर्यावरण कार्यकर्ता के.पी. कनाल, अशोक थोरात, गौतमराज शर्मा, रेणु राष्ट्रदीप, संदीप, उषा, अंजू चौधरी, ऋषि, रितेश दुबे को सम्मानित किया। उन्होंने वहीं परिंदो के लिए परिण्डा अभियान की भी शुरूआत की।

इससे पहले श्री कल्पतरु संस्थान के ट्री मैन ऑफ इण्डिया के रूप में चर्चित विष्णु लाम्बा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने जयपुर एनवायरमेंट फेस्टिवल-प्री लांचिंग के पोस्टर का विमोचन किया। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए स्किल डवलपमेंट केन्द्र खोले जाएंगे : भजनलाल

अजमेर, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने जीवन में कभी हार नहीं मानने की सीख देते हुए महिलाओं को सशक्त तथा सुद्रढ़ बनाने की दिशा में स्किल डवलपमेंट केन्द्र खोलने की घोषणा की है।

श्री भजनलाल ने रविवार को ब्यावर जिले में गंगा दशहरा मौके पर आशापुरा धाम पर 15 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए इसे समाज की अच्छी परम्परा बताया और कहा कि इससे समाज में समानता और एकता की भावना विकसित होती है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह समिति की ओर से आयोजित इस आयोजन में मुख्यमंत्री ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान को राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक बताया। उन्होंने सम्राट को युद्ध कौशल में पारांगत तथा धर्मपरायण बताते हुए उनके जीवन से सीख लेने की प्रेरणा दी। श्री भजनलाल ने कहा कि समाज को लक्ष्य के साथ आगे बढ़ाना है। आज का युग आपका है, आपको लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना है। 2014 से हम 21वीं सदी की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित

भारत का लक्ष्य तय किया। हम सबकों लक्ष्य को हासिल करना है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार के कामों का सभी सिलसिले वार जिक्र किया और कहा कि

प्रधानमंत्री ने पहली केबिनेट बैठक में ही 17 करोड़ किसानों को सम्मान निधी जारी कर दी। प्रधानमंत्री आवासीय योजना में 3 हजार पक्के मकान बनाने का फैसला लिया, 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की योजना पर भी अमल हो रहा है। ये सब किसानों, महिलाओं, युवाओं , बेरोजगारों, गरीबों के लिये है, क्योंकि मोदी सरकार हर तबके के विकास के लिए कटिबद्ध है। देश के 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराना भी कोई छोटी बात नहीं है।

उन्होंने राज्य सरकार के 15 दिसंबर को काम सम्भालते ही 450 में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, सामाजिक पेंशन एक हजार से बढ़ाकर 1150 करने, तृतीय श्रेणी की महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी माता, बहनों , गरीब, युवाओं के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए, उन्हें सशक्त बनाने के लिए स्किल डवलपमेंट सेंटर खोले जायेंगे।

समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरए-सएस) के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, महेन्दीपुर बालाजी धाम के महामंडलेश्वर नरेशपुरी महाराज, मंत्री अविनाश गहलोत एवं सुरेश सिंह रावत, विधायक शंकरसिंह रावत व वीरेंद्र सिंह कानावत, राजसमंद सांसद महिमाकुमारी मेवाड़, नगर परिषद सभापति नरेश कनौजिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का तलवार, साफा.व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

सिरसा में अधिकारियों ने किया ओटू हेड का निरीक्षण

सिरसा, 16 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिले के अधिकारियों ने घग्गर नदी पर बने ओटू हेड के सभी गेटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में ओटू हेड के सभी गेट दुरुस्त स्थिति में पाए गए।

ओटू में घग्गर नदी पर बना हैड एक महत्वपूर्ण स्ट्रक्चर है, जिसमें घग्गर नदी के पानी का प्रबंधन किया जाता है। इस हैड में पानी के भंडारण के बाद आगे राजस्थान की ओर छोड़ दिया जाता है। पानी हनुमानगढ़ व श्री गंगानगर जिलों से होता हुआ पाकिस्तान की सीमा तक चला जाता है। कई बार पानी के अधिक बहाव के कारण इस नदी के तटबंधों के टूट जाने से फसलों का भी नुकसान हो जाता है।

ओटू हैड से तीन बरसाती पानी की नहरें निकलती है, जिनसे आस पास के गावों के खेतो की सिंचाई की जाती है। इनके लिए ओटू हेड पर छह गेट बने हुए हैं। जब घग्गर नदी में बारिश के सीजन में पानी का लेवल बढ़ जाता है तो अतिरिक्त पानी को नीचे छोड़ने के लिए 12 गेट बने हुए है, जो घग्गर नदी के अतिरिक्त पानी को मैनेज करते है। हर साल बाढ़ के सीजन से पहले हेड के गेटो की रिपेयरिंग का काम करवाया जाता है। इस साल भी गेटों की मरम्मत पूर्ण रूप से की जा चुकी है।

जिला परिषद् के सीईओ डॉ सुभाष चंद्र ने शनिवार को सभी गेट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कार्यकारी अभियंता अजीत हुडा, गौरव भारद्वाज़ व जेई मंजीत नागर द्वारा गेटों की कार्य पद्दति बारे बारीकी से बताया गया। निरीक्षण में ओटू हेड के सभी गेट दुरुस्त स्थिति में पाए गए। अधिकारियों ने गेटों के सामने जमी मिट्टी को हटवाने और हेड पर रखे जेनरेटर सेट की सर्विस के निर्देश दिए ताकि बाद में कोई खराब स्थिति पैदा न हो।

ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं सहित तीन की मौत

चित्तौड़गढ़, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में पटरी पार कर रहे पति, पत्नी एवं साली की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार रात रेलवे स्टेशन के समीप एक मंदिर पर रात्रि जागरण चल रहा था जिसमें शामिल होने के लिए मोची मौहल्ला निवासी मनोहर लाल धोबी उसकी पत्नी ललिता और साली जयश्री पटरी पार कर रहे थे कि बांद्रा–उदयपुर ट्रेन आ गई जिसका हार्न मंदिर पर तेज आवाज में बज रहे डीजे के कारण उन्हें सुनाई नहीं दिया और तीनों चपेट में आ गए। इससे दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल मनोहर की अस्पताल ले जाते हुए मौत हो गई। घटना से मंदिर पर हाहाकार मच गया और शोक पसर गया। जागरण का कार्यक्रम मृतक मनोहर लाल के भाई ने ही आयोजित किया था। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर रविवार को शव पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिये।

दाहरसेन स्मारक राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा का केंद्र : निम्बाराम

अजमेर, 16 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरए-सएस) के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा है कि दाहरसेन स्मारक राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा का केंद्र है। अजमेर में महाराजा दाहरसेन के 1312वें बलिदान दिवस पर पुष्कर रोड स्थित दाहरसेन स्मारक पर देश भक्ति कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में निंबाराम ने संबोधित करते हुए कहा की महाराजा दाहरसेन का बलिदान अखंड भारत के स्वर्णमयी इतिहास का अहम पड़ाव है। क्योंकि भारत की पश्चिमी सीमा पर होने वाले आक्रमणों को रोकने का साहस शताब्दियों तक सिंध के शासक करते रहे, स्वतंत्र भारत के साथ विभाजन का दुखद पल भी हमारे हिस्से आया और गौरवमय सिंध हमसे अलग हो गया, किंतु इतिहास फिर बदलेगा और यदि हम भाग्यशाली रहे तो अपने जीवनकाल में ही पुनः अखंड भारत बनते देखेंगे और सिंध की पावन धरती पर अपने गौरवशाली इतिहास को फिर से जीवंत देख सकेंगे। माता हिंगलाज के पवित्र स्थल पर पूजा अर्चना कर सकेंगें, इसी दिशा में हमें सतत प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा दाहरसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि कर किया गया, हिंगलाज माता और श्रीचंद्र भगवान की पूजा अर्चना और हेमू कालाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुस्कान कोटवाणी ने वंदेमातरम गीत प्रस्तुत किया, मयंक कोटवानी और निधि ने देश भक्ति के गीत प्रस्तुत कर सभी को राष्ट्र भावना से प्रेरित किया।

फतेहाबाद में पिता ने की बेटे की हत्या

फतेहाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिला के टोहाना क्षेत्र में शनिवार रात एक पिता ने अपने 16 वर्षीय बेटे की चारपाई के पाए से सिर में वार कर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार रविवार सुबह उन्हें नागरिक अस्पताल से सूचना मिली थी कि गांव कन्हडी से एक 16 वर्षीय लड़के को लाया गया था, जिसकी मृत्यु हो चुकी थी।

सचिन की मां माया देवी ने बताया कि उनका पति दलबीर सिंह शराब का आदी है। कल शाम दलबीर सिंह और सचिन के बीच झगड़ा हुआ था। रात में दलबीर ने सचिन की चारपाई के पाए से वार कर मार डाला। पुलिस के अनुसार दलबीर सिंह फरार बताया जाता है। मामले की जांच जारी है।

हरियाणा में वन–मित्रों की भर्ती की जाएगी : सीएम सैनी

पौधों की जियो–टैगिंग होगी, ड्रोन से 5 सालों तक की जाएगी निगरानी

चंडीगढ़, 16 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में जल्द ही वन–मित्र स्कीम के तहत वन–मित्रों की भर्ती की जाएगी जिनको पौधों की देखभाल करने के लिए मानदेय दिया जाएगा।

यह जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन विभाग द्वारा वन–क्षेत्र में पहले से लगे हुए तथा हर वर्ष पौधारोपण अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों की ड्रोन से नियमित मैपिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वन भूमि पर आग लगने पर बुझाने में देरी होने पर फोरेस्ट–गॉर्ड से लेकर उच्चाधिकारी तक की जिम्मेदारी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में वन एवं वन्य जीव विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्राण वायु देवता स्कीम का ब्रॉशर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि 20 करोड़ रुपये का बजट है। वर्ष 2024–25 के लिए पौधरोपण अभियान के लिए 150 करोड़ रुपए आवंटित किए

गए हैं। हर्बल पार्कों पर 10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि प्राण वायु देवता योजना के तहत, राज्य सरकार रुपये की वार्षिक पेंशन प्रदान करने की योजना बना रही है। 75 वर्ष से अधिक पुराने पेड़ों की देखभाल करने वालों को 2,750 रुपए इस योजना के तहत अब तक 3,819 ऐसे पेड़ों की पहचान की जा चुकी है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वन क्षेत्रों से पेड़ों की अवैध कटाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मानसून सीजन में वार्षिक पौधरोपण अभियान की समीक्षा की, निर्देश दिए कि इन पौधों को जियो–टैग किया जाए और ड्रोन की मदद से पांच वर्षों तक उनके विकास की निगरानी की जाए।

नायब सिंह ने कहा कि ऐसी घटनाओं से न केवल वन्यजीवों की मौत होती है, बल्कि करोड़ों रुपए की लकड़ी की क्षति भी होती है और प्रदूषण में भी योगदान होता है। आग लगने की घटना पर प्रतिक्रिया देने में अनावश्यक देरी हुई तो वन रक्षक से लेकर जिला स्तर के अधिकारी तक जवाबदेह होंगे। सीएम नायब सैनी ने विभागीय अधिकारियों को कालेसर, सुल्तानपुर जैसे राष्ट्रीय उद्यानों और अन्य घने जंगलों में नहरों या ट्यूबवेलों से पानी की आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि अत्यधिक गर्मी के दौरान इस पानी का उपयोग वन्यजीवों द्वारा किया जा सके और आग बुझाने में सहायता मिल सके।

सर्वजातीय विवाह सम्मेलन में 11 जोड़े सात फेरों के साथ बने हमसफर

बारां, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बांरा जिले की समाज–सेवी संस्था भारत विकास परिषद (भाविप) के सर्वजातीय विवाह सम्मेलन में रविवार को 11 जोड़ों ने अपने रिश्तेदारों एवं अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर दांपत्य जीवन की डोर में हमसफर बन गए।

आर्यवाटिका में भविप का पांचवा सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन बड़ी ही धूमधाम से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य यजमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग, श्रीमती मंजू गर्ग, बबिता गर्ग दंपत्ति शामिल हुए।

परिषद के अध्यक्ष हितेश बत्रा एवं रमाकांत गुप्ता ने बताया कि विवाह कार्यक्रम में दस जोड़े हाड़ौती संभाग एवं एक जोड़ा गुना (मध्यप्रदेश) का शामिल है। भाविप के कार्यकर्ता सदस्य अपनी अपनी जिम्मेदारियां संभाले हुए थे। सचिव पवन मित्तल ने बताया कि परिषद द्वारा यह सम्मेलन 11 जोड़ों के लिये आयोजित था जो गरीब परिवार से थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः मुख्य यजमान के द्वारा विनायक स्थापना के साथ की गई। सभी 11 दूल्हों की बैंडबाजों के साथ निकासी निकाली जो कि क्वांटम स्कूल से प्रारंभ होकर धर्मादा चौराहा, प्रताप चौक होते हुए आर्य वाटिका पर पहुंची। जहां सामूहिक रूप से जोड़ो का वरमाला कार्यक्रम अयोजित हुआ। इस दौरान भाविप ने सहयोग से दहेज के रुप में गृहस्थी के मुख्य सामान भी वर वधु को सौंपे गए।

बिहार में भीषण गर्मी से 13 लोगों की मौत
पटना समेत नौ जिलों में हीट वेव का अलर्ट

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। पिछले 24 घंटे में पांच जिले में 13 लोगों की मौत हो गई। सबसे अधिक औरंगाबाद में पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं सारण और गया में तीन-तीन लोगों की मौत हुई। रोहतास और भोजपुर एक-एक लोगों की मौत हुई। इनके परिजनों का दावा है कि लू लगने के कारण तेज बुखार के साथ उल्टी होने लगी। अस्पताल ले गए लेकिन जान नहीं बचा पाए। इधर, सबसे अधिक बक्सर में गर्मी पड़ी। यहां का अधिकतम तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, पटना, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, गया, शेखपुरा, जमुई, सारण, सीवान जिला के कुछ स्थानों पर रविवार को उष्ण लहर का अलर्ट जारी किया गया। वहीं सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार जिला के कुछ स्थानों में रविवार को कुछ घंटे के दौरान मौसम विभाग ने वर्षा की संभावना जताई है और हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रहने की बात बताई जा रही है। राज्य के दक्षिण पश्चिम भाग के कुछ स्थानों पर लू के साथ भीषण उष्ण लहर की संभावना के लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे के दौरान जिन जिला में तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किए गए, उनके नाम पटना 43.3, गया 45.2, छपरा 42.8, डेहरी 45.6, शेखपुरा 44.5, गोपालगंज 42.0, जमुई 42.8, बक्सर 46.0,भोजपुर 45.2, औरंगाबाद 45.5, नवादा 44.5, राजगीर 44.6, जीरादेई 43.1, अरवल 44.8, बिक्रमगंज 44.5 और मुंगेर 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए इसके साथ ही भागलपुर 37.2, पूर्णिया 32.4, मुजफ्फरपुर 36.0, दरभंगा 35.2, सुपौल 32.6 ,मधुबनी 34.2, मोतिहारी 36.0 बेगूसराय 37.2, बांका 38.6, कटिहार 32.4, अररिया 30.5 और बाल्मीकि नगर 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। मौसम विभाग का मानना है कि राज्य के उत्तर पश्चिम उत्तर मध्य एवं दक्षिण भाग के एक से दो स्थान पर रविवार को गर्म दिन रहने की संभावना के साथ ही येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटो के दौरान राज्य के उत्तर पूर्व भाग के जिलों मे एक या दो स्थानों में हल्की से माध्यम की बरसात दर्ज की गई। जबकि शेष बिहार शुष्क बना रहा। भीषण उष्ण लहर गया, बक्सर, भोजपुर, वैशाली, औरंगाबाद, नवादा, नालंदा एवं अरवल में जबकि उष्ण लहर पटना, सारण ,रोहतास, शेखपुरा, गोपालगंज, जमुई एवं मुंगेर में दर्ज किया गया। बिहार का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस बक्सर एवं भोजपुर में जबकि न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस किशनगंज मे दर्ज किया गया। आज के मौसम विश्लेषण के अनुसार दक्षिण पश्चिम मौनसून की उतरी सीमा में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह अभी भी उप हिमालय पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर में बना हुआ है। लेकिन, अगले चार से पांच दिनों के दौरान इसे बिहार के कुछ भाग विशेष कर उत्तर पूर्व बिहार एवं हिमालय की तलहटी वाले जिलों में आगे बढ़ाने की संभावना है। पूर्वी पश्चिमी टर्फ रेखा अब मध्य उत्तर प्रदेश से उत्तर पश्चिम बिहार से होते हुए 0.9 किलोमीटर समुद्र तल से ऊपर मेघालय तक में बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे में बिहार के दक्षिण-पश्चिम भाग एवं दक्षिण-मध्य के कुछ भाग में भीषण उष्ण लहर के आसार हैं। वहीं उत्तर-पश्चिम एवं दक्षिण पूर्व के एक या दो जिलों में उष्ण लहर और आर्द्र दिवस का पूर्वानुमान है। प्रदेश के उत्तर पूर्व भागों के जिलों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम स्तर के वर्षा का पूर्वानुमान है। अगले 48 घंटो के दौरान प्रदेश के दिन के तापमान मे कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नही है।

लालू यादव ने खोला राज, बोले-
सवर्णों की संपन्नता देख मोदी सरकार नहीं करा रही जाति गणना

पटना (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने केंद्र सरकार पर फिर से निशाना साधा है। उन्होंने विश्व असमानता लैब की ओर साझा आंकड़ों के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। लालू प्रसाद ने रविवार दोपहर सोशल मीडिया पर लिखा कि सवर्णों की संपन्नता देख मोदी सरकार जाति गणना नहीं करवाना चाहती है। विश्व असमानता लैब की रिसर्च में पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए डरावने आंकड़े सामने आए है। यह रिसर्च देश में बढ़ती सामाजिक-आर्थिक गैरबराबरी को उजागर करती है। देश की कुल संपत्ति का बड़ा हिस्सा लगभग 89 प्रतिशत हिस्सा, आबादी में सबसे कम वाले वर्गों के पास है तथा देश की सबसे अधिक आबादी वाले 85 प्रतिशत एससी-एसटी और ओबीसी के पास बाक़ी बचा हिस्सा है। इससे पता चलता है कि हमारे देश में सामाजिक-आर्थिक असमानता की जड़ें कितनी गहरी हैं। मोदी सरकार लगातार 10 वर्षों से एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के छोटे व्यवसायों को भी टारगेट कर खत्म कर रही है।

राजद सुप्रीमो ने कहा कि इस रिपोर्ट के अनुसार उच्च जातियों के पास देश की कुल संपत्ति का 88.4 प्रतिशत हिस्सा है जबकि ओबीसी के पास केवल 9.0 प्रतिशत और अनुसूचित जाति और जनजाति के पास मात्र 2.6 प्रतिशत है।

2013 में जइउ का देश की संपत्ति में 17.3 प्रतिशत हिस्सा था जो 2022 में घटकर 9 प्रतिशत ही रह गया है। छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय लगातार घटते जा रहे हैं। कृषि घाटे का सौदा होता जा रहा है। किसान सरकार की गलत नीतियों के चलते बर्बाद हो रहे हैं।

लालू प्रसाद ने कहा कि देश में एससी-एसटी और ओबीसी की आबादी लगभग 85 प्रतिशत है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती क्योंकि इससे हर क्षेत्र में कुंडली मारे बैठे संपन्न लोगों का प्रभुत्व उजागर हो जाएगा। जब तक एससी-एसटी, ओबीसी और उच्च जाति के गरीब लोग भारतीय जनता पार्टी की भक्ति, धर्मांधता और नफ़रत बोने वाले दंगाइयों को अपना नेता मानेंगे, तो ये आंकड़े और भी बद्तर होते जाएंगे। विगत 10 वर्षों में इन्होंने आपको यानी एससी-एसटी और ओबीसी को धर्म और छद्म राष्ट्र के बनावटी मुद्दों व बहसों में उलझा कर अपनी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सत्ता को ओर अधिक सुदृढ़ एवं सुनिश्चित किया है। यह लोग धूर्तता के साथ एससी-एसटी और ओबीसी को सांकेतिक और दिखावटी प्रतिनिधित्व देकर इतिश्री कर देते है ताकि देश की ये बहुसंख्यक आबादी अपने अधिकारों की वाजिब मांग ना कर सके।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बकरीद पर जिला प्रशासन से कही दो टूक बात, बकरा काटने में रखें ध्यान

पटना (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री सह बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल बकरीद का पर्व है। मैं बेगूसराय समेत देश के सभी जिला प्रशासन से यह अपील करता हूं कि प्रशासन विधि व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दें। उन्होंने मांग किया है कि किसी भी सार्वजनिक स्थल या चौक-चौराहों पर बकरे की कटाई ना हो, जिससे आपसी द्वेष फैले। जिला प्रसाशन हर हाल सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करें।

वहीं नीट यूजी पेपर लीक के सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्वयं इस मामले में हस्तक्षेप किया है और 1500 से अधिक विवादित रिजल्ट के संबंध में छात्रों से तथा उनके अभिभावकों से शिक्षा मंत्री ने स्वयं वार्ता की है एवं उन्हें उपयुक्त समाधान का आश्वासन दिया है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कृषि के बाद टेक्सटाइल सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर है। यह देश के अंदर सर्वाधिक एक्सपोर्ट करने वाला भी विभाग है। हमलोग इसके लिए काम कर रहे हैं। बिहार के लिए भी हमलोगों ने रोडमैप बनाया है। टेक्सटाइल से जुड़े पदाधिकारी एवं इस क्षेत्र के लोगों से बातचीत की है। मुजफ्फरपुर सहित बेगूसराय में भी आने वाले दिनों में टेक्सटाइल के क्षेत्र में बड़ी क्रांति आएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केरल की सरकार को भी अन्य राज्यों की तरह कर के संशोधन में पुनर्विचार करना चाहिए। वह अपने एक्साइज टैक्स पर विचार करें। वैट को भी कम करना चाहिए।बता दे कि बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में कपड़ा मंत्री बनने के बाद बीते शाम पहली बार बेगूसराय पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया है।

पटना में सड़क पार कर रहे शख्स को ट्रक ने कुचला, मौके पर ही मौत

पटना (एजेंसियां)। बिहार के पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के सेंट्रल बैंक के नजदीक शनिवार को दक्षिण दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को कुचल दिया। इस हादसे में उक्त व्यक्ति की मौत मौके पर ही हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक ड्राइवर को पकड़कर जमकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही गौरीचक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ड्राइवर को स्थानीय लोगों से बचाकर अपनी हिरासत में ले लिया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने पटना-गया मार्ग को जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा के साथ-साथ गाड़ियों की रफ्तार पर अंकुश लगाने की मांग की। जानकारी के मुताबिक, गौरीचक थाना क्षेत्र के अलावलपुर निवासी सरोज कुमार सिंह (60) शनिवार की शाम ऑटो से अपना चश्मा लेने सेंट्रल बैंक के नजदीक पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि ऑटो से उतरने के बाद सरोज सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने सरोज सिंह को कुचल दिया। इस हादसे में सरोज सिंह की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उसके बाद लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन और हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच लोगों ने ट्रक ड्राइवर को पड़कर जमकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। घटना की पुष्टि करते हुए गौरीचक थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने बताया कि मृतक व्यक्ति के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद मौके पर घंटो अफरातफरी का माहौल बना रहा।

भीषण सड़क हादसे में एक की मौत, 11 लोग घायल

पटना (एजेंसियां)।
पटना के फतुहा में रविवार को गंगा स्नान कर लौट रहे लोगों के टेम्पो में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही टेम्पो बीच सड़क पर पलट गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। फतुहा थाना प्रभारी ने बताया कि हादसा दनियांवा रोड राइस मिल के नजदीक की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फतुहा थाने को दी है।

पुलिस ट्रक को जब्त कर थाना ले आई। साथ ही शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गंगा दशहरा के अवसर पर फतुहा के त्रिवेणी घाट में दनियावां से कुछ लोग गंगा स्नान करने गए थे। गंगा स्नान के बाद सभी लोग एक टेम्पो में सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी क्रम में राइस मिल के नजदीक तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रक ने टेम्पो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो बीच रास्ते पर पलट गई और ऑटो में सवार जिसमें महिला और बच्चे भी शामिल थे घायल हो गये, जबकि ड्राइवर की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी में सवार सभी घायलों को फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य (सीएचसी) केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टर द्वारा एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान टेम्पो चालक के रूप में हुई है।

प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है। मृतक ऑटो ड्राइवर की पहचान फतुहा के बलवा गांव निवासी जोगी सिंह के 36 वर्ष से पुत्र शंभू यादव के रूप में हुई है। जबकि घायलों में विमल सिंह की पत्नी सुनीता देवी, खुसरूपुर के रहने वाले दीपेंद्र का पुत्र रूपेंद्र कुमार, राम इकबाल प्रसाद की पत्नी रीता देवी, दयानंद यादव का 8 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार, मुरारी सिंह का पुत्र धर्मपाल यादव, स्व. आमक सिंह का पुत्र रविंद्र कुमार, ललित सिंह की पत्नी आशु देवी, बृजलाल सिंह की पत्नी पारो देवी, सूरज सिंह का पुत्र दीपक कुमार, बाबू चंद का पुत्र रिकू कुमार दयानंद यादव की पत्नी बबिता देवी के रूप में हुई है।

नाबालिग छात्रा की मौत की कई एंगल से जांच के बाद मामले में आनंद मोहन की एंट्री

औरंगाबाद (एजेंसियां)।
बिहार के औरंगाबाद के नबीनगर में एक नाबालिग छात्रा की मौत पर बवाल मचा है। इसे लेकर दो दिनों से नबीनगर बाजार बंद है। सड़क जाम और रोष प्रदर्शन हुआ है। सड़क पर आगजनी की गई है। नबीनगर प्रखंड मुख्यालय से लेकर औरंगाबाद शहर में कैंडल मार्च भी निकाला गया है। परिजन इसे अपहरण के बाद हत्या का मामला बता रहे हैं। एसिड अटैक की भी चर्चा है। वहीं, पुलिस हत्या या आत्महत्या समेत अन्य दृष्टिकोण से मामले की तहकीकात कर रही है। मामले में औरंगाबाद के सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पांडेय के एसिड अटैक को नकारते हुए हत्या या आत्महत्या के एंगल से जांच किए जाने के बयान के बाद ट्विस्ट आ गया है, जिससे परिजनों और नबीनगर की अवाम का गुस्सा उबाल पर है।

इस बीच शिवहर की नव निर्वाचित सांसद लवली आनंद, बहुचर्चित राजपूत नेता आनंद मोहन, विधायक चेतन आनंद और डॉक्टर आयुषी की एंट्री से मामले में नया मोड़ आ गया है। लब्बोलुआब यह कि चाहे कोई कुछ भी कहे, लेकिन इतना तो तय है कि छात्रा के साथ कुछ न कुछ अनहोनी तो जरूर हुई है जो मर्डर, आत्महत्या या कुछ और भी हो सकता है।

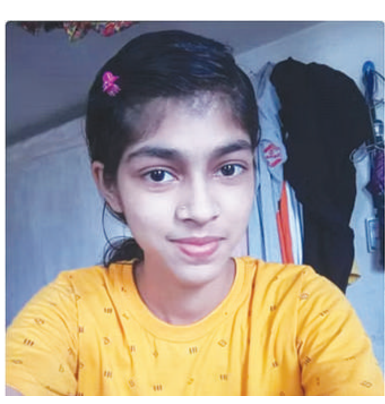

दरअसल, मंगलवार को नाबालिग छात्रा अपने घर से कोचिंग के लिए निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। छात्रा के समय पर घर न लौटने के बाद परिजन खोजबीन करने लगे। पूरे दिन खोजबीन होती रही, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। थक हार कर परिजनों ने नबीनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी।

नाबालिग छात्रा की मां ने प्राथमिकी में अपनी बेटी के अपहरण का आरोप लगाया। प्राथमिकी में मां ने कहा कि मंगलवार को उनकी बेटी सुबह 6:15 बजे घर से कोचिंग जाने के लिए निकली थी, लेकिन कोचिंग का समय समाप्त होने के बावजूद वह घर नहीं लौटी तो हम लोग उसकी खोजबीन करने लगे। इस दौरान जब घर के मोबाइल की जांच की गई तो मोबाइल में पास के ही गांव के एक लड़के का नंबर मिला। मोबाइल में सोमवार की रात 10:30 बजे लड़की और बगल के गांव के एक लड़के के बीच चैट थी। यही नहीं उस मोबाइल नंबर से लड़के की हमेशा बात होती थी। उन्होंने यह भी कहा कि मेरी बेटी की एक सहेली, जो अक्सर हमारे घर आती थी। बेटी के घर नहीं आने पर जब उसकी सहेली को फोन किया लेकिन उसकी मां ने बात कराने से इनकार कर दिया।

मोबाइल चैट और सहेली की मां द्वारा बेटी से बात कराने से इनकार के बाद मामले में छात्रा की मां ने बगल के गांव के एक युवक, बेटी की सहेली और उसकी मां पर अपहरण करने का आरोप लगाया। तीनों की भूमिका को संदिग्ध बताया। मृतका की मां का कहना है कि उसकी बेटी का अपहरण इन्हीं तीन लोगों ने मिलकर किया है। घटना के तीन दिन बाद शुक्रवार को छात्रा का शव बगल के रोहतास जिले में इंद्रपुरी सोन बैराज के पास नहर से बरामद किया गया। छात्रा का शव बरामद होते ही सनसनी मच गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। छात्रा का शव मिलते ही गुस्साए स्थानीय लोगों और परिजनों ने शव के साथ नबीनगर में सड़क जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया। इस दौरान काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने सड़क जाम हटवाया। मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, तब जाकर जाम हटा।

घटना के बाद से हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दो दिनों से नबीनगर बाजार बंद है। घटना के विरोध में नबीनगर से लेकर औरंगाबाद जिला मुख्यालय में कैंडल मार्च भी निकाला गया है। घटना को लेकर लोगों का गुस्सा उबाल पर है।

वहीं, मामले में औरंगाबाद के निवर्तमान सांसद सुशील कुमार सिंह ने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि हमारे अत्यंत करीबी ऊर्जावान कार्यकर्ता की सुपुत्री के साथ घिनौनी घटना की सूचना पर उन्होंने औरंगाबाद की एसपी स्वपना गौतम मेशाम से फोन पर बात कर इस हृदय विदारक घटना के कारणों की जांच एसआईटी गठित कर जल्द से जल्द कराने और अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने को कहा है। यह घटना बहुत ही दुःखद और अत्यंत पीड़ादायक है। भगवान छात्रा को अपने श्री चरणों में जगह दें और पूरे परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद औरंगाबाद के सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-1 संजय कुमार पांडेय शनिवार को मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे एसिड अटैक की बात को अफवाह बताया। लोग अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि छात्रा की मौत डूबने से हुई है। यह हत्या या आत्महत्या का मामला हो सकता है। पुलिस मामले की सभी एंगल से जांच कर रही है। उन्होंने एसिड अटैक की बात को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि छात्रा के चेहरे से मांस के उखड़ने की वजह शव का तीन दिन से पानी में डूबे रहना है। साथ ही शव को पानी से निकालने में शरीर के कुछ हिस्सों से मांस उखड़ गया है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतका के पेट में पानी पाए जाने की बात है, जिससे स्पष्ट है कि छात्रा की डूबने से मौत हुई है। यह आत्महत्या या हत्या का मामला हो सकता है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी शीघ्र ही पूरा मामला उजागर करेगी।

एसडीपीओ-1 के बयान के बाद बिहार के बहुचर्चित राजपूत नेता आनंद मोहन पूरे कुनबे के साथ शनिवार की देर शाम नबीनगर पहुंचे। उन्होंने नबीनगर में लोगों से बात की। परिजनों से मुलाकात की और सांत्वना दी तथा ढांढ़स बंधाया। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। वे न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। इसके बाद रविवार को आनंद मोहन ने औरंगाबाद में प्रेसवार्ता की। प्रेस वार्ता में राजपूत नेता आनंद मोहन, शिवहर की उनकी नव निर्वाचित सांसद पत्नी और बेटी डॉ. आयुषी ने पुलिस की थ्योरी की धज्जियां उड़ा कर रख दीं। डॉ. आयुषी ने पुलिस की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतका की उम्र 24 वर्ष बताई गई है, जबकि सभी लोग जानते हैं कि उसकी (मृत छात्रा) उम्र 16 वर्ष है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सुसाइड की थ्योरी पूरी तरह गलत है। लाश की जो तस्वीरें उन्होंने देखी हैं, उनमें एक आंख फूटी हुई है। होंठ गायब है। पुलिस अगर यह भी कहे कि आंख को पानी में मछलियां खा गईं होंगी। तब भी यह बात हजम होने वाली नहीं है क्योंकि मछलियां आंख खा सकती हैं, लेकिन फोड़ नहीं सकतीं और होंठ को गायब नहीं कर सकतीं।

पटना में नाव हादसा, परिवार के चार लोग लापता

पटना (एजेंसियां)।
पटना में गंगा नदी में अचानक नाव पलग गई। नाव पर सवाल परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। फौरन स्थानीय तैराकों और नाविकों उन्हें बचाने की कोशिश करने लगे। 13 लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया। वहीं परिवार के चार लोगों की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की मदद से गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है। लापता लोगों की तलाश जारी है।

इधर, घटना की पुष्टि करते हुए बाढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि उमानाथ घाट पर रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर लोग गंगा स्नान करने आए थे। नाव पलटने से परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। इनमें से 13 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। वह फिलहाल ठीक है। इधर, एसडीआरएफ की टीम ने छह लोगों को तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। इनमें से दो लोगों को बचा लिया गया है वहीं चार लोगों की तलाश जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com